CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :30°C
न्यूनतम: 22°C

देहरादून, शनिवार 12 जुलाई 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 24 अंक 339 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | श्रावण कृष्ण पक्ष 1 विक्रमी सम्वत् 2082 | 16 मुहर्रम 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

ओडिशा के जंगल- जमीन मित्रों के हवाले कर रहे मोदी: खड़गे-राहुल पेज 2

लॉर्ड्स टेस्ट: राहुल व नायर ने भारतीय पारी संभाली खेल टाइम्स

चंद्रचूड़ बंगला विवाद: सुप्रीम कोर्ट का पत्र सरकार को चेतावनी! सम्पादकीय

अमेरिकी हमले में भी बच गया ईरान का परमाणु कार्यक्रम पेज 12

शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे

टेक्सास। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने इसकी जानकारी दी। एक्सिओम-4 मिशन के तहत शुभांशु सहित चार क्रू सदस्य इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचे थे। एक्सिओम मिशन को 25 जून को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। ड्रैगन अंतरिक्ष यान 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर डॉक किया गया था। हालांकि, यह मिशन 14 दिनों का था। अब एस्ट्रोनॉट की वापसी चार दिन देरी से होगी। इससे पहले 6 जुलाई को शुभांशु के आईएसएस स्टेशन से कुछ तस्वीरें सामने आईं थीं। जिसमें शुभांशु कपोला मॉड्यूल के विंडो से पृथ्वी देखते नजर आ रहे थे। कपोला मॉड्यूल एक गुंबदनुमा ऑब्जर्वेशन विंडो है, जिसमें 7 खिड़कियां होती हैं।

गुजरात महिसागर पुल हादसा: मृतक संख्या 19 हुई, दो लापता

अहमदाबाद। गुजरात के वडोदरा जिले में महिसागर नदी पर बने पुराने पुल के ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। शुक्रवार को एक घायल शख्स की अस्पताल में मौत हो गई। दो लोग अभी भी लापता हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ का सर्च ऑपरेशन जारी है। वडोदरा कलेक्टर अनिल धमेलिया ने कहा कि नदी में गिरे एक टैंकर में सल्फ्यूरिक एसिड भरा था। ऐसे में पता लगाया जा रहा है कि उसमें से कोई रिसाव न हो। वहीं पानी सोडा ऐश (सोडियम कार्बोनेट) होने के कारण रेस्क्यू टीम को जलन और खुजली हो रही है। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई है।

अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा के लिए ऑपरेशन शिवा शुरू

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने श्री अमरनाथ जी की सुचारू और सुरक्षित यात्रा के लिए नागरिक प्रशासन और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ मिलकर 'ऑपरेशन शिवा 2025' शुरू किया है। इस विशेष अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान समर्थित छद्म आतंकवादियों से बढ़े खतरे को देखते हुए उत्तरी और दक्षिणी दोनों यात्रा मार्गों पर मज़बूत और पुख्ता सुरक्षा प्रदान करना है, इस वर्ष अभियान के लिए प्रौद्योगिकी और अन्य जरूरी संसाधनों से लैस 8500 से अधिक सैनिकों को तैनात किया गया है।

'कन्नड़' अनिवार्य करने पर केंद्र व राज्य सरकार को नोटिस

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कन्नड़ भाषा की पढ़ाई अनिवार्य करने पर सरकार से जवाब मांगा है। इसके लिए तीन हफ्ते का समय दिया है। अदालत ने राज्य और केंद्र सरकार को नोटिस भी जारी किए हैं। राज्य के सीबीएसई और सीआईएससीई स्कूलों में कन्नड़ की पढ़ाई अनिवार्य करने के खिलाफ 2023 में एक जनहित याचिका दायर हुई थी।

शॉल ओढ़ाने पर समझें उम्र हो चली: भागवत

भागवत के मुंह से निकली '75 उम्र की दलील' को कांग्रेस ने लपका

कांग्रेस बोली: प्रधानमंत्री को भी हो जाना चाहिए रिटायर

नागपुर, वार्ता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि 75 साल की उम्र के बाद नेताओं को रिटायरमेंट ले लेनी चाहिए। भागवत ने कहा कि जब आपको 75 साल पूरे होने पर शॉल ओढ़ाई जाती है, तो समझिए कि दूसरों को मौका देने का समय आ गया है। आपको किनारे हो जाना चाहिए।

भागवत ने ये बातें रामजन्मभूमि आंदोलन के प्रेरक दिवंगत मोरोपंत पिंगले पर लिखी पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में कहीं। मोदी और भागवत, दोनों इस साल सितम्बर में 75 साल के हो जाएंगे। भागवत के इस बयान के बाद विपक्षी पार्टियां इसे प्रधानमंत्री से जोड़ रही हैं। कांग्रेस महासचिव

जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बेचारे पुरस्कार जीवी प्रधानमंत्री! यह कैसी घर वापसी है। लौटते ही सरसंघचालक ने उन्हें याद दिलाया कि 17 सितम्बर, 2025 को वे 75 साल के हो जाएंगे। जयराम रमेश ने आगे लिखा कि प्रधानमंत्री भी सरसंघचालक से कह सकते हैं कि वे भी 11 सितम्बर, 2025 को 75 साल के हो जाएंगे! एक तीर, दो निशाने!

- **मोदी और भागवत इसी साल सितम्बर में 75 साल के हो जाएंगे**
- **संघ प्रमुख के बयान पर सियासी घमासान**

दरअसल, पीएम मोदी 10 जुलाई को 5 देशों की विदेश यात्रा से लौटे हैं। जयराम रमेश ने इसे ही उनकी घर वापसी बताया। भाजपा में राज्य और मंडलस्तर पर उम्र की सीमाएं लागू हैं। भाजपा के भीतर एक निश्चित उम्र तक पद पर बने रहने को लेकर कोई आधिकारिक नियम नहीं है। हालांकि, कुछ स्तरों पर उम्र सीमाएं लागू की गई हैं। उदाहरण के लिए, छत्तीसगढ़ भाजपा ने मंडल अध्यक्ष पद के लिए 35 से 45 साल और जिला अध्यक्ष पद के लिए 45 से 60 साल की उम्र सीमा निर्धारित की है। वहीं भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में 75 साल से अधिक उम्र के कई वरिष्ठ नेताओं को टिकट नहीं दिया था। इसमें लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सुमित्रा महाजन, कलराज मिश्र, जैसे कई नेता शामिल थे। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा में 75 साल की उम्र से ज्यादा के नेताओं को रिटायर करने का ट्रेंड शुरू। पहली बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी ने अपनी कैबिनेट में इससे कम उम्र के नेताओं को ही जगह दी थी। लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को मार्गदर्शक मंडल में शामिल किया गया।

अजित डोभाल ने पहली बार चुप्पी तोड़ी

कहा: 23 मिनट में पाक के नौ ठिकानों को किया बर्बाद

चेन्नई, वार्ता

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने आईआईटी मद्रास में आयोजित एक कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विदेशी मीडिया की रिपोर्टिंग पर कड़ी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने पहली बार कहा कि कई विदेशी समाचार एजेंसियों ने भारत को लेकर भ्रामक और तथ्यहीन जानकारी प्रकाशित की है। इसके साथ ही अजित डोभाल ने कहा कि भारत का ऑपरेशन बेहद ही सफल रहा। हमने पाकिस्तान में नौ ठिकानों को निशाना बनाया था। इसमें से एक भी नहीं चूका। एनएसए डोभाल ने कहा कि विदेशी प्रेस ने कहा कि पाकिस्तान ने यह किया, वो किया... आप मुझे एक भी फोटो या सबूत दिखाइए, जिसमें भारत में किसी इमारत को नुकसान हुआ हो, एक कांच तक टूटा हो, उन्होंने बातें लिख दीं और छाप दीं। उन्होंने आगे कहा कि विदेशी मीडिया द्वारा जारी की गई सैटेलाइट तस्वीरों में 10 मई से पहले और बाद में पाकिस्तान के 13 एयरबेस दिखाए गए, चाहे वह सरगोधा हो, रहीम यार खान हो या चकलाला। मैं सिर्फ वही

- **बोले-विदेशी मीडिया ने पाकिस्तान को बढ़ा-चढ़ाकर किया पेश**

बता रहा हूं जो उन्होंने अपनी रिपोर्टिंग में छापा। हममें यह क्षमता है कि अगर हम चाहें, तो पाकिस्तान के एयरबेस को नुकसान पहुंचा सकते हैं। डोभाल ने कहा कि हमें अपनी स्वदेशी तकनीक विकसित करनी होगी। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र यहां किया गया था। हमें इस बात पर गर्व है कि इसमें कितनी स्वदेशी सामग्री थी... हमने पाकिस्तान के आर-पार नौ आतंकवादी ठिकानों पर निशाना साधने का फैसला किया, ये सीमावर्ती इलाकों में नहीं थे। हम कोई भी निशाना नहीं चूके। हमने इसके अलावा कहीं और निशाना नहीं साधा। यह उस बिंदु तक सटीक था, जहां हमें पता था कि कौन कहां है? पूरे ऑपरेशन में 23 मिनट लगे। हम एक ऐसे देश और ऐसी सभ्यता से ताल्लुक रखते हैं, जो हजार वर्षों से संकटग्रस्त, लहूलुहान और अपमानित रही है। हमारे पूर्वजों ने बहुत कुछ सहा है... मुझे नहीं पता कि इस सभ्यता को जीवित रखने और राष्ट्र की इस धारणा को जीवित रखने के लिए उन्होंने कितने अपमान, अभाव और कष्ट सहे होंगे। राष्ट्र, राज्य से अलग होता है। भारत, एक राष्ट्र के रूप में सहस्राब्दियों से अस्तित्व में है। अब से 22 साल बाद जब हम अपनी आजादी के 100 साल पूरे कर रहे होंगे, तब आप अपने करियर के शीर्ष पर होंगे।

हिमाचल: 21 दिन में 91 मरे, वाराणसी में गंगा में बहे व्यक्ति को एनडीआरएफ ने बचाया

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में 20 जून को मानसून की एंट्री हुई थी। बीते 21 दिन में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 91 लोगों की मौत हुई है। इनमें बाढ़, लैंडस्लाइड और सड़क हादसे शामिल हैं। राज्य की 200 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। यूपी के कई जिलों में शुक्रवार को बारिश हुई। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी में शख्स बह गया। वो यहां दर्शन के लिए आया था। वाराणसी की गंगा में बहे व्यक्ति को एनडीआरएफ ने बचाया। यहां गंगा में पानी हर घंटे 2 बार बढ़ रहा है। मप्र के मंडला में बाढ़ से अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है, 2 लापता हैं। 300 मकान क्षतिग्रस्त हैं। 300 से ज्यादा लोग 7 रेस्क्यू कैंप में हैं। सीधी में बीते 12 घंटे से बारिश हो रही है। राजस्थान के 11 जिलों में सुबह से बारिश हो रही है। 27 जिलों में तेज बारिश का येलो अलर्ट है। सीकर में खंडेला नदी का पानी आबादी वाले इलाकों में पहुंचा। कोठपुतली में सरकारी स्कूल में पानी भर गया। बच्चों को पीठ पर लादकर बाहर निकाला गया। सीडब्ल्यूसी ने कहा कि देश भर में 20 नदी स्थल बाढ़ के खतरे में हैं, जिनमें से असम में एक और बिहार में दो स्थानों पर गंभीर बाढ़ की स्थिति है। गंभीर बाढ़ की स्थिति वाले स्थल असम के गोलाघाट में ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के किनारे, और मुजफ्फरपुर तथा गोपालगंज में गंगा की सहायक नदियों बागमती और गंडक के किनारे पर बसे हैं।

मोदी व आरएसएस पर आपत्तिजनक व्यंग्यचित्र विवाद पर 14 को सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट पीएम नरेन्द्र मोदी व आरएसएस पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के साथ अशोभनीय व्यंग्यचित्र बनाने के मामले में आरोपी हेमंत मालवीय की अंतरिम जमानत की मांग वाली याचिका पर 14 जुलाई को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया व न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर के मामले पर शीघ्र सुनवाई का अनुरोध शुक्रवार को स्वीकार करते हुए इस मामले को सोमवार के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। इंदौर के व्यंग्यचित्रकार हेमंत ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के तीन जुलाई के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती देते हुए राहत की गुहार लगाई है।

बम बम भोले के उद्घोष के साथ शुरू हुई कांवड़ यात्रा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हरिद्वार/देहरादून। श्रावण मास शुरू होते ही शुक्रवार को उत्तराखंड की तीर्थ नगरी हरिद्वार में कांवड़ियों का हुजूम उमड़ना शुरू हो गया। बम बम भोले के उद्घोषों के साथ आकर्षक कांवड़ में गंगा जल लेने आने वाले कांवड़ियों का मेला इस बार अदभुत नजर आ रहा है।

पुलिस ने पिछले वर्ष की तुलना में ज्यादा सुरक्षा के प्रबंध किए हैं। साथ ही, कांवड़ियों की भीड़ में फर्जी साधु बनकर नशीले पदार्थों की आपूर्ति अथवा सीधे साधे भोले के भक्तों को अपने जाल में फंसाकर, ठगने वालों को ऑपरेशन कालनेमी के तहत पुलिस के जवान खोजते घूम रहे हैं। शुक्रवार को श्रावण कृष्ण पक्ष प्रतिपदा से चतुर्दशी तक हर की

- **तीर्थ नगरी हरिद्वार में कांवड़ियों का हुजूम उमड़ना शुरू**

पैड़ी से गंगा जल लेकर कांवड़िए उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और मध्य प्रदेश के नगरों, कस्बों और गांवों के शिवालयों में चढ़ाने के लिए आना शुरू हो गए। पुराणों के अनुसार, काल के प्रथम खंड में कनखल के राजा ब्रह्मपुत्र दक्ष को दिया वचन निभाने के लिए भोले भंडारी श्रावण प्रतिपदा यानी शुक्रवार से कनखल पहुंच गए हैं। प्रति वर्ष में दो बार हरिद्वार से शिवालयों तक कांवड़ यात्रा निकलती है। फागुन मास की कांवड़ का जल महाशिवरात्रि तथा श्रावण मास की कांवड़ का जल शिव चतुर्दशी को चढ़ाया जाता है।

नारकोटिक्स मामले के आरोपी कुब्बावाला को यूएई से भारत लाया गया

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) एक सफल अभियान में नारकोटिक्स मामले के वांछित अपराधी कुब्बावाला मुस्तफा को शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से प्रत्यर्पित कर भारत ले आई। सीबीआई ने बताया कि उसने इंटरपोल चैनलों के माध्यम से कुब्बावाला मुस्तफा की वापसी का सफलतापूर्वक समन्वय किया है। कुब्बावाला मुस्तफा मुंबई पुलिस का वांछित अपराधी है। सीबीआई की अंतर्राष्ट्रीय पुलिस सहयोग इकाई एनसीबी-अबू धाबी के सहयोग से रेड नोटिस के तहत वांछित कुब्बावाला मुस्तफा को सफलतापूर्वक भारत वापस लेकर आई है। मुंबई पुलिस की चार सदस्यीय टीम कुब्बावाला मुस्तफा को वापस लाने के लिए दुबई गई थी।

अस्त्र मिसाइल का सुखोई लड़ाकू विमान से सफल परीक्षण

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और वायुसेना ने हवा से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल 'अस्त्र' का सुखोई-30 लड़ाकू विमान से सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि व्यक्ति की देखने की सीमा से आगे तक मार करने में सक्षम इस मिसाइल का ओडिशा के तट से परीक्षण किया गया। परीक्षणों के दौरान विभिन्न दूरी तथा अत्यधिक गति वाले मानवरहित हवाई लक्ष्यों पर दो निशाने लगाए गए और दोनों बार मिसाइलों ने सटीक निशाना साधा। अस्त्र की मारक क्षमता 100 किलोमीटर से अधिक है और यह अत्याधुनिक नौवहन प्रणाली से सुसज्जित है। डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं के अलावा हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड सहित 50 से अधिक सार्वजनिक और निजी उद्योगों ने इस हथियार प्रणाली के सफल निर्माण में योगदान दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मिसाइल से जुड़ी टीमों की सराहना की और कहा कि स्वदेशी सीकर युक्त मिसाइल का सफल परीक्षण महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। डीआरडीओ के अध्यक्ष डा. समीर वी. कामत ने भी सफल उड़ान परीक्षण पर सभी टीमों को बधाई दी।

खुले फास्टैग को ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया तेज

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण- एनएचएआई ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुगम टोल संग्रहण संचालन सुनिश्चित करने के वास्ते 'खुले फास्टैग' को ब्लैक लिस्ट करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। एनएचएआई के अनुसार इससे टोल संग्रह एजेंसियों को अपनी नीति और सुव्यवस्थित करने में मदद मिलेगी और जो खुले फास्टैग जिन्हें 'टैग-इन-हैंड' भी कहा जाता है, उसकी तुरंत रिपोर्ट कर उसे ब्लैकलिस्ट किया जा सकेगा।

पास- प्रणाली और मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग जैसी पहलों के मद्देनजर फास्टैग की प्रामाणिकता और प्रणाली की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए इसका समाधान आवश्यक है। खुले फास्टैग से अभिप्राय है कि

कभी-कभी वाहन मालिक जानबूझकर वाहन के विंडस्क्रीन पर फास्टैग नहीं लगाते। इस से परिचालन सम्बंधी चुनौतियां पैदा होती हैं, जिससे लेन में भीड़भाड़, झूठे चार्ज बैंक, बंद टोल प्रणाली में दुरुपयोग, इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह व्यवस्था में बाधा आती है। इससे टोल प्लाजा पर अनावश्यक देरी होती है और राष्ट्रीय राजमार्ग के अन्य उपयोगकर्ताओं को असुविधा होती है। इसको लेकर सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने के लिए, एनएचएआई ने एक समर्पित ईमेल आईडी उपलब्ध कराई है और टोल संग्रह एजेंसियों और रियायतधारकों को ऐसे फास्टैग की तुरंत सूचना देने का निर्देश दिया है। प्राप्त

- **टोल संग्रह एजेंसियों को अपनी नीति और सुव्यवस्थित करने में मिलेगी मदद**

रिपोर्टों के आधार पर, एनएचएआई रिपोर्ट किए गए फास्टैग को ब्लैकलिस्ट करने के लिए तुरंत कार्रवाई करेगा। एनएचएआई का कहना कि 98 प्रतिशत से अधिक की व्यापक पहुंच के साथ फास्टैग ने देश में इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली में क्रांति ला दी है। खुले फास्टैग या हाथ में टैग इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह कार्यों की दक्षता के लिए एक चुनौती हैं, लेकिन यह पहल टोल संचालन को और अधिक कुशल बनाने में मदद करेगी, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं के लिए निर्बाध और सहज यात्रा सुनिश्चित होगी।

EOW के हाथ लगा 49 हजार करोड़ की ठगी का मास्टरमाइंड

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उप्र की आर्थिक अपराध जांच शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 49 हजार करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के एक मामले के मुख्य आरोपी को पंजाब के रोपड़ जिले से गिरफ्तार किया है।

ईओडब्ल्यू के सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि पर्ल्स एग्रो-टेक कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएसीएल) के निदेशक गुरनाम सिंह (69) को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। उस पर पांच करोड़ निवेशकों के 49 हजार करोड़ रुपये हड़पने का आरोप है। उन्होंने बताया कि गुरनाम सिंह ने 13 फरवरी

- **पंजाब के रोपड़ जिले से हुई गिरफ्तारी**

1996 को जयपुर में रजिस्ट्रार ऑफ कंपनी से गुरुवंत एग्रोटेक लिमिटेड नाम से कंपनी का पंजीकरण कराया था, जबकि 25 अक्टूबर 2011 को इसका नाम बदल कर पर्ल्स एग्रो-टेक कॉर्पोरेशन लिमिटेड कर दिया गया, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली स्थित बारह खंभा रोड पर है। गुरनाम ने अपने साथी संचालकों की मदद से दस राज्यों उत्तर प्रदेश,दिल्ली,पंजाब, राजस्थान, असम, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, केरल, बिहार और छत्तीसगढ़ में कंपनी की शाखाएं खोलीं।

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर के मुख्य धार्मिक नेता मीरवाइज उमर फारूक नजरबंद

श्रीनगर। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं कश्मीर के मुख्य धार्मिक नेता मीरवाइज उमर फारूक ने शुक्रवार को कहा कि ऐतिहासिक जामिया मस्जिद में उन्हें जुमे की नमाज अदा करने से रोकने के लिए फिर से नजरबंद कर दिया गया है। मीर वाइज ने अपनी नज़रबंदी को 13 जुलाई को मनाए जाने वाले 'शहीद दिवस' से जोड़ा है। गौरतलब है कि 'शहीद दिवस' 13 जुलाई-1931 को श्रीनगर केंद्रीय जेल के बाहर सुरक्षाकर्मियों के हाथों 22 कश्मीरियों को मारे जाने की घटना की याद में मनाया जाता है, जहां वे निरंकुश शासन का विरोध करने के लिए एकत्र हुए थे। वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से पहले जम्मू कश्मीर में इस दिन आधिकारिक अवकाश होता था।

भाजपा को लाकर पछता रहे दिल्लीवाले: आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि दिल्ली की जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ भारतीय जनता पार्टी को सत्ता सौंपी थी,लेकिन पांच महीने में ही उसे अपने फैसले पर पछतावा हो रहा है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने जलभराव के मुद्दे पर शुक्रवार को कहा कि आज दिल्ली के व्हाट्सएप, ड्राइंग रूम्स और साउथ दिल्ली के क्लब में मध्यम वर्ग के लोगों के बीच यही चर्चा चल रही है कि वह मान रहे हैं कि भाजपा को दिल्ली में लाना एक बड़ी गलती थी। लोग भूल गए कि वही भाजपा, जो पिछले 12-14 साल से हरियाणा में सरकार चला रही है और हर बार गुग्गांव नगर निगम में जीतती है, उसके बावजूद वहां करोड़ों के फ्लैट में रहने वालों की गाड़ियां पानी में डूब रही हैं।

ओडिशा के जंगल-जमीन मित्रों के हवाले कर रहे मोदी

खड़गे-राहुल ने की प्रधानमंत्री मोदी की घेराबंदी

नई दिल्ली, वार्ता

कहा: अपने कुछ उद्योगपति मित्रों के हित के लिए काम करते हैं पीएम

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने कुछ उद्योगपति मित्रों के हित के लिए काम करते हैं इसलिए उन्होंने ओडिशा की जमीन और जंगल अडानी जैसे अपने चंद मित्रों के हवाले कर दी है।

खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मैं हमारे ओडिशा के महान नायक 'उत्कलमणि' गोपबंधु दास जी, बैरिस्टर मधुसूदन दास जी और यहां के सभी महान सेनानियों को श्रद्धांजलि देता हूं। कांग्रेस की सरकारों में पारादीप पोर्ट, राउरकेला स्टील प्लांट, हीराकुंड बांध, एनटीपीसी, नाल्को, चिल्का नेवल एकेडमी, पंचेश्वर रेल कोच फैक्ट्री, कोरापुट में एचएएल, आर्डिनेंस फैक्ट्री लगी। कांग्रेस के शासनकाल में भुवनेश्वर में एम्स, एनआईएसईआर, फिजिक्स इंस्टीट्यूट और कई शिक्षा संस्थान कायम हुए। कालाहांडी, बोलांगीर और कोरापुट केबीके जिलों के बदलाव की योजना बनाई, लेकिन आज क्या हो रहा है। मोदी, ओडिशा के लोगों की मेहनत की कमाई का पैसा अपने अरबपति मित्रों को सौंप रहे है। सभी सरकारी कारखाने, सरकारी कंपनियां, खदानें, पोर्ट, एअरपोर्ट, जंगल, जमीन, सब मोदीजी के कुछ मित्रों को दिए जा रहे है। उन्होंने सवाल किया कि प्राकृतिक संसाधनों में भारत का सबसे अमीर राज्य ओडिशा है, पर यहां के जनजातीय समुदाय दुनिया में सबसे अधिक गरीबी में क्यों जी रहे हैं। कांग्रेस की सरकार यहां मार्च 2000 के बाद नहीं बनी। खड़गे ने आरोप लगाया हसभी संवैधानिक संस्थाओं पर मोदीजी का कब्जा है। ये सभी संस्थाएं भारत के संविधान से नहीं, भाजपा के इशारों पर चलती है। जो मोदी-शाह कहते है, वो ये संस्थाएं और एजेंसियां करती है। इसी तरह अब लोगों के वोट के अधिकार पर सीधा हमला हो रहा है। पहले महाराष्ट्र और अब बिहार। ठीक चुनाव से पहले, बिहार में गरीब, पीड़ित, शोषित और वंचित लोगों के वोट का अधिकार छीना जा रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मामले में हस्तक्षेप कर, चुनाव आयोग के निर्णय पर सवाल उठाया। आधार कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड को दस्तावेज की सूची में शामिल करने को कहा। उन्होंने ओडिशा के लिए भाजपा का योगदान शून्य करार देते हुए कहा कि भाजपा पहले मुख्यमंत्री चुनती है, फिर अडानी- अंबानी जैसे लोग पीछे लगते हैं और देखते हैं कि कौन सी जमीन अच्छी है, कहां खनन करना है।

कांग्रेस आयोजित करेगी ओबीसी नेतृत्व भागीदारी न्याय सम्मेलन

नई दिल्ली। विभिन्न क्षेत्रों में पिछड़ों की भागीदारी बढ़ाने के मुद्दे को लगातार उठा रही कांग्रेस 25 जुलाई को राष्ट्रीय राजधानी में 'ओबीसी नेतृत्व भागीदारी न्याय सम्मेलन' आयोजित करेगी। इस सम्मेलन में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल हो सकते हैं। वह लगातार अन्य पिछड़ा वर्ग की भागीदारी बढ़ाने के लिए जातिगत जनगणना कराने की मांग करते रहे हैं। गांधी कांग्रेस पार्टी के भीतर पिछड़े वर्ग की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की बात भी करते रहे हैं। इसी कड़ी में पार्टी का ओबीसी विभाग नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 25 जुलाई को ओबीसी नेतृत्व भागीदारी न्याय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन में देश भर से कांग्रेस के कई नेता और पदाधिकारी शामिल होंगे। सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रमुख नेताओं में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पार्टी महासचिव सचिन पायलट समेत कई नेताओं के नाम शामिल हैं।

श्रावण मास के पहले दिन शिवालयों में भक्तों का तांता

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर गोरखनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक व हवन किया

लखनऊ। देवाधिदेव भगवान शिव के प्रिय मास श्रावण के पहले दिन शुक्रवार को वाराणसी समेत समूचे उत्तर प्रदेश में शिवालयों में श्रद्धालुओं ने हर हर महादेव के उद्घोष के साथ जलाभिषेक किया। इस दौरान सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किए गए हैं।

मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक व हवन किया। रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कर उन्होंने भगवान भोले शंकर से चराचर जगत के कल्याण और सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। मंदिर के अपने आवास के प्रथम तल स्थित शक्तिपीठ में योगी ने भगवान भोलेनाथ को विल्व पत्र, दुर्वा, मदार पत्र, कमल पुष्प समेत अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने के बाद जल, दूध और ऋतुफल के रस से रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत आचार्यगण एवं पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक संपन्न कराया। रुद्राभिषेक के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन किया। विधि विधान से पूर्ण हुए रुद्राभिषेक अनुष्ठान के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की। वाराणसी से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार ज्योतिर्लिंग काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए देर रात से ही श्रद्धालु कतारबद्ध हो चुके थे। मंदिर में कांवड़िए अपने आराध्य का जलाभिषेक करने को आतुर दिखे। कतार में लगे श्रद्धालु हर हर महादेव शंभु,काशी विश्वनाथ गंगे का उदघोष करते हुए अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए। इस दौरान पुलिस के जवान सुरक्षा इंतजाम में मुस्तैद दिखे। सीसीटीवी और ड्रोन के जरिए भी अराजक तत्वों पर नजर रखी जा रही थी।

हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है सरकार: योगी

गोरखपुर। सीएम योगी ने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान उन्होंने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और कहा कि परेशान मत हों, आपकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। जनता दर्शन में एक महिला इलाज के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई, तो उसे आत्मीय संबल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाज का इस्टीमेट मंगा लीजिए, सरकार भरपूर मदद करेगी।

सिद्धारमैया को किया गया अपमानित: भाजपा

राहुल ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के साथ बैठक से इन्कार किया: मालवीय

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेतृत्व पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का अपमान करने का आरोप लगाया है।

पार्टी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने शुक्रवार को दावा किया कि सिद्धारमैया हाल ही में दिल्ली आए और कांग्रेस नेता राहुल गांधी से बैठक का अनुरोध किया। लेकिन उनको इनकार कर दिया गया और मुख्यमंत्री को बिना किसी मुलाकात के बेंगलुरु लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। मालवीय ने एक्स पोस्ट में दावा किया कि कांग्रेस में कर्नाटक के किसी वरिष्ठ नेता का अपमान होना कोई पहली बार नहीं है। उन्होंने लिखा कि सन 1990 में बीमार चल रहे मुख्यमंत्री वीरेंद्र पाटिल के साथ तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी ऐसा किया था और कई लोग यह मानते हैं कि इसके बाद से राज्य में कांग्रेस के पतन की शुरुआत हो गई। उन्होंने राज्य कांग्रेस इकाई के आंतरिक झगड़े का जिक्र करते हुए कहा कि कमजोर सिद्दारमैया को उनके खिलाफ साजिश रचने वाले आदमी और कुर्सी के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे डीके शिवकुमार के पीछे छिपने के लिए मजबूर कर दिया गया है।

यूपी में हत्या-लूट अब आम बातः अखिलेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

कहा: प्रदेश में वही व्यक्ति सुरक्षित है, जो अपराधियों की नजर से बचा हुआ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में अपराधी तत्व बेखौफ है, जबकि हत्या, लूट की वारदातें आम हो चुकी हैं।

यादव ने यहां जारी बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का दावा था कि अपराधी अपराध छोड़ देंगे या फिर प्रदेश छोड़ देंगे, लेकिन हकीकत यह है कि यहां सिर्फ अपराधी बेखौफ हैं प्रदेश में वही व्यक्ति सुरक्षित है, जो अपराधियों की नजर से बचा हुआ है। भाजपा सरकार में पूरा प्रदेश जंगलराज में बदल गया है। हत्या, लूट, डकैती और बलात्कार तो अब रोज की आम बातें हो गई हैं। पुलिस निरंकुश है मुख्यमंत्री अपने भाषणों से आत्ममुग्ध हैं। शासन-प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है। उन्होंने कहा कि कोई दिन तो नहीं जाता है, जब राजधानी लखनऊ सहित अन्य जनपदों में अपराधिक वारदातें न होती हों। भाजपा सरकार में दलितों को सर्वाधिक उत्पीड़न झेलना पड़ता है। कहीं दबंग दलितों की बारात में डीजे बजाने पर मारपीट पर उतारू हो जाते हैं, तो कहीं दूल्हे के घोड़े पर चढ़ने पर हंगामा हो जाता है। ताजा घटना बाराबंकी की है जहां एक दलित युवक शैलेन्द्र गौतम को मंदिर में प्रवेश से रोका गया और बेरहमी से उसकी पिटाई कर दी गई। सच तो यह है कि अब प्रदेश में लोग आतंक और भय में जी रहे हैं। भाजपा सरकार की हर मोर्चे पर विफलता के चलते प्रदेश की दुनियाभर में बदनामी हो रही है। बच्चियां और महिलाएं अपमानित हो रही है। कानून व्यवस्था तो पूरी तरह ध्वस्त है। इस वजह से प्रदेश में न तो कोई निवेश आ रहा है और नहीं कोई उद्योग लग रहा है। बल्कि जो उद्योग लगे हैं वे भी अब बाहर जाने का मन बना रहे है। मुख्यमंत्री बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं पर कोई भी दावा जमीन पर नहीं उतर रहा है।

सेंसेक्स 82500.47 | निफ्टी 25129.00

सोना रु. 99150 प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 110290 प्रति किलो

शेयर बाजारों में गिरावट जारी

मुंबई, वार्ता

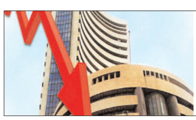

आईटी, आटो शेयरों में बिकवाली के दबाव से सेंसेक्स निफ्टी लुढ़के

सूचना प्रौद्योगिकी और वाहन कंपनियों के शेयरों में तेज बिकवाली के दबाव से शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला लगातार तीसरे दिन जारी रहा और प्रमुख सूचकांकों में 0.83 प्रतिशत तक टूट गए।

विश्लेषकों के अनुसार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की उठा- पटक भरी व्यापार नीति से फैली अनिश्चितताओं के साथ-साथ भारतीय कंपनियों के हिमाही नतीजों को लेकर भी बाजार में सावधानी है। देश की दिग्गज आईटी कंपनी टीसीएस के गुरुवार को बाजार बंद होने के बाद घोषित तिमाही परिणाम के बाद इसके शेयर में 3.46 प्रतिशत की तेज गिरावट दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में मिले जुले रुख का भी स्थानीय बाजार पर असर रहा। एशियाई बाजारों में जापान के बाजार में करीब 0.19 प्रतिशत की गिरावट रही, सिगापुर का स्ट्रेट टाइम्स 0.30 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 0.46 प्रतिशत लाभ में रहा। चीन का शंघाई कंपोजिट कल के स्तर पर बना रहा। दिन के कारोबार में लगातार बिकवाली के दबाव में रहा बीएसई 30 सेंसेक्स गुरवार की तुलना में 689.81 यानी 0.83 प्रतिशत गिर कर 82,500.47 पर बंद हुआ। सेंसेक्स सुबह 82,820.76 पर गिरावट के साथ खुला और दिन में ऊपर में 83,040.74 और नीचे में 82,442.25 तक चला गया था। कल बाजार 83,190.28 पर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 25,149.85 पर बंद के साथ 205.40 अंक (0.81 प्रतिशत की) गिरावट पर था। निफ्टी 25,255.50 पर खुल कर कारोबार के दौरान ऊपर में 25,322.45 और नीचे में 25,129.00 तक गया था। बीएसई सेंसेक्स के 22 शेयर घाटे में बंद हुए। सबसे वाहन कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स में दो प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही, मारुति भी हल्की गिरावट में बंद हुआ। टेक कंपनियों में टीसीएस के साथ साथ एचसीएल टेक, इन्फोसिस और टेक महिंद्रा भी घाटे में बंद हुए। लाभ में रहे शेयरों में हिंदुस्तान लीवर 4.61 प्रतिशत उछल गया। एक्सिस बैंक, सन फार्मा, एनटीपीसी, इटर्नल, एसबीआई, आईटीसी और अल्ट्रा सेमको भी हल्के लाभ में रहे। निफ्टी बैंक 0.35 प्रतिशत की गिरावट में रहा। निफ्टी 100, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मालकैप 100 भी क्रमशः 0.81 प्रतिशत, 0.8 प्रतिशत और 1.02 प्रतिशत घाटे में बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि कंपनियों के पहली तिमाही के शुरुआती नतीजों में आय वृद्धि की रफ्तार दिखने और अमेरिका द्वारा कनाडा पर 35 प्रतिशत शुल्क लगाने लगाने की धमकी का घरेलू बाज़ारों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

चांदी 110290 रुपये के ऑल टाइम हाई पर

मुंबई। चांदी की कीमत शुक्रवार को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार एक किलो चांदी की कीमत 2,356 रुपये बढ़कर 1,10,290 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। कल ये 1,07,934 रुपये पर थी। वहीं, 24 कैरेट सोने के दाम में भी आज तेजी है। ये 465 रुपये महंगा होकर 97,511 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। गुरुवार को सोने का दाम 97,046 रुपये प्रति 10 ग्राम था। इससे पहले 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 रुपये का ऑल टाइम हाई बनाया था। 4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत, दिल्ली-24 कैरेट सोने की कीमत 99,150 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,900, मुंबई- 24 कैरेट सोने की कीमत 99,000 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750, कोलकाता- 24 कैरेट सोने की कीमत 99,000 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750, चेन्नई- 24 कैरेट सोने की कीमत 99,000 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750।

डॉलर के मुकाबले में रुपये में 27 पैसे की तेज गिरावट

मुंबई, वार्ता

वैश्विक व्यापार परिदृश्य को लेकर व्याप्त अनिश्चितताओं और स्थानीय शेयर बाजारों में लगातार गिरावट के बीच अंतर बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर के समक्ष रुपया करीब 27 पैसे नीचे आ गया।

अमेरिका में कनाडा के सामानों पर 35 प्रतिशत की दर से आयात शुल्क लगाने और ब्रिक्स के सदस्य देशों पर 10 प्रतिशत का दंडात्मक प्रशुल्क लगाने की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की घोषणाओं से व्यापार को लेकर अनिश्चिततायें बढ़ गई हैं। इस बीच स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला आज तीसरे दिन भी बना रहा। इस बीच प्रमुख विदेशी मुद्राओं के समक्ष अमेरिकी डॉलर में लगातार तेजी बनी हुई है। डॉलर भारतीय रुपये के खिलाफ मजबूत होकर 85.8536 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। कल बंद के समय डॉलर का भाव 85.5780 था। भारतीय मुद्रा के साथ अन्य प्रमुख मुद्राओं की विनिमय दर इस प्रकार रही: पौंड (ब्रिटेन) 116.2853 रुपये, यूरो 100.2850 रुपये और जापानी येन (प्रति सैकड़ा) 58.45 रुपये। एलकेपी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च एनालिस्ट जतीन त्रिवेदी ने कहा कि पूंजी बाजार में कमजोरी के साथ-साथ सोने और चांदी की ऊंची कीमतों और कमजोर वैश्विक संकेतों ने रुपये के प्रति बाजार की धारणा को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ब्राज़ील और कनाडा के माल पर अमेरिका में ऊंची दर से प्रशुल्क लगाने से अनिश्चितता बढ़ गई है और जब तक कोई रचनात्मक व्यापार वार्ता नहीं होती, बाजार में सतर्कता रहेगी।

दिल्ली में आधार के लिए हों सख्त नियम

नई दिल्ली। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के प्रधान सचिव ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर राष्ट्रीय राजधानी में आधार कार्ड जारी करने के लिए सख्त नियम लागू करने को कहा है।

सक्सेना के प्रधान सचिव ने मुख्य सचिव को आज एक पत्र लिखकर कहा कि सुरक्षा समीक्षा बैठकों में यह बात सामने आई है कि कई अवैध प्रवासी फर्जी दस्तावेजों या गलत जानकारी से आधार कार्ड हासिल कर रहे हैं। इस दस्तावेज के आधार पर पासपोर्ट और वोटर कार्ड जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज बनवा रहे हैं। आधार कार्ड प्राप्त करने के बाद अवैध अप्रवासी भी केन्द्र और राज्य सरकारों की कल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इसका स्थानीय बाजार पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। यह स्थिति राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रही है। उपराज्यपाल सचिवालय ने सभी रजिस्ट्रारों को आधार (नामांकन और अद्यतन) विनियम, 2016 के प्रावधानों का सख्ती से अनुपालन करने और दो महीने के भीतर आधार नामांकन के आंतरिक मॉडल को अपनाने का निर्देश दिया है। नगर निकायों सहित राज्य सरकार द्वारा स्थापित सभी नामांकन केंद्रों का विस्तृत विवरण, वर्तमान कार्यप्रणाली सहित, 15 जुलाई तक प्रस्तुत करने के लिए निर्देश दिया गया है।

श्री अमरनाथ के लिए 6482 तीर्थयात्रियों का नया जत्था रवाना

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए 6482 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था शुक्रवार सुबह 'बम बम भोले' के जयकारों के साथ जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ।

अधिकारियों ने शुक्रवार को यहां बताया कि स्वनिर्मित हिम शिवलिंग दर्शन के लिए तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से 268 गाड़ियों में रवाना हुए। उन्होंने कहा कि शुक्रवार सुबह 6,482 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू आधार शिविर से कश्मीर स्थित श्री अमरनाथ यात्रा गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों के अनुसार 268 वाहनों के बेड़े में 4129 तीर्थयात्री पहलगाम और 2353 तीर्थयात्री बालटाल के लिए रवाना हुए। वाहनों के बेड़े हल्के और भारी मोटर वाहन शामिल थे। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दो जुलाई को यहां से तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। अमरनाथ यात्रा इस वर्ष 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगी। यह यात्रा कुल 38 दिनों की होगी।

विश्व जनसंख्या दिवस नड्डा का संदेश

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए सुनियोजित देखभाल महत्वपूर्ण

जन स्वास्थ्य में परिवार नियोजन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर बेहतर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए देखभाल के महत्व पर जोर दिया है।

विश्व जनसंख्या दिवस प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को मनाया जाता है और इस वर्ष के दिवस का विषय 'मां बनने की उम्र वही, जब तन और मन की तैयारी सही' जन स्वास्थ्य में परिवार नियोजन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा एक संदेश में कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस परिवार नियोजन के बारे में जागरूकता बढ़ाने और जनसंख्या संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का मंच प्रदान करता है। इस वर्ष के विषय मां बनने की सही उम्र वह है, जब मन और शरीर तैयार हो पर प्रकाश डालते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने पितृत्व के लिए शारीरिक और भावनात्मक तैयारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह शारीरिक और भावनात्मक दोनों तरह की तत्परता के साथ जानकारी और सशक्त निर्णयों के महत्व को रेखांकित करता है। नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार देश भर में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों सहित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से जरूरी परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ये प्रयास परिवारों को सशक्त बना रहे हैं और स्वस्थ भारत का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। इस बीच इस सप्ताह के शुरू में जारी संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की विश्व जनसंख्या स्थिति रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में 36 प्रतिशत वयस्कों में अनचाहे गर्भधारण के मामले सामने आते हैं। भारत की आबादी एक अरब 46 करोड़ से ज्यादा है, जो चीन के बाद दुनिया में सबसे अधिक है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना
खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैण्डजॉब पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बढ़ा हुआ जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सूचना दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई चिकित्सा या कार्य करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेगा। कंपनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई या अन्यथा के लिए किसी प्रकार की जिम्मेदारी नहीं लेता है और न ही किसी हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

मतदाता सूची विवाद पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

एक ही स्थान से वोटिंग व चुनाव लड़ने का हक

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने नगर निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के बीच मतदाता सूची को लेकर चल रहे विवाद पर अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साफ किया है कि एक व्यक्ति को एक ही जगह से मतदान करने और चुनाव लड़ने का संवैधानिक अधिकार है, और इस अधिकार से किसी को भी वंचित नहीं किया जा सकता।

मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ ने की। दरअसल, उत्तराखंड राज्य निर्वाचन आयोग ने 6 जुलाई 2025 को सभी जिलाधिकारियों को एक सर्कुलर भेजा था, जिसमें पूछा गया था कि जिन व्यक्तियों के नाम शहरी निकाय और ग्राम पंचायत दोनों की मतदाता सूची में दर्ज हैं, क्या उन्हें वोट डालने और चुनाव लड़ने की अनुमति दी जाए? इस सर्कुलर के जवाब में कोई स्पष्ट या संतोषजनक उत्तर जिलाधिकारियों की ओर से नहीं आया। इस पत्र को शक्ति सिंह बर्त्वाल ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। कोर्ट ने आयोग के 6 जुलाई 2025 वाले सर्कुलर पर अस्थायी रोक लगाते हुए कहा है कि वह चुनाव प्रक्रिया को रोकने के पक्ष में नहीं है, संविधानिक अधिकारों का उल्लंघन भी नहीं होने देगा।

आयोग के सर्कुलर पर लगी रोक

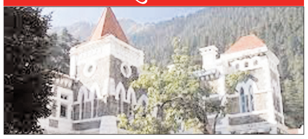

कोर्ट का फैसला: संविधानिक अधिकार सर्वोपरि

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वोट देना और चुनाव लड़ना हर नागरिक का संविधानिक अधिकार है, और यह अधिकार किसी प्रशासनिक अस्पष्टता या तकनीकी कारणों से छीना नहीं जा सकता। अंततः कोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग की और से जारी सर्कुलर पर अस्थायी रोक लगा दी है और मामले को आगे विस्तार से सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करते हुए 26 जुलाई की तारीख तय की है।

क्या कहता है पंचायती राज अधिनियम?

राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से कोर्ट में यह दलील दी गई कि पंचायती राज अधिनियम की धारा 9 की उपधारा 13 यह कहती है कि यदि किसी व्यक्ति का नाम दो जगह वोटर लिस्ट में है, तो उसका नाम किसी भी सूची से नहीं हटाया जाना चाहिए। जबकि याचिकाकर्ता शक्ति सिंह बर्त्वाल की ओर से दलील दी गई कि उसी अधिनियम की धारा 9 की उपधारा 6 यह स्पष्ट करती है कि एक व्यक्ति का नाम केवल एक ही मतदाता सूची में होना चाहिए, ताकि दोहरे मताधिकार की संभावना समाप्त हो।

चुनाव में भ्रम की स्थिति, नामांकन रद्द भी हुए

पंचायत चुनावों के दौरान कई ऐसे प्रत्याशी सामने आए जिनके नाम दोनों सूची में थे, नगर निकाय और ग्राम पंचायत की। इस वजह से कुछ प्रत्याशियों के नामांकन रद्द कर दिए गए, जबकि कुछ को चुनाव लड़ने की अनुमति दे दी गई, जिससे विवाद और भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई। शक्ति सिंह बर्त्वाल ने 7 और 8 जुलाई को राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर इस विषय पर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की थी, लेकिन जब कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो उन्होंने उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दाखिल कर दी।

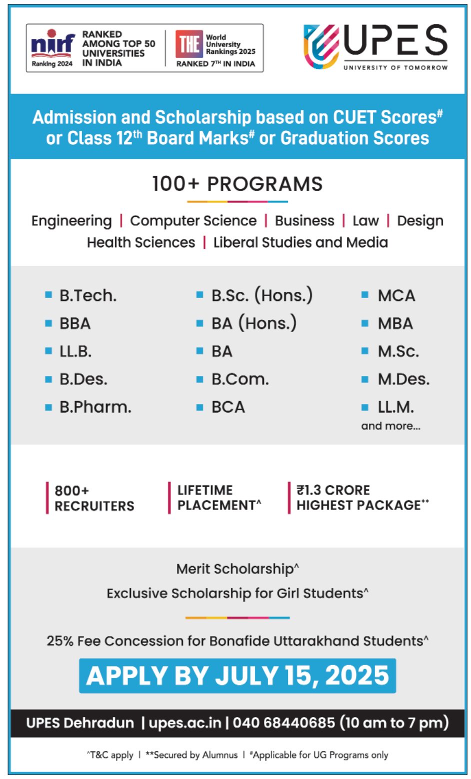

निर्वाचन आयोग व सरकार ने गलत आदेश जारी कर मुंह की खाई: कांग्रेस

■ कांग्रेस ने पहले ही आयोग को किया था सावधान: धस्माना

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने उच्च न्यायालय नैनीताल की और से राज्य निर्वाचन आयोग के 6 जुलाई 2025 वाले सर्कुलर पर अस्थायी रोक लगाने का स्वागत किया है।

धस्माना ने कहा कि आयोग ने दो स्थानों पर दर्ज नाम वाले मतदाताओं को चुनाव लड़ने की अनुमति पंचायत राज अधिनियम की धज्जियां उड़ाते हुए दी थी, जिस पर कोर्ट ने रोक लगा दी है।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग पूरी तरह से सत्ताधारी दल के इशारों पर काम कर रहा है और उसके पीठासीन अधिकारी भाजपा के एजेंटों की तरह व्यवहार कर रहे हैं। धस्माना ने कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के नेतृत्व में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का प्रति. निधिमंडल चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले राज्य निर्वाचन आयोग को इस बात के लिए आगाह करते हुए मांग पत्र दे कर आया था जिसको राज्य निर्वाचन आयोग ने हल्के में लिया और आज उसको कोर्ट से मुंह की खानी पड़ी।

गैरसैंण में 19 से 22 अगस्त तक होगा विधानसभा का मानसून सत्र

■ प्रमुख सचिव विधायी धनंजय चतुर्वेदी ने जारी की अधिसूचना, मानसून सत्र की तिथि व स्थान के लिए कैबिनेट ने मुख्यमंत्री को किया था अधिकृत

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा का मानसून सत्र गैरसैंण के भराड़ीसैंण विधानसभा भवन में आयोजित किया जाएगा। मानसून सत्र 19 अगस्त से 22 अगस्त तक के लिए निर्धारित किया गया है। प्रमुख सचिव विधायी धनंजय चतुर्वेदी ने मानसून सत्र के आयोजन को लेकर अधिसूचना शुक्रवार को जारी कर दी है।

अधिसूचना में कहा गया है कि विधानसभा के मानसून सत्र के लिए तिथि एवं स्थान चयन करने के लिए मंत्रिमंडल ने मुख्यमंत्री को अधिकृत किया था, ताकि मुख्यमंत्री इस पर फैसला ले सकें।

मुख्यमंत्री के अंतिम निर्णय को राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद प्रमुख सचिव विधायी ने मॉनसून सत्र की तिथियां की घोषणा कर दी है। इस वर्ष विधानसभा का बजट सत्र गैरसैंण में नहीं हो पाया था, बजट सत्र दून स्थित विधानसभा भवन में आयोजित किया गया था।

सड़क योजना की समीक्षा बैठक आयोजित

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अधिकारियों ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की वित्तीय और भौतिक प्रगति का प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना- 4 में 2645 गांव को आच्छादित करते हुए 9500 किलोमीटर की सड़क बनाने का लक्ष्य है। इसके प्रथम फेज में 1370 किलोमीटर की 212 सड़कों की डीपीआर का अनुमोदन किया गया है।

कॉमन सर्विस सेंटर लोगों के विश्वास का केंद्र: धामी

उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीएससी सेंटर संचालकों को किया सम्मानित

■ सीएम धामी के साथ कैबिनेट मंत्री सोरभ, विधायक खजान दास व उमेश काउ रहे मौजूद

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। विभिन्न प्रमाण पत्रों की सरकारी सेवाओं को डिजिटल रूप में ऑनलाइन आम जनता तक पहुंचाने एवं उनके दस्तावेजों में सहायता करने के लिए स्थापित किए गए कॉमन सर्विस सेंटर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संचालकों को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को आईआरडीटी ऑडिटोरियम, सर्वे चौक, देहरादून में सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) दिवस-2025 के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने सीएससी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सीएससी वी.एल.ई पुरस्कार से भी सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक खजान दास, विधायक उमेश शर्मा काऊ, भगवान पाटिल, कृष्ण कुमार सिंह, अश्विनी कुमार एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएससी उस परिवर्तन का प्रतीक है, जो देश के कोने-कोने तक पहुंच गया है। यह आम लोगों के विश्वास का केंद्र होने के साथ-साथ लोगों की आकांक्षाओं को भी पूरा करता है।

राज्य में 13 हजार से अधिक सीएससी संचालित: मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएससी संचालक ग्राम स्तर पर लोगों के जीवन को सरल और सुगम बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएससी संचालक गांव के भविष्य को संवारने का कार्य कर रहे हैं। सीएससी ने डिजिटल सेवाओं को घर-घर तक पहुंचाने के साथ ही समाज में रोजगार के अवसर भी पैदा किए हैं। उत्तराखंड राज्य में 13 हजार से अधिक सीएससी संचालित हैं। इनके माध्यम से यूसीसी पंजीकरण, विभिन्न प्रमाण पत्रों और डिजिटल ट्रांजेक्शन जैसे विभिन्न कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में साइंस बेस्ड नॉलेज इकोनॉमी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटल इंडिया के संकल्प को देश के सामने रखा था, जो आज पूरा होता हुआ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रांति सरकार की स्पष्ट नीति और नियत का उदाहरण है। भारत के गांव-गांव में डिजिटल क्रांति पहुंच गई है। दुनिया में सबसे अधिक डिजिटल ट्रांजेक्शन भारत में हो रहे हैं। आज देश की छोटी से छोटी दुकान में भी डिजिटल ट्रांजेक्शन का उपयोग हो रहा है।

चौमुखी विकास का परिणाम है ग्रीष्मकालीन राजधानी में मानसून सत्र : भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने मानसून सत्र गैरसैण में आयोजित करने के निर्णय का स्वागत करते हुए, इसे जनभावनाओं का सम्मान बताया है। प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने उम्मीद जताई कि पर्वतीय राज्य की अवधारणा अनुसार, पहाड़ में बैठकर विकास पर उसमें सार्थक चर्चा होगी। राज्य में हुए ढांचागत और व्यवस्थागत विकास का ही नतीजा है कि ग्रीष्मकालीन राजधानी में मानसून सत्र हो रहा है।

उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया में सरकार द्वारा 19 अगस्त से पहाड़ में विधानसभा सत्र कराने को पार्टी की वैचारिक प्रतिबद्धता के अनुरूप मानते हुए सीएम धामी का आभार व्यक्त किया है।

राज्य निर्माण के संघर्ष से लेकर उसके सर्वांगीण विकास को लेकर लगातार हमारी सरकारें कार्य करती रही हैं। हमने जनसहभागिता से पृथक राज्य का निर्माण कराया और आंदोलनकारियों की भावनाओं के अनुशार गैरसैण को ग्रीष्मकालीन राजधानी भी हमने ही बनाया। आज तमाम विकास कार्यों से वहां की तस्वीर बदलने का काम भी हम लगातार कर रहे हैं। पहाड़ में हुए ढांचागत और व्यवस्थागत परिवर्तन का नतीजा है कि ग्रीष्मकालीन राजधानी में हमारी सरकार वर्षाकाल में भी सत्र का आयोजन करने जा रही है।

प्रभावित किसानों को मानकों के अनुसार दी जाएगी राहत राशि : जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से इस वित्तीय वर्ष के दौरान कृषि विभाग के तहत 0. 006है. भूमि पर नुकसान की सूचना है, जिसमें बागेश्वर जनपद में भुकटाव के कारण यह क्षति दर्ज हुई है। इसी प्रकार, उद्यान विभाग में दर्ज आकड़ों के अनुसार इस वित्तीय वर्ष में 4773है. में क्षति का आंकलन किया गया है। दोनों ही विभागों में हुई क्षति 33 प्रतिशत से अधिक की श्रेणी में आती है, जिसके चलते यह नुकसान आपदा प्रबंधन अधिनियम के अंतर्गत क्षतिपूर्ति के लिए अनुमन्य है।

विभागीय अधिकारियों और राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा फसलों की क्षति का मूल्यांकन कार्य तेजी से किया जा रहा है। जोशी ने विभागीय अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने तथा भारत सरकार के मानक के अनुसार शीघ्र कागजी कार्यवाही कर किसानों को उनकी फसलों का मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं।

बीकेटीसी सदस्य नीलम पुरी ने महाराज से की भेंट

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। बीरोंखाल गढ़वाल से बद्रीनाथ केदारनाथ मन्दिर समिति में प्रथम बार सदस्य मनोनीत होने पर अनु०जा० की नीलम पुरी ने प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट उनका आभार व्यक्त किया।

महाराज ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राम स्यूँसी, बीरोंखाल, गढ़वाल से बद्रीनाथ केदारनाथ मन्दिर समिति में प्रथम बार एक अनु०जा० की नीलम पुरी को सदस्य के रुप में मनोनीत कर सम्मान देना एक ऐतिहासिक पहल है।

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक में मुख्यमंत्री के अधिकारियों को निर्देश

ऋण-जमा अनुपात बढ़ाया जाए: सीएम

■ ऋण प्रक्रियाओं और बीमा क्लेम में भी सरलीकरण होना जरूरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लोगों को पूरा लाभ मिले, इसके लिए लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण देने की प्रक्रियाओं का और सरलीकरण किया जाए। जन समस्याओं का समाधान करना हमारी शीर्ष प्राथमिकता हो। कृषि बीमा योजनाओं में बीमा क्लेम की प्रक्रियाओं के सरलीकरण की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए। जनपदों में ऋण जमा अनुपात बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। ये निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने शुक्रवार को सचिवालय में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की विशेष बैठक के दौरान अधिकारियों को दिए।

बैठक में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव दिलीप जावलकर, नितेश कुमार झा, राधिका झा, श्रीधर बाबू अदांकी, आरबीआई के रीजनल डायरेक्टर अरविंद कुमार, एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक देवाशीष मिश्रा, अपर सचिव रंजना राजगुरु, हिमांशु खुराना, मनमोहन मैनाली और संबंधित बैंकों के अधिकारी उपस्थित थे।

अनुपात 54 प्रतिशत से बढ़कर 54.26 प्रतिशत हुआ

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का ऋण जमा अनुपात बढ़ाने की दिशा में और प्रयास किए जाएं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य का ऋण जमा अनुपात 54 प्रतिशत से बढ़कर 54.26 प्रतिशत हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे 60 प्रतिशत तक ले जाने के लिए और प्रभावी प्रयास किए जाएं। राज्य के पर्वतीय जनपदों, विशेषकर टिहरी, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, अल्मोड़ा, पौड़ी और बागेश्वर जनपदों में ऋण जमा अनुपात बढ़ाने के लिए विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों को एक ही स्थान पर एक ही दिन में मिले, इसके लिए अक्टूबर में सभी जनपदों में बड़े स्तर पर कैम्प का आयोजन किया जाए, जिसमें सभी विभाग और बैंकर्स साथ बैठकर जन समस्याओं का समाधान करें और उन्हें विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करें।

प्रति लाख पर 48 हजार व्यक्तियों को बीमा कवरेज प्राप्त

बैठक में जानकारी दी गई कि उत्तराखंड में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत प्रति लाख पर 48 हजार व्यक्तियों को बीमा कवरेज प्राप्त हुआ है, जो राष्ट्रीय औसत 40 हजार से अधिक है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत राज्य में प्रति ऋणकर्ता को औसत ऋण राशि 93,900 रुपये वित. रित की गई है, जो राष्ट्रीय औसत 62,686 की तुलना में काफी अधिक है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के अंतर्गत राज्य में अब तक 39 लाख खाते खोले जा चुके हैं, यह आंकड़ा पर्वतीय राज्यों में सबसे अधिक है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य में अग्रिमों में 10.26 प्रतिशत और जमा में 9.09 प्रतिशत की वृद्धि रही। राज्य सरकार की वीर चंद्र सिंह गढ़वाली योजना एवं मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों में निरंतर अच्छी प्रगति रही।

'ऑपरेशन कालनेमि': एक बांग्लादेशी सहित 25 बाबा गिरफ्तार

■ एसएसपी अजय सिंह खुद निकले सड़कों पर

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। ऑपरेशन कालनेमि के तहत दून पुलिस ने बाबा के भेष में घूम रहे बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया। वही पुलिस नेे विभिन्न थाना क्षेत्रों में साधु-संतो के भेष में घूम रहे अन्य राज्यो के 20 से अधिक ढोंगी बाबाओं सहित कुल 25 ढोंगी बाबाओ को गिरफ्तार किया।

मुख्यमंत्री के निर्देशो के चलते शुरू किए गए ऑपरेशन कालनेमिष के तहत ढोंगी बाबाओं के विरूद्ध दून पुलिस ने कार्यवाही शुरू कीे है। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने खुद ही साधु-संतों का भेष धारण कर सड़क किनारे बैठे व्यक्तियों से पूछताछ भी की।मौके पर बैठे ढोंगी बाबाओ, जिन्हें ज्योतिष शास्त्र का ज्ञान नही था उनके विरूद्व एसएसपी ने कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

देवभूमि में धर्म की आड में लोगो की भावनाओं व आस्थाओं से खिलवाड करते हुए उनके साथ धोखाधडी करने वाले छदम् भेषधारियों के विरूद्व मुख्यमंत्री के निर्देशों पर ऑपरेशन कालनेमि' प्रारम्भ किया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में ऐसे व्यक्यिों, जो साधु-संतों का भेष धारण कर लोगो को विशेषकर महिलाओं व युवाओ को भ्रमित कर उनकी व्यक्तिगत अथवा घरेलु समस्याओं का निदान करने का प्रलोभन देते हुए उन्हें वशीभूत करते हुए उनके साथ ठगी की घटनाओ को अजांम देते है, को चिन्हित करते हुए उनके विरूद्व कठोर कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए साधु-संतों के भेष में घूम रहे 25 ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया। जिनमें से सहसपुर क्षेत्र में बाबा के भेष में घूम रहा बाग्लादेशी नागरिक रूकन रकम उर्फ शाह आलम पुत्र आबूर निवासी ग्राम साखीपुर जिला टंगाईल ढाका बांग्लादेश, भी पुलिस की गिरफ्त में आया, जिसके विरूद्व थाना सहसपुर पर विदेशी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। एलआईयू तथा आईबी की टीमों द्वारा बांग्लादेशी नागरिक से पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार ढोंगी बाबा. ओ में 20 से अधिक व्यक्ति अन्य राज्यो के रहने वाले हैं।

गिरफ्तार बाबाओं की सूची

1. रूकन रकम उर्फ शाह आलम, बांग्लादेशी। 2. प्रदीप, सहारनपुर। 3. अजय चौहान, सहारनपुर। 4. अनिल गिरी, हिमाचल प्रदेश। 5. मंगल सिंह, देहरादून। 6. रोझा सिंह, देहरादून। 7. कोमल कुमार, उत्तर प्रदेश। 8. अश्वनी कुमार, उत्तर प्रदेश। 9. राजानाथ, देहरादून। 10. रामकृष्ण, हरियाणा।11. शौकी नाथ, हरियाणा। 12. मदन सिंह सामंत, चंपावत/हरिद्वार।13. राहुल जोशी, उत्तर प्रदेश। 14. मोहम्मद सलीम, हरिद्वार।15. शिनभु नाथ, राजस्थान। 16. सुगन योगी, राजस्थान। 17. मोहन जोगी, राजस्थान। 18. नवल सिंह, राजस्थान।19. भगवान सह, राजस्थान। 20. हरिओम योगी, राजस्थान। 21. रामकुमार, उत्तर प्रदेश। 22. गिरधारीलाल, राजस्थान। 23. अर्जुन दास, असम। 24. काकू, हरिद्वार। 25. सुरेश लाल, उत्तर प्रदेश।

शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव करवाना प्रशासन की प्राथमिकता: डीएम

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर द्वितीय रेंडमाइजेशन संपंन

■ **मतदान प्रक्रिया को सुचारू, निष्पक्ष व पारदर्शी रूप से संपन्न करने के लिये प्रत्येक पार्टी में पीठसीन सहित पांच कार्मिको का चयन**

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनपद में पंचायत चुनाव के निर्वाचन प्रक्रिया के अंतर्गत कार्मिकों के द्वितीय रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया जिला कार्यालय स्थित एनआईसी सभागार में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) प्रतीक जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस प्रक्रिया के तहत मतदान प्रक्रिया को सुचारू, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से रिजर्व 20 प्रतिशत सहित कुल 557 मतदान पार्टियों के लिए प्रत्येक पार्टी में पीठासीन सहित सभी पांच कार्मिकों का चयन किया गया।

जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने बताया कि प्रत्येक मतदान पार्टी के लिए एक पीठासीन अधिकारी एवं चार मतदान अधिकारियों सहित कुल पांच कार्मिकों का चयन किया गया है। सारा चयन राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से तैयार विशेष सॉफ्टवेयर के माध्यम से पूरी पारदर्शिता के साथ किया गया। तीनों विकास खण्डों अगस्त्यमुनि, जखोली तथा ऊखीमठ में निर्वाचन कार्यों के संचालन को लेकर 2917 कार्मिकों का डाटा फीडिंग सॉफ्टवेयर में किया गया था, जिनमें से 630 महिला कार्मिक शामिल हैं। द्वितीय मतदान अधिकारी के रूप में यथासंभव अधिकांशत महिला कार्मिकों का चयन किया गया है, जिससे महिला भागीदारी भी सशक्त होगी।

उन्होने ने कहा कि पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी चयनित कार्मिकों को निर्वाचन कार्य से पूर्व समय-समय पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, ताकि मतदान प्रक्रिया में किसी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) राजेन्द्र सिंह रावत, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र बिष्ट, एडीओ पंचायत सुनील नौटियाल, सूचना विज्ञान अधिकारी दीप्ति चमोली सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

जिलाधिकारी ने पंचायत चुनाव को लेकर ली अधिकारियों की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

गोपेश्वर। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप तिवारी ने वीसी के माध्यम से जिलाधिकारी वीसी कक्ष में बैठक ली। बैठक में सभी उपजिलाधिकारियों, खंड विकास अधिकारियों तथा निर्वाचन में तैनात रिटर्निंग ऑफिसरों एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि मतदान दलों को समय पर सुरक्षित रूप से मतदेय स्थलों तक पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए वर्षा से प्रभावित मार्गों का स्थलीय निरीक्षण समयबद्ध ढंग से किया जाए और सभी अधिकारी वैकल्पिक मार्गों की जानक. ारी अपने पास रखें ताकि किसी मार्ग के बाधित होने की स्थिति में तत्काल वैकल्पिक रूट का उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि उपजिलाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र के सभी मार्गों की

जानकारी संबंधित पटवारियों के माध्यम से नियमित रूप से लेते रहें और आवश्यकतानुसार भौतिक निरीक्षण भी करें।

जिलाधिकारी ने पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि किसी भी आपात स्थिति में सड़कों की मरम्मत एवं सफाई के लिए लगाए गए जेसीबी वाहनों को डीजल की आपूर्ति समय पर सुनिश्चित की जाए। साथ ही एआरटीओ को मतदान दलों के आवागमन हेतु आवश्यक वाहनों की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने पीएमजीएसवाई और पीडब्लूडी के अधिकारियों को मार्गों की मरम्मत, सफाई तथा वैकल्पिक रास्तों को चालू रखने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने को भी कहा।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉ अभिषेक त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अभिषेक गुप्ता अन्य सभी जिलास्तरीय अधिकारी के साथ वीसी के माध्यम से अन्य अधिकारी जुड़े रहें।

मोली मय सुनाली में नाजिमा निर्विरोध बनीं ग्राम प्रधान

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जाखणीधार ब्लॉक की ग्राम पंचायत मोली मय सुनाली ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सामा. जिक समरसता और युवा नेतृत्व को मजबूती देते हुए एक सराहनीय मिसाल पेश की है। ग्रामवासियों ने फैशन डिजाइनिंग की छात्रा और पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य नाजिमा को निर्विरोध ग्राम प्रधान चुना है। नाजिमा के निर्विरोध चयन से क्षेत्र में उत्साह और प्रसन्नता का माहौल है।

नाजिमा इससे पूर्व भी क्षेत्र पंचायत सदस्य के तौर पर कार्य कर चुकी हैं और अपने कार्यकाल में उन्होंने जनहित से जुड़ी कई योजनाओं को धरातल पर उतारा। उनके द्वारा किए गए कार्यों और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी व समर्पण को देखते हुए इस बार ग्रामवासियों ने एकमत होकर उन्हें ग्राम पंचायत मोली मय सुनाली की बागडोर सौंपी है।

गौरतलब है कि इस बार के पंचायत चुनावों में युवाओं को नेतृत्व देने की भावना पूरे क्षेत्र में प्रबल रूप से उभर रही है, और नाजिमा का चयन उसी प्रवृत्ति का एक प्रतीक है। उनका निर्विरोध चुना जाना न केवल उनकी लोकप्रियता का प्रमाण है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि गांव की जनता अब योग्य, शिक्षित और कर्मठ नेतृत्व की ओर अग्रसर हो रही है।

मोली मय सुनाली ग्राम पंचायत, जो टिहरी रियासत के समय से ही मुस्लिम समुदाय की ऐतिहासिक और सामाजिक उपस्थिति का प्रतीक रही है, वहां से नाजिमा का चयन समरस. ता, सामूहिक निर्णय और लोकतांत्रिक परिपक्वता का स्पष्ट संकेत है।

नाजिमा ने निर्विरोध निर्वाचित होने पर ग्रामवासियों का आभार जताते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ ग्राम पंचायत के विकास के लिए कार्य करेंगी और शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण और रोजगार को प्राथमिकता देंगी।

यह निर्विरोध निर्वाचन न केवल महिला नेतृत्व और युवा सशक्तिकरण को प्रेरित करता है, बल्कि एक बार फिर यह सिद्ध करता है कि जब समाज एकजुट होकर सोचता है, तो विकास की राह आसान हो जाती है।

■ **मानसून काल और केदारनाथ यात्रा को देखते हुए लिया गया निर्णय, डीएम प्रतीक जैन ने अधिकारियों को दिये सख्त निर्देश**

सडक किनारे खडी डस्टर कार सें सात पेटी शराब बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। आगामी पंचायत निर्वाचन व केदारनाथ यात्रा को लेकर सघन चे. कंग अभियान के तहत पुलिस ने सडक किनारे संदिग्ध अवस्था में खडी डस्टर कार सें सात पेटी शराब बरामद की। कोतवाली रुद्रप्रयाग में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आबकारी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया है।

एसपी अक्षय प्रल्हाद कोंडे ने जनपद के सभी थाना व चौकी प्रभारियों को अवैध शराब की धरपकड़ किए जाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए थे। गुरूवार रात्रि को चौकी दुर्गाधार पुलिस ने चौकी क्षेत्रान्तर्गत अवैध शराब तस्करी की सूचना मिलने पर चौकिंग अभियान शुरू किया। चौकिंग के दौरान पुलिस को एक वाहन संख्या न्ज्ञ08।थ्9000 (डस्टर कार) सड़क किनारे संदिग्ध अवस्था में खडी मिली, उक्त वाहन को चौक करने पर उस पर लॉक नहीं लगा था तथा चाबी गाड़ी में ही थी। तलाशी लेने पर कार की डिग्गी से 04 पेटी (48 बोतल), 03 पेटी (72 हाफ) मैकडॉवल्स नम्बर वन मार्का शराब बरामद हुयी। बरामद शराब व वाहन को पुलिस ने कब्जे में लेकर कोतवाली रुद्रप्रयाग में अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मु0अ0सं0 42/2025 धारा 60/72 आबकारी अधिनियम के तहत सुंसगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही कर शराब परिवहन में प्रयुक्त वाहन को सीज किया।

एक नजर ....

छात्र परिषद के पदाधिकारियों का किया अलंकरण

कोटद्वार । महर्षि विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल में गुरु पूर्णिमा का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान छात्रों ने गुरु महिमा पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान छात्र परिषद के पदाधिकारियों का अलंकरण भी किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य रवीन्द्र सिंह गुसांई व ध्यान शिक्षिका वैशाली सिंह ने दीप प्रज्वलित कर गुरुपूजन के साथ किया। तत्पश्चात छठवीं एवं नौवीं के बच्चों द्वारा गुरू भजन एवं कक्षा पांचवीं के बच्चों द्वारा गुरू की महिमा दर्शाता नृत्य प्रस्तुत किया गया। छात्र आदित्य, पार्थ व छात्रा वंशिका व आंचल ने गुरू के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर विद्यालय में छात्र परिषद अलंकरण समारोह भी आयोजित किया गया जिसमें सभी परिषद पदाधिकारियों को बैज से सम्मानित कर शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विधालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

गुरु राम राय पब्लिक स्कूल में किया गया वृक्षारोपण

कोटद्वार । नगरनिगम कोटद्वार के देवी रोड स्थित श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत विद्यालय के प्रधानाचार्य डीपी जोशी ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रकृति मानव. जीवन के लिए बहुमूल्य उपहार है। हमारे स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है कि हम पर्यावरण को किसी भी प्रकार की हानि न पहुंचाए। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रतिनिधि मंडल ने अवैध रूप से सरकारी बिजली के पोल लगाए जाने पर की जांच की मांग

कोटद्वार । नगरनिगम कोटद्वार के कुंभीचौड़ क्षेत्र में एक खाली प्लॉट पर अवैध रूप से सरकारी बिजली के पोल लगाए जाने के मामले में शुक्रवार को स्थानीय समाजसेवियों ने उत्तराखंड बेरोजगार संघ के अध्यक्ष राम कंडवाल के नेतृत्व में बिजली विभाग की अधिशासी अभियंता नंदिता अग्रवाल से मुलाकात की। इस दौरान अधिशासी अभियंता से इस गंभीर अनियमितता पर तत्काल कार्रवाई करने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कठोर कदम उठाने का आग्रह किया गया। बेरोजगार संघ अध्यक्ष राम कंडवाल ने कहा कि उन्हें संदेह है कि ये पोल बिना अनुमति के लगाए गए हैं, जिससे सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का संदेह पैदा हो रहा है। कहा कि इस तरह की अनियमितताएं न केवल सरकारी नियमों का उल्लंघन करती हैं, बल्कि क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर भी सवाल उठाती हैं। इस पर अधिशासी अभियंता ने कहा कि उनके पास संबंधित अधिकारी को निलंबित करने या प्रत्यक्ष कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है। हालांकि, उन्होंने इस मामले में संबंधित अधिकारी से जवाब-तलब किया है और विस्तृत जांच रिपोर्ट तैयार कर अधीक्षण अभियंता को भेज दी है। मौके पर राम कंडवाल और समाज सेवियों ने चेतावनी दी कि इस मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो सामाजिक संगठनों के सहयोग से बिजली विभाग के कार्यालय का घेराव करने के साथ ही आमरण अनशन शुरू कर दिया जायेगा। अधिशासी अभियंता से मुलाकात करने वालों में प्रतिनिधिमंडल में रमेश भंडारी, शिवानंद लखेड़ा, मनोरमा डोबरियाल, आशीष बिष्ट और राजू रावत अन्य लोग शामिल रहे ।

मां बनने की उम्र वही, जब तन और मन की तैयारी सही

रूद्रप्रयाग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण सप्ताह का शुभारंभ हो गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि व जखोली तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ऊखीमठ में आयोजित कार्यक्रमों में जनसंख्या वृद्धि से होने वाले प्रतिकूल प्रभावों व जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए स्वास्थ्य विभाग व स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा की गई। इस दौरान महिलाओं के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित मातृत्व पर जोर देते हुए जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए परिवार नियोजन की स्थाई व अस्थाई सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा राम प्रकाश ने बताया कि "मां बनने की उम्र वही, जब तन और मन की तैयारी सही" थीम पर जनपद के समस्त विकयाखंडों में जागरूकता गोष्ठियों के आयोजन के साथ विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण सप्ताह का शुभारंभ हो गया। उन्होंने जनसंख्या स्थिरीकरण की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा कि तेजी से बढ़ रही जनसंख्या से समस्याएं भी बढ़ रही हैं, जिसके दृष्टिगत आने वाली पीढ़ी के सुखद भविष्य के लिए जनसंख्या स्थिरीकरण बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि 18 जुलाई तक चलने वाले जनसंख्या स्थिरीकरण सप्ताह के तहत समस्त चिकित्सा इकाईयों में परिवार नियोजन सेवाएं, स्वास्थ्य शिक्षा व चिकित्सकीय परामर्श की सुविधाएं नि:शुल्क प्रदान की जायेगी।

टीएचडीसीआईएल का एचआरडी केंद्र बना 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। भारत सरकार के सार्वजनिक उपक्रम टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड (टीएचडीसीआईएल) ने मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ऋषिकेश स्थित टीएचडीसीआईएल के मानव संसाधन विकास केंद्र को प्रतिष्ठित संस्था सोसाइटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएचआरएम इंडिया) द्वारा "सेंटर ऑफ एक्सीलेंस" के रूप में प्रमाणित किया गया है। यह मान्यता न केवल इस केंद्र को सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी प्रशिक्षण संस्थानों की पंक्ति में खड़ा करती है, बल्कि आईओसीएल और एचपीसीएल जैसे प्रतिष्ठानों के समकक्ष भी स्थापित करती है।

टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आर. के. विश्नोई ने इस सफलता पर एचआर टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह मान्यता कंपनी की प्रतिभा विकास, नवाचार और उत्कृष्ट कार्य संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि एचआरडी केंद्र केवल प्रशिक्षण का स्थल नहीं, बल्कि ज्ञान, नवाचार और रणनीतिक परिवर्तन का एक मजबूत केंद्र बन चुका है।

विश्नोई ने बताया कि यह प्रमाणपत्र एसएचआरएम-पीएसई बेंचमार्किंग पहल के अंतर्गत कठोर अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन के आधार पर प्राप्त हुआ है। इसमें कंपनी की नीतियों, प्रशिक्षण की गुणवत्ता, सुरक्षा प्रोटोकॉल, अधोसं. रचना, नेतृत्व, संकाय और कर्मचारियों से संवाद जैसे अनेक पहलुओं का गहन मूल्यांकन किया गया।

टीएचडीसीआईएल के निदेशक (कार्मिक) शैलेन्द्र सिंह ने इस अवसर पर कहा कि यह उपलब्धि मानव पूंजी विकास के क्षेत्र में टीएचडीसी की अग्रणी यात्रा का एक स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने कहा कि यह प्रमाणित करता है कि कंपनी वैश्विक मानकों की प्रशिक्षण प्रणाली, डिजिटल क्षमताओं और व्यावसायिक लक्ष्यों के अनुरूप रणनीतिक समन्वय की दिशा में अग्रसर है। इस उपलब्धि के अवसर पर एसएचआरएम इंडिया के कार्यकारी निदेशक (नॉलेज एवं एडवाइजरी सर्विसेज) निशीथ उपाध्याय और वरिष्ठ प्रबंधक निशांत पराशर द्वारा प्रमाणपत्र सौंपा गया। समारोह में टीएचडीसीआईएल के मुख्य महाप्र. बंधक (एचआर-प्रशासन, केंद्रीय संचार एवं एचआरडी) डॉ. ए. एन. त्रिपाठी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

वर्ष 2024-25 में इस केंद्र ने लगभग 90 लाख रुपये का प्रशिक्षण राजस्व अर्जित किया है, और आने वाले वर्षों में इसे 2 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही, अब यह केंद्र अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों और वैश्विक संस्थानों को सेवाएं देने की दिशा में भी अग्रसर है।

इस मान्यता ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को नवाचार आधारित, शिक्षा केंद्रित और कर्मचारी-हितैषी संगठन के रूप में और अधिक मजबूती प्रदान की है। यह उपलब्धि भारत सरकार के "विकसित भारत 2047" के दृष्टिकोण में टीएचडीसी के सार्थक योगदान को भी रेखांकित करती है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर विधिक जन जागरूकता शिविर का आयोजन

नई टिहरी। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टिहरी गढ़वाल के तत्वावधान में भागीरथी विद्या सरोवर पब्लिक स्कूल, चौखल्याचक, नई टिहरी में एक विधिक जन जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अतिथियों और विद्यालय प्रबंधन की ओर से वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। शिविर की अध्यक्षता करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव आलोक राम त्रिपाठी ने बताया कि यह कार्यक्रम माननीय उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। उन्होंने उपस्थित छात्रों व जनसमूह को विश्व जनसंख्या दिवस की महत्ता से अवगत कराया ।

चेकिंग के दौरान अवैध शराब के साथ युवक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए तहसील तिराहे के समीप चेकिंग के दौरान एक युवक को दो पेटी अवैध अंग्रेजी शराब और दो पेटी बीयर के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आबक. ारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया गया है।

थाना प्रभारी लखपत सिंह बुटोला ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते गुरुवार रात पुलिस टीम हिंडोलाखाल मार्ग पर चेकिंग अभियान चला रही थी। इस दौरान तहसील तिराहे के निकट एक वाहन को रोका गया, जिसकी तलाशी लेने पर उसमें से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई।चेकिंग अभियान का नेतृत्व कर रहे उपनिरीक्षक राकेश सिंह ने बताया कि वाहन से कुल 24 बोतल अंग्रेजी शराब, 48 क्वार्टर (अद्दे) और 48 बीयर कैन बरामद किए गए। मौके पर पकड़े गए आरोपी की पहचान 27 वर्षीय भास्कर प्रसाद उर्फ विक्की, निवासी बागवान, कीर्तिनगर, जनपद टिहरी गढ़वाल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ तत्काल उत्तराखंड आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि शराब की यह खेप कहां और किस उद्देश्य से ले जाई जा रही थी। थाना प्रभारी बुटोला ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध शराब की तस्करी पर सख्ती से नजर रखी जा रही है और किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे इस प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

कांवड़ यात्रा पहुंची दूसरे चरण में, व्यवस्था से संतुष्ट दिखे श्रद्धालु

नई टिहरी। श्रावण मास में शिवभक्तों की आस्था और उत्साह से सराबोर कांवड़ यात्रा अब अपने दूसरे चरण में प्रवेश कर चुकी है। गंगोत्री और नीलकंठ धाम की ओर "बम-बम भोले" के जयघोष के साथ कांवड़ यात्रा जनपद टिहरी गढ़वाल से होकर आगे बढ़ रही है। इस चरण में यात्रा में शामिल पैदल कांवड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, वहीं डाक कांवड़ियों के वाहनों का भी सिलसिला तेज हो गया है।गंगोत्री से गंगाजल भरकर लौट रहे पैदल कांवड़िए जहां एक ओर यात्रा के अनुभव साझा कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर टिहरी जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की खुले मन से प्रशंसा कर रहे हैं। पैदल कांवड़िए बार-बार डाक कांवड़ियों से अपील कर रहे हैं कि वे यात्रा मार्ग पर शांति बनाए रखें ।

घास लेने गई महिला पर जंगली सुअर का हमला

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के तुंणगी गांव में शुक्रवार सुबह घास लेने जंगल गई एक वृद्ध महिला पर जंगली सुअर ने अचानक हमला कर दिया, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हाथ और पैर में गहरे जख्म होने के कारण महिला को पहले सीएचसी पाली और वहां से श्रीनगर बेस अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

घटना शुक्रवार सुबह की है जब तुंणगी गांव निवासी 63 वर्षीय जगदम्बा देवी, पत्नी स्वर्गीय जीत सिंह, पास के गदेरे में घास काटने गई थीं। इस दौरान झाड़ियों में छिपे एक जंगली सुअर ने अचानक उन पर हमला कर दिया। सुअर के हमले से महिला के हाथ और पैर पर गहरे घाव हो गए और वह लहूलुहान हो गई।

■ **हाथ-पैर पर गंभीर चोटें, प्राथमिक उपचार के बाद श्रीनगर रेफर ग्रामीणों ने वन विभाग से सुरक्षा और मुआवजे की मांग की**

जान बचाने के लिए उन्होंने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई।

स्थानीय ग्रामीणों ने बेसुध हालत में जगदम्बा देवी को तत्काल साम. ुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें श्रीनगर बेस अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

घटना से गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जंगली जानवरों से सुरक्षा की मांग करते हुए रेंजर एम.एस. रावत को ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने मांग की कि पीड़ित महिला को उचित मुआवजा दिया जाए और गांव के आसपास जंगली जानवरों से बचाव के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। ग्रामीणों का कहना है कि जंगलों में रोजमर्रा की जरूरतों के लिए जाने वाली महिलाओं और किसानों को अक्सर जंगली जानवरों के हमले का खतरा बना रहता है, लेकिन वन विभाग की ओर से सुरक्षा के पर्याप्त उपाय नहीं किए गए हैं।

इस घटना ने एक बार फिर वन्यजीवों और ग्रामीण आबादी के बीच बढ़ते संघर्ष की गंभीरता को उजागर किया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए, तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

मेले में उमड़ी भीड़, श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी, 10 जून (चिरंजीव सेमवाल) ठेठ रवांईघाटी मुंगसंती पट्टी के 65 गांवों के लोग डांडा देवराणा मेला में एक साथ तांदी, झुमेलो और रासौं नृत्य में गाजे-बाजों के साथ नाचते लोग रंवाई की अनूठी मेला परंपराओं के संरक्षक हैं। डांडा देवराणा की जात्रा में शामिल होने वालों को भाग्यशाली माना जाता है। घने देवदार के जंगलों के बीच स्थित रुद्रेश्वर देवता मंदिर से लोग मनौती मांगते हैं। मान्यता है कि यहां से कोई खाली वापस नहीं लौटता। यूं तो रंवाई खूबसूरती के लिए जाना जाता है लेकिन रंवाई में मुंगरसंती पट्टी की बात ही कुछ और है। यहां सड़क से पांच किमी. की चढ़ाई पर भगवान

रुद्रेश्वर महाराज का मंदिर है। हर साल रुद्रेश्वर की के देवदार के जंगलों में में देवराणा का मेला आयोजित किया। इस मेले में एक चर्चित गाना लगा है डांडा देवराणा जातिर तू काई न आई पूफिए

गौरतलब है कि नौगांव, उत्तरकाशी के डांडा देवराणा मेले में इस बार भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। यह मेला रवांई घाटी का एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक मेला है, जिसे स्थानीय लोग श्डांडा की जातरश भी कहते हैं। मेले में रवांई, जौनपुर और जौनसार क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु शामिल हुए, जिन्होंने देव दर्शन कर मन्नतें मांगी। मेले में रुद्रेश्वर महाराज की डोली के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। पुजारी द्वारा देवता की मूर्ति को दूध से स्नान कराने के बाद, श्रद्धालुओं ने दर्शन किए और मेले का आनंद लिया। मेले में लोक नृत्य, हुड़की वादकों द्वारा रुद्रेश्वर की गाथा का गायन और अन्य पारंपरिक कार्यक्रम भी हुए।

यह मेला रवांई घाटी की संस्कृति और आस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और हर साल बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित करता है

हाल में ही रूद्रेश्वर महादेव डांडा देवराणा मेले को उत्तराखंड सरकार ने राजकीय मेला भी घोषित किया है। डांडा देवराणा मेला अपनी पौराणिक संस्कृति और मान्यताओं को संजोए हुए है।

अधिकारियों को बिना अनुमति के मुख्यालय न छोड़ने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। मानसून काल और केदारनाथ यात्रा को देखते हुए जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने सभी अधिकारियों को बिना अनुमति के मुख्यालय न छोडनें के निर्देश दिये है। उन्होने कहा कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी उक्त आदेशों का उल्लंघन करता है तो उसके विरूद्व आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

उन्होने बताया कि आपदा प्रबंधन, यातायात नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के सुचारु संचालन को लेकर समस्त कार्यालयाध्यक्षों एवं अधिकारियों को बिना पूर्व अनुमति के कोई भी अधिकारी मुख्यालय नहीं छोड़ेगा तथा कर्मचारी अपने कार्यालयाध्यक्ष से विधिवत अवकाश स्वीकृत कराकर ही मुख्यालय छोड़ सकेंगे, प्रत्येक कार्यालय में न्यूनतम आवश्यक मानव संसाधन हर समय उपलब्ध रहना अनिवार्य है, जिससे जनहित से जुड़ी सेवाओं में कोई व्यवधान न हो। उन्होने ने चेतावनी दी कि यदि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी ने उक्त आदेशों का उल्लंघन किया, तो उनके विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी, कहा कि प्रशासन को हर आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार रहना होगा, जिसमें सभी विभागों का आपसी समन्वय एवं तत्परता अत्यंत आवश्यक है।

■ **मानसून काल और केदारनाथ यात्रा को देखते हुए लिया गया निर्णय, डीएम प्रतीक जैन ने अधिकारियों को दिये सख्त निर्देश**

विश्व जनसंख्या दिवस पर विधिक जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नई टिहरी। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टिहरी गढ़वाल की ओर से भागीरथी विद्या सरोवर पब्लिक स्कूल, चौकल्याचक में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण के महत्व को समझाना था, बल्कि नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक करना था।प्राधिकरण के सचिव व सीनियर सिविल जज आलोक राम त्रिपाठी ने शिविर को संबोधित करते हुए छात्र-छात्राओं को विश्व जनसंख्या दिवस की महत्ता से अवगत कराया।

जोशी ने मसूरी में किया केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मांडविया का स्वागत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश के कृषि एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का उत्तराखण्ड आगमन पर स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने हाउस ऑफ हिमालयास के स्थानीय उत्पादों से निर्मित किट भी भेंट की। इस दौरान मंत्री जोशी ने केंद्रीय खेल मंत्री से मसूरी भिलाड़ू में बहुप्रतीक्षित खेल मैदान के लिए भी केंद्र का सहयोग मांगा। केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने इस पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर मसूरी नगर पालिका का अध्यक्ष मीरा सकलानी भी उपस्थित रहीं।

उत्तराखंड में खुलेगा त्रिभुवन विश्वविद्यालय का कैंपस : डॉ . रावत

■ कहा, सहकारी बैंकों में नवचार व ट्रेनिंग में गुजरात करेगा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

अहमदाबाद/देहरादून। गुजरात दौरे के दौरान राज्य के सहकारिता मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने बताया कि उत्तराखंड में देश के पहले सहकारी विश्वविद्यालय का कैम्पस खोल जायेगा। इसके लिये राज्य सरकार द्वारा सभी औपचारिकताएं पूरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के सहकारी बैंक व गुजरात राज्य सहकारी बैंक कर्मचारियों के प्रशिक्षण और नवाचार के क्षेत्र में एक अनुबंध करेंगे। शुक्रवार को गांधीनगर सर्किट हाउस में डॉ. रावत ने गुजरात के सहकारिता मंत्री जगदीश विश्वकर्मा और सहकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। जिसमें डिजिटल बैंकिंग, ऋण वितरण, और गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों की वसूली के प्रभावी तंत्र पर चर्चा की गई।

डॉ. रावत ने गुजरात के सहकारी मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि इसे उत्तराखंड में लागू कर किसानों, महिलाओं और युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा, त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय, जो आनंद में इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट के कैंपस में स्थापित हो रहा है, सहकारी क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देगा। उत्तराखंड में भी इसका एक कैंपस स्थापित किया जायेगा, ताकि हमारे युवाओं को सहकारी प्रबंधन और तकनीकी कौशल मिल सके।उन्होंने बताया कि त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय, जिसका नाम अमूल के संस्थापक त्रिभुवन दास पटेल के नाम पर रखा गया है, सहकारी क्षेत्र में डिग्री, डिप्लोमा और पीएचडी पाठ्यक्रम प्रदान करेगा। यह देश भर में सहकारी प्रशिक्षण संस्थानों का एक नेटवर्क बनाएगा। यह पहल उत्तराखंड के सहकारी क्षेत्र को मजबूती प्रदान कर ग्रामीण विकास और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देगी।

इसके अतिरिक्त बैठक में, उत्तराखंड के सहकारी बैंक गुजरात राज्य सहकारी बैंक के साथ मिलकर सहकारी बैंकों के कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर सहमति बनी। बैठक में उत्तराखंड सहकारिता विभाग के सचिव सहकारिता डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम, सचिव सहकारिता गुजरात सरकार संदीप कुमार, निबंधक सहकारी समितियां गुजरात एम पांडे,निबंधक सहकारी समितियां उत्तराखंड मेहरबान सिंह बिष्ट, प्रबंध निदेशक उत्तराखंड राज्य सहकारी बैंक प्रदीप मेहरोत्रा, संयुक्त निबंधक नीरज बेलवाल, मंगला प्रसाद त्रिपाठी,गुजरात स्टेट कॉपरेटिव बैंक के प्रबंध निदेशक एवं अमूल डेयरी के प्रबंध निदेशक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जलाभिषेक के लिए कलश यात्रा का फ्लैग ऑफ किया

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास देहरादून से कुशीनगर जनपद में भगवान सूर्य की मूर्ति के जलाभिषेक के लिए कलश यात्रा का फ्लैग ऑफ किया। कुशीनगर में सूर्य की मूर्ति के जलाभिषेक के लिए देश से लगभग 151 पवित्र नदियों का जल एकत्र किया जा रहा है। इसी क्रम में देवभूमि उत्तराखंड की पवित्र नदियों से एकत्रित जल की कलश यात्रा को मुख्यमंत्री ने रवाना किया।

इस दौरान महामंडलेश्वर श्री 1008 डॉक्टर स्वामी श्री संतोषानंद देव जी महाराज, पूर्वांचल महोत्सव समिति के अध्यक्ष विनय राय और समिति के सदस्य मौजूद रहे।

कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग में कर्नल नेगी ने संभाला कार्यभार

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में कांग्रेस पार्टी संगठन में पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ की बड़ी भूमिका होगी और जब 2027 में उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार बनेगी तो सरकार में भी कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग की राय से राज्य में पूर्व सैनिकों के हितों के लिए नीतियां बनेगी और सरकार में पूर्व सैनिकों की भी भूमिका होगी यह बात शुक्रवार को उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने बतौर मुख्य अतिथि नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष कर्नल राम रतन सिंह नेगी के पदभार ग्रहण व निवर्तमान अध्यक्ष कैप्टन बलबीर सिंह रावत की विदाई के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में कही।उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के हर घर में कोई ना कोई व्यक्ति भारत की सैन्य बलों के आर्मी एयरफोर्स या नेवी में या अर्द्ध सैन्य बलों में देश की सेवा कर रहा है और जब वह सेवा निवृत हो जाते हैं तो उनके पुनर्रोजगार व अन्य समस्याओं के निदान को जितनी योजनाएं कांग्रेस सरकारों में बनी है उसकी तुलना में भाजपा सरकारों में उसकी एक चौथाई योजनाएं भी नहीं बनी हैं। धस्माना ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा की ओर से नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पूर्व सैनिक विभाग कर्नल राम रतन नेगी, निवर्तमान अध्यक्ष कैप्टन बलबीर सिंह रावत, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लेफ्टीनेंट जनरल गंभीर सिंह नेगी, कर्नल मोहन सिंह रावत , हवलदार राजीव सिंह रावत को पार्टी का तिरंगा अंग वस्त्र पहना कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष कर्नल राम रतन नेगी ने पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व का व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा का अपनी नियुक्ति के लिए आभार प्रकट करते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा व ताकत से कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग को व कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए एक सच्चे सैनिक की तरह दिन रात काम करेंगे। निवर्तमान अध्यक्ष कैप्टन बलबीर सिंह रावत ने खराब स्वास्थ्य के कारण अपना लिखित संबोधन दिया जिसमें उन्होंने नए अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए उनको हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

इस मौके पर अवकाश प्राप्त लेफ्टीनेंट जनरल गंभीर सिंह नेगी, कांग्रेस उपाध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप, कांग्रेस गोरखा प्रकोष्ठ अध्यक्ष अनिल बस्नेत, कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ अध्यक्ष दिनेश कौशल, प्रदेश महामंत्री जगदीश धीमान, विशाल मौर्य, पूनम कंडारी, सावित्री थापा,आनंद सिंह पुंडीर, मदन कोहली, कर्नल एसजे लोबो, कैप्टन सहदेव शर्मा, कैप्टन शोभन सिंह सजवान, कैप्टन राजपाल नेगी, कैप्टन गोविंद सिंह नेगी, हवलदार राजेश चंद्र, हवलदार राजीव रावत, हवलदार राजवीर सिंह, सूबेदार खुशहाल सिंह राणा, नायब सूबेदार विक्रम सिंह नेगी, सूबेदार त्रिपन्न सिंह गुसाई व हवलदार हाकम चंद लाल आदि उपस्थित रहे।

प्राकृतिक संसाधनो से महिला समुह बन रहा आत्मनिर्भर

शाह टाइम्स संवाददाता

सहिया। कालसी ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत कनबुआ में बिजट स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाये बाबल घास और बांस से दैनिक जीवन में इस्तेमाल होने वाली वस्तुएँ जैसे टोकरीयां, पेन बाक्स, गुलदस्ते आदि बना रही है।

जिससे महिला समूह की महिलाओं को घर बैठे अतिरिक्त रोजगार प्राप्त हो रहा है जिससे ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही है। गाँव की महिलाओं ने दिसंबर 2023 में आजीविका मिशन के तहत बिजट स्वयं सहायता समुह का गठन किया जिसमें 6 महिलाओ को जोड़ा गया। जिसके पाश्चात महिलाओं ने बाबल घास व बांस से टोकरीयां, गुलदस्ते आदि बनाकर लोकल बाजारो मे बेच कर आर्थिक लाभ कमाया। समुह की महिलाओं द्वारा अपने उत्पादों से प्रतिमाह करीब 9 हजार रुपये प्रति महिला की आमदनी की जा रही है जिससे महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही है। कालसी ब्लाक मिशन प्रबंधक सुरेन्द्र सिंह नेगी ने बताया कि समुह की ग्रेडिंग कर महिला समुह को 10 हजार का रिवोल्विंग फंड दिया गया साथ ही महिला समुह को माइक्रो क्रेडिट प्लान तैयार कर सीआईएफ की 75 हजार की धनराशी उपलब्ध कराई गई जिससे आजीविका संबधित कार्य किया जा सके। बताया कि महिला समुह द्वारा बनाए गए उत्पादों के समय समय पर सरस मेलों में भी स्टाल लगायें जाते है।

एक नजर ....

अधिकारियों के लिए साइबर जागरूकता जरूरी:झा

देहरादून। आईटीडीए द्वारा "साइबर अपराधों की नवीन प्रवृत्तियाँ" विषय पर राज्य सरकार के अधिकारियों के लिए साइबर जागरूकता को सुदृढ़ करने की दिशा में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला सचिव सूचना प्रौद्योगिकी नितेश झा के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित की गई। उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार के कार्यालयों में साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा अधिकारियों के बीच साइबर हाइजीन व जागरूकता बढ़ाने के लिए इस प्रकार की कार्यशालाओं का नियमित आयोजन अत्यंत आवश्यक है। इन्हीं दिशानिर्देशों की निरंतरता में इस कार्यशाला की योजना बनाई गई।मुख्य वक्ता राहुल मिश्रा, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ एवं उत्तर प्रदेश पुलिस के सलाहकार, लखनऊ से विशेष रूप से आमंत्रित थे। उन्होंने साइबर अपराधों की बदलती प्रवृत्तियों, हालिया केस स्टडीज तथा साइबर अपराधियों की तकनीकों से बचाव के उपायों पर विस्तृत व्याख्यान दिया।कार्यशाला राज्य सरकार के डिजिटल बुनियादी ढांचे को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुई है और आईटीडीए भविष्य में भी इसी प्रकार के सत्रों का आयोजन करता रहेगा।

चोरी की फिराक में घूम रहा एक व्यक्ति गिरफ्तार

सहसपुर। थाना सहसपुर पुलिस ने चौरी की फिराक मे घूम रहे एक नफर अभियुक्त अबुजर झोझा पुत्र जहीर झोझा निवासी बड़ा रामपुर, थाना सहसपुर को सहसपुर पुलिस द्वारा अवैध खुखरी के साथ किया गिरफ्तार। पुलिस आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया। पुलिस टीम में हेड कांस्टेबल मनोज कुमार, **सिपाही यशपाल सिंह चौहान शामिल रहे।**

विस्फोटक पदार्थों को साथ 3 व्यक्तियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

त्यूणी। वर्तमान में पंचायत चुनाव के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा सभी थाना प्रभारियों को चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने व किसी भी प्रकार से प्रलोभन देकर मतदान अपने पक्ष में करने जैसी तमाम गतिविधियों पर रोक लगाते हुए अवैध गतिविधियों सतर्क दृष्टि रखने हेतु निर्देशित किया गया है, जिस पर संपूर्ण जनपद में पुलिस द्वारा लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में त्यूणी पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान एक ऑल्टो कार संख्या एचपी 09सी 9788 को चौक किया गया तो वाहन में 5 पेटी डायनामाइट कुल वजन 125 कि0ग्राम बरामद हुआ। वाहन सवार व्यक्तियों से विस्फोटक पदार्थ को परिवहन करने के संबंध में आवश्यक दस्तावेज मांगे गए तो हुए दिखा नहीं पाए, जिस पर अवैध विस्फोटक पदार्थ की बरामदगी पर थाना त्यूनी पर विस्फोटक अधिनियम 1884 बनाम रिंकू पुत्र पानू राम ग्राम बलंग थाना ठियोग शिमला हिमाचल, रोहित पुत्र बिशन सिंह ग्राम रोणाहाट थाना सिलाई सिरमौर हिमाचल व सुनील पुत्र केवल राम ग्राम सैडोली थाना कोटखाई शिमला हिमाचल दर्ज किया गया।पुलिस टीम में एसओ विनय मित्तल थाना त्यूनी, सिपाही तेजेन्द्र रावत, जितेंद्र कुमार, प्रदीप चौहान, चालक मनजीत रावत, वरुण रावत, जितेंद्र सिंह एसओजी देहात देहरादून शामिल रहे।

नेत्र जांच शिविर में 75 लोगों की आंखों की जांच

चकराता। जनसेवा और स्वास्थ्य जागरूकता के उद्देश्य से श्री सत्य साई सेवा समिति, ओली चकराता के तत्वावधान में विवेकानंद हॉस्पिटल, देहरादून द्वारा एक दिवसीय नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के 75 लोगों की आंखों की जांच की गई, जिसमें से 16 व्यक्तियों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई।शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव भट्ट और उनकी टीम ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श और नि:शुल्क दवाइयां उपलब्ध कराईं। जिन मरीजों को चश्मे की आवश्यकता पाई गई, उन्हें श्री सत्य साई सेवा समिति द्वारा शीघ्र ही नि:शुल्क चश्मे प्रदान किए जाएंगे। मोतियाबिंद से ग्रसित 6 मरीजों को ऑपरेशन हेतु चयनित किया गया, जिन्हें समिति की ओर से विवेकानंद हॉस्पिटल, देहरादून ले जाया गया।

जूनोटिक रोगों से बचाव के लिए स्वच्छता का ध्यान : डॉ. मनोज

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। विश्व जुनोसिस दिवस संबंधी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन सम्भागीय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रशिक्षण केन्द्र, चन्दर नगर देहरादून में मुख्य चिकित्सा अधिकारी देहरादून की अध्यक्षता में किया गया । कार्यशाला में स्टेट कालेज ऑफ नर्सिंग के छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग । कार्यक्रम में डॉ पीयूष अगस्तीन, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट ने पशुजन्य रोग या जानवरों से फैलने वाली बीमारियों के बारे में जागरूकता बढाने एवं बचाव के उपायों की जानकारी दी । मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज कुमार शर्मा ने कहा कि जूनोटिक रोगों से बचाव के लिए स्वच्छता का ध्यान रखें। पालतू जानवरों के संपर्क में आने पर हर बार हाथों को साबुन से धोएं। पालतू जानवरों के घावों को साफ करते हुए या दवा लगाते समय दस्ताने पहनें। रिहायशी इलाकों में घूमने वाले आवारा पशुओं के नजदीक न जाएं और सावधानी परतें। यदि कभी पालतू या अन्य पशु के घावों के संपर्क में आएं अथवा जानवर काट ले तो तुरंत चिकित्सालय जाकर उपचार कराएं।

कार्यक्रम में मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खन्ना, जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ प्रदीप राणा, कृष्णा जयारा आईसीडीएस विभाग, अवनीन्द्र बडथ्वाल शिक्षा विभाग, डॉ जेपी नौटियाल, वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट, जिला मलेरिया अधिकारी सुभाष जोशी एवं आईडीएसपी टीम उपस्थित थी।

आवारा-बेसहारा पशुओं को मिलेगा आशियाना, चोटिल पशुओं का होगा उपचार

■ डीएम की अध्यक्षता में पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक में लिए गए अहम निर्णय

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। जानवरों पर अत्याचार की रोकथाम के लिए जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में जनपदीय पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक हुई। जिसमें पिछली बार लिए गए निर्णयों और कार्यान्वित गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा पशु क्रूरता के मामलों को कम करने और पशु कल्याण को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा हुई।जिलाधिकारी ने पशु कल्याण संगठनों, स्थानीय निकाय प्रशासन और पुलिस विभाग को बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा पशु क्रूरता के मामलों पर प्रभावी ढंग से कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि मसला सिर्फ पशु क्रूरता का नही है, मानवीय संवेदना का भी है। उन्होंने निर्देश दिए कि डॉग ब्रीडर्स एवं पेट शॉप का अनिवार्य रूप से पंजीकरणहो। उन्होंने मुख्य नगर अधिकारी, अधिशासी अधिकारियों और सीवीओ को सख्ती के साथ इसका अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि शहर में बिना पंजीकरण के अवैध तरीके संचालित पेट शॉप को तत्काल बंद कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में घूमते आवारा श्वान की संख्या में कमी लाने के लिए श्वानों के बाध्यीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाए। नगर निकायों एवं जिला पंचायत क्षेत्रों में घुमन्तु पशुओं को गौशाला में रखने और कांजी हाउस, गौशाला व गौ-सदन में रखे पशुओं को उचित संरक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य नगर आयुक्त नमामि बंसल, एसडीएम अपूर्वा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी एससी जोशी, डा. शैलेन्द्र, डॉ. मंजीत सिंह, डॉ. पूजा पांडेय, सीमा शर्मा, आदि सहित पशु क्रूरता निवारण सोसाइटी के अन्य सदस्य मौजूद थे।

नशे के विरूद्ध सेलाकुई पुलिस ने जन जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

सेलाकुई। नशे के विरूद्ध कॉलेज, इंस्टिट्यूट, हॉस्टल, पी0जी0 के संचालक, वार्डन आदि को जागरूक किये जाने को लेकर अभियान में थाना सेलाकुई पुलिस द्वारा किया गया जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा उत्तराखण्ड प्रदेश को नशा, ड्रग्स फ्री किये जाने की परिकल्पना को साकार' किये जाने के क्रम मे पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड के दिशा-निर्देशानुसार वर्तमान मे समाज मे बढ रही नशे की प्रवृत्ति की प्रभावी रोकथाम व नशा तस्करो के विरूद्ध सकारात्मक प्रभावी कार्यवाही करने हेतु सम्पूर्ण उत्तराखण्ड प्रदेश मे प्रचलित अभियान को सफल व सार्थक बनाये जाने' के क्रम मे 'श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद देहरादून' के निर्देशन एवं तत्वाधान मे विभिन्न कार्यक्रमो के माध्यम से नशे के विरुद्ध कॉलेज, इंस्टिट्यूट, प्रशिक्षण संस्थानों हॉस्टल पी0जी0 के संचालको को जागरूक करने के उद्देश्य व सामुदायिक पुलिसिंग स्थापना हेतु जागरूकता अभियान मे निर्गत दिशा-निर्देशो के अनुपालन मे क्षेत्राधिकारी प्रेमनगर व थानाध्यक्ष सेलाकुई द्वारा शुक्रवार को थाना सेलाकुई क्षेत्रान्तर्गत स्थित माया देवी कॉलेज सेलाकुई में थाना क्षेत्र स्थित हॉस्टल, पेइंग गेस्ट हाउस, छात्रावास के प्रधानाचार्य, डीन, प्रबंधक हॉस्टल वार्डनो आदि को नशे के खिलाफ जागरूक किया गया एवं ड्रग फ्री कैंपस नामक शपथ पत्र पर सभी छात्रों को हस्ताक्षर करने हेतु प्रेरित कियागया।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में राजगुरु परिवार ने जमाई हैट्रिक

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। जौनसार बावर के प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल ग्राम हनोल निवासी महासू देवता मंदिर के प्रतिष्ठित राजगुरु परिवार ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में लगातार तीसरी बार सफलता अर्जित कर हैट्रिक जमाई। पंचायत चुनाव में चकराता ब्लाक की बीडीसी सीट चातरा से रीना राजगुरु निर्विरोध क्षेत्र पंचायत सदस्य बनी। करीब 1200 ग्रामीण मतदाताओं की दो ग्राम पंचायतें चातरा-हनोल व पुरटाड पंचायत की बीडीसी सीट चातरा से पहली बार निर्विरोध क्षेत्र पंचायत सदस्य बनने का गौरव रीना राजगुरु ने प्राप्त कर रिकार्ड बनाया। इससे पहले यहां कोई भी निर्विरोध बीडीसी मेंबर नहीं बना पाया। वर्ष 2014, 2019 व 2025 के पंचायत चुनाव में स्थानीय लोगों ने लगातार तीसरी बार राजगुरु परिवार पर अपना भरोसा जताया ।

प्रसिद्ध श्री महासू देवता मंदिर हनोल के राजगुरु परिवार की शांठीबिल व पांशीबिल क्षेत्र में अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में हनोल निवासी देवता के राजगुरु परिवार की बड़ी बहू रीना राजगुरु ने बीडीसी सीट चातरा से क्षेत्र पंचायत सदस्य के लिए नामांकन किया। नामांकन पत्रों की जांच व 11 जुलाई को नाम वापसी के बाद बीडीसी सीट चातरा से रीना राजगुरु निर्विरोध क्षेत्र पंचायत सदस्य बनी सिर्फ औपचारिक घोषणा होनी बाकी है।

यह पहला मौका है जब चातरा बीडीसी सीट से कोई निर्विरोध क्षेत्र पंचायत सदस्य बनी। स्थानीय लोगों ने पंचायत चुनाव में लगातार तीसरी बार राजगुरु परिवार पर अपना भरोसा जताया।

वर्ष 2014 के पंचायत चुनाव में पहली बार चातरा-हनोल से निर्विरोध प्रधान बनने का रिकार्ड शीतल राजगुरु के नाम दर्ज है।

वर्ष 2019 के पंचायत चुनाव में प्रधान बने हरीश राजगुरु ने शानदार जीत का परचम लहराया था। वह चकराता ब्लाक प्रधान संगठन के निर्विरोध महासचिव भी बने। इससे पूर्व यहां कोई भी निर्विरोध प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य नहीं बन पाया। प्रथम निर्विरोध बीडीसी मेंबर बनी रीना राजगुरु पूर्व में शिक्षिका रह चुकी है।

उन्हें चकराता ब्लाक में ज्येष्ठ प्रमुख की प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राजगुरु परिवार की चकराता विधायक प्रीतम सिंह से नजदीकी एवं घरेलू संबंध है।

क्षेत्राधिकारी ने एक्टिव पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

■ ट्रैफिक व फिल्ड मे नियुक्त पुलिस व होगार्ड के जवानो को बरसाती व छातें की गई वितरित

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। क्षेत्राधिकरी प्रेमनगर रीना राठौर के निर्देशन में थाना प्रेमनगर मे नियुक्त पुलिस कर्मचारियो का एक सम्मेलन हुआ जिसमें क्षेत्राधिकारी ने जहां अच्छे कार्य करने वाले कर्मचारियो का उत्साहवर्धन किया। वही ट्रैफिक व फिल्ड मे नियुक्त पुलिस व होगार्ड के जवानो को बरसाती व छातें वितरित किये।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा पूर्व में हुई अपराध गोष्ठी में सभी क्षेत्राधिकारियो व थानाध्यक्षों को सम्बन्धित थानो में सम्मेलन कर अधिनस्थ कर्मचारियो की समस्या का सुंनकर निस्तारण करने, विवेचको का ओआर लेकर लम्बित विवेचनाओं व लम्बित शिकायतों का निस्तारण कराने, सीसीटीएनएस पोर्टलों में समयबद्ध तरीके से कार्य करने व पंचायत चुनाव में सतर्क दृष्टि रखते हुए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये।उक्त आदेश के अनुपालन में क्षेत्राधिकारी प्रेमनगर रीना राठौर द्वारा थाना प्रेमनगर में थाने में नियुक्त समस्त कर्मचारियो का सम्मेलन लिया गया।

थाने में अच्छे कार्य करने वाले पुलिस/होमगार्ड के जवानो का उत्साह वर्धन किया गया। वर्षा के दृष्टिगत थाने में फिल्ड ड्यूटी व ट्रेफिक ड्यूटी में नियुक्त पुलिस व होमगार्ड के जवानो को बरसाती व छाते वितरित किये गये।

आगामी पंचायत चुनाव के दृष्टिगत सर्तक दृष्टि रखते हुये उपद्रवी व्यक्तियों के विरूद्ध चालान की कार्यवाही कर पाबन्द कराने के निर्देश दिये गये। अवेध शराब तथा नशा के विरूद्ध संदिग्ध स्थानो को चिन्हित कर प्रभावी कार्यवाही करने व बाहरी व्यक्तियो के सत्यापन व समय समय पर सत्यापन की कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

सभी विवेचको को लम्बित विवेचना, लम्बित शिकायतो का निस्तारण करने के निर्देश दिये गये। सीसीटीएन में नियुक्त कर्मचारियो से सभी पोर्टलो मे किये जा रहे कार्य की जानकारी लेकर समयबद्ध कार्यवाही कराने के निर्देश दिये गये।

ग्रामीण इलाको में केंद्र के स्वीकृत टावर्स की जल्द करें स्थापना: डॉ नरेश बंसल

देहरादून । राज्यसभा सांसद डा. नरेश बंसल ने पटेल नगर स्थित बीएसएनएल कार्यालय मे आयोजित दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

डा. नरेश बंसल बैठक मे देहरादून,उत्तरकाशी एवं टिहरी जनपद के जनप्रतिनिधिगण को भी बुलाये जाने के लिए निर्देश दिए।इस चर्चा मे ग्रामीण इलाको मे केंद्र के स्वीकृत टावर्स की स्थापना एवं ग्राम पंचायतों में फाइबर के माध्यम से संचार सेवाओं का विस्तार करने के लिए तेजी से कार्य करने को कहा गया। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान मे देहरादून जिले मे 17668 एफटीटीएच कार्यरत हैं व बीएसएनएल के इंटरप्राइज बिजनेस के बारे मे पूरी जानकारी दी।

जेबीआईटी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डाटा साइंस पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। जेबी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डाटा साइंस पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, यह कार्यशाला अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटी) नई दिल्ली के 'वाणी योजना' के अंतर्गत आयोजित की गई है यह एकऐसा नवाचार कार्यक्रम है जिसका प्रयोजन भारतीय भाषाओं को तकनीकी संवाद का हिस्सा बनाना है।

इस कार्यशाला का उद्देश्य शोधार्थियों, शिक्षकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डाटा साइंस के उभरते ट्रेंड्स, तकनीको व व्यावहारिक अनुप्रयोगों से अवगत कराना है। कार्यशाला का उद्घाटन उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर (डॉ) ओंकार सिंह, आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर (डॉ) साहिल शर्मा, संस्थान के वाइस चेयरमैन संदीप सिंघल, निदेशक डॉक्टर पीके चौधरी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. डॉक्टर ओंकार सिंह ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डाटा साइंस आज की तकनीकी युग की रीड बन चुकी है। उन्होंने बहुभाषी भारत में तकनीकी शिक्षा को स्थानीय भाषा में पहुंचने को विकसित भारत 2047 के संकल्पों से जोड़ते हुए इसकी अनिवार्यता पर जोर दिया। प्रो. डॉक्टर साहिल शर्मा द्वारा एआई एवं डाटा साइंस पर अपनी बात रखी इस कार्यशाला में देश प्रदेश की विभिन्न विश्वविद्यालय एवं संस्थानो के 75 शोधार्थी, शिक्षक प्रतिभाग कर रहे हैं"। प्रथम दिन के विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रोफेसर डॉक्टर शशि शेखर झा, आईआईटी रोपड़, प्रोफेसर डॉक्टर राजीव अग्रवाल लॉयड इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ग्रेटर नोएडा, प्रोफेसर डॉक्टर साहिल शर्मा आईआईटी रुड़की ,प्रोफेसर डॉक्टर अंकुर दुमका डब्ल्यू आई टी उत्तराखंड, प्रोफेसर रवि तोमर वरिष्ठ आर्किटेक्ट ने ए आई एवं डाटा साइंस के नवीनतम आयाम से रूबरू कराया।इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉक्टर पीके चौधरी, रजिस्ट्रार डॉक्टर विशांत कुमार, कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर प्रदीप कोठियाल, सह संयोजक डॉक्टर विनय अवस्थी, मनोज चौधरी, डॉ. संदीप चौधरी, डॉ. किशोर भट्ट, दीपक अग्रवाल, पुनीत गर्ग, डॉक्टर संजीव गिल, प्रोफेसर पुनीत गर्ग, डॉ. नीरज शर्मा लखन सिंह, प्रेम कुमार सहित शिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद इमरान द्वारा किया गया।

जिलाधिकारी ने हरकी पैड़ी सहित कांवड़ मेला क्षेत्र का किया स्थलीय निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कांवड़ यात्रा को सफलतापूर्व सम्पन्न कराने हेतु वैरागी कैम्प में बनाई गई अस्थायी पार्किंग स्थल का प्रशासनिक अमले के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान जल निगम एवं जल संस्थान के अभियन्ताओं को निर्देश दिये कि पार्किंग स्थल पर पेयजल की आपूर्ति सुचारू रहे है, इसमें किसी भी प्रकार की कोई कोताही न हो। उन्होंने निर्देश दिये कि पेयजल हेतु बनाये गये स्टेण्ड पोस्ट पर पानी निकासी की उचित व्यवस्था रहे। उन्होंने अधिशासी अभियन्ता विद्युत को निर्देश दिये कि सभी पार्किंग स्थलों तथा कांवड़ पटरी मार्ग पर विद्युत की समुचित व्यवस्था रहे। विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर तत्काल संज्ञान लेते हुए आपूर्ति सुचारू की जाये। इसके साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिये हैं कि कही पर भी करन्ट की स्थिति न हो, करन्ट की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जाये ताकि कोई भी अप्रिय घटना न घटित हो पाये।

उन्होंने निर्देश दिये कि वर्तमान में बरसात का समय है ट्रान्सफार्मरों के नजदीक किसी भी प्रकार से कोई न पहुँच पाये। जिलाधिकारी ने नगर निगम के अधिकारियों को पार्किंग स्थलों एवं हरकी पौड़ी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था चाक-चौबन्द रखने के निर्देश दिये। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि कांवड़ियों को जागरूक करें कि हरकी पौड़ी क्षेत्र में गन्दगी न करें तथा कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि हरकी पौड़ी क्षेत्र में किसी भी प्रकार से कोई अतिक्रमण न हो। यदि कोई व्यक्ति नियम विरूद्ध दुकान लगाता है या अतिक्रमण करता है तो उसके विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसी भी स्तर पर तैयारियों में यदि कोई कमी रह गई हो तो उस कमी को छुपाने के स्थान पर तत्काल दूर करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने तथा सभी सुपर जोनल, जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों को नियमित रूप से अपने-अपने क्षेत्रों मे रहकर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराते रहने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को मार्गदर्शित करते हुए निर्देश दिये कि मेले के संचालन में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त नन्दन कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट कुशम चौहान, सचिव एचआरडीए मनीष सिंह, उप जिलाधिकारी जितेन्द्र कुमार, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई ओम जी गुप्ता सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

शादी में तमंचा लहराना युवक को पड़ा भारी, गिरफ्तार कर भेजा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। शादी में डांस करने के दौरान तमंचा लहराना व्यक्ति को भारी पड़ गया। पुलिस ने आरोपी को तमंचे सहित गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। करीब एक माह पूर्व कोतवाली रानीपुर क्षेत्रांर्गत गढ़मीरपुर में शादी में डांस करते हुए देशी तमंचा लहरा रहे एक व्यक्ति का सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए एसएसपी ने कार्रवाई के निर्देश दिए थे। सुमननगर चौकी प्रभारी एसआई अर्जुन कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आरोपी तज्जमुल उर्फ सोनू पुत्र निसार नावासी ईदगाह रोड़ ग्राम गढ़ को सुमन नगर गली नं.5 गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपनी सुरक्षा के लिये अपने पास तमंचा रखा हुआ था। एक महीने पहले शादी में डांस करने के दौरान जोश में आकर तमंचा लहरा दिया था। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके कब्जे से 12 बोर का देशी तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद कर लिया।

सीएमओ ने भेजी कांवड़ चिकित्सा सेवा शिविरों पर दवाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मुख्य चिकित्सा अधिकारी आरके सिंह ने कांवड़ मेले के दौरान कांवड़ियों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए स्थापित किए गए विभिन्न सेंटरों पर दवाएं और चिकित्सा उपकरण भेजे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.आरके सिंह, और डा. राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि दवाओं की कोई कमी नहीं है। दवाओं का पूरा स्टाक उपलब्ध है। कर्मचारी कांवड़ मेले में मुस्तैदी के साथ डयूटी करें। इस दौरान मुख्य फार्मेसी अधिकारी एसपी चमोली, फार्मेसी अधिकारी अमर सिंह नेगी, नवल किशोर, सुमन, पप्पू, अवनीश कुमार, अर्जुन कुमार आदि शामिल रहे।

टक्कर लगने से गंगाजल गिरने पर कावंड़ियों ने की कार में तोड़फोड़, तीन गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कार की टक्कर लगने से गंगाजल गिरने पर बहादराबाद में कांवड़ियों ने जमकर हंगामा काटा। कांवड़ से गंगाजल गिर जाने पर सहारनपुर से आए कांवड़िए आपा खो बैठे और कार सवारों से मारपीट कर दी। इतना ही नहीं कांवड़ियों ने लाठी डंडों से कार में जमकर तोड़फोड़ की। घटना बहादराबाद थाना क्षेत्र के क्रिस्टल वर्ल्ड के पास की है। हरियाणा नंबर की एक कार से लौट रहे एक ग्रुप की पैदल जा रहे कांवड़ियों की कांवड़ से टक्कर हो गई। जिससे कांवड़ का गंगाजल गिर गया। इसके बाद कांवड़ियों ने हंगामा करते हुए कार सवारों के साथ मारपीट की और कार को भी तोड़फोड़ कर तहस-नस कर दिया। मारपीट में कार सवार घायल हुए हैं। घायलों की शिकायत पर तीन कांवड़ियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। शांतरशाह चौकी इंचार्ज खेमेन्द्र गंगवार ने बताया कि घायलों का मेडिकल कराकर उपद्रवी कांवड़ियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

508 ग्राम चरस के साथ युवक को गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। कावड़ यात्रा शुरू होते ही नशा तस्करों ने अपना खेल खेलना शुरू कर दिया है। पुलिस ने चरसियों की कोशिश को नाकाम करते हुए एक व्यक्ति को चरस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी अवैध चरस लेकर भोलो को बेचने के लिए जा रहा था। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश किया

पुलिस को मुखबिर द्वारा क्षेत्र में अवैध चरस की तस्करी की सूचना मिली थी जिस पर कार्यवाही करते हुए फेरुपुर चौकी प्रभारी अशोक सिरसवाल, व रोहित कुमार के नेतृत्व में कांस्टेबल रविन्द्र, जयपाल को साथ लेकर कटारपुर फेरुपुररग से एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस तलासी में आरोपी के पास से लगभग 508 ग्राम अवैध चरस व तराजू बाट 42 सौ रुपये बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रामकुमार शर्मा पुत्र रमेशचंद्र निवासी रानीगली भूपतवाला हरिद्वार बताया आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया है। एसओ पथरी मनोज नोटियाल ने बताया 508 ग्राम अवैध चरस के साथ एक व्यक्ति को पकड़ा आरोपी के विरूद्ध एनडीपीएस ऐक्ट की धाराओ में मुकदमा दर्ज करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया है। नशा तस्करी करने वालो को किसी भी सूरत में बक्शा नही जाएगा।

निरंजन पीठाधीश्वर ने शुरू की पूरे सावन चलने वाली विशेष शिव आराधना

भगवान शिव ही संसार के है अधिपति : स्वामी कैलाशानंद

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी ने कहा कि भगवान शिव ही संसार के अधिपति हैं। समस्त सृष्टि भगवान शिव से उत्पन्न होकर उनमें ही समाहित हो जाती है। श्री दक्षिण काली मंदिर में पूरे सावन माह चलने वाली विशेष शिव आराधना का शुभारंभ करते हुए स्वामी कैलाशानंद गिरी ने कहा कि कल्याणकारी और मृत्युंजय भगवान शिव की आराधना कभी निष्फल नहीं जाती। उन्हें भक्तों से अधिक कुछ नहीं चाहिए। भक्त की श्रद्धा और भावना से ही भगवान शिव प्रसन्न हो जाते हैं। स्वामी कैलाशानंद गिरी ने कहा कि सावन में सच्चे मन से की गई भगवान शिव की आराधना से साधक का जीवन बदल जाता है और चरित्र उत्तम बनता है। जिससे भक्त के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि शिवकृपा से श्रद्धालु को सुख समृद्धि व वैभव की प्राप्ति होती है। पूरे सावन हरिद्वार में निवास करने वाले देवों के देव महादेव भगवान शिव की महिमा अपरंपार है। उनकी कृपा का पात्र जो व्यक्ति बन जाता है।

उसका जीवन स्वयं ही उन्नति की ओर अग्रसर हो जाता है। महादेव शिव अपने भक्तों के सभी कष्ट दूर कर उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। स्वामी कैलाशानंद गिरी के शिष्य स्वामी अवंतिकानंद ब्रह्मचारी ने बताया कि लोक कल्याण के लिए गुरूदेव पूरे सावन भगवान शिव की विशेष आराधना करते हैं। इसके लिए विभिन्न प्रजाति के पुष्पों से शिवलिंग का विशेष श्रंग्रार किया जाता है। विभिन्न प्रकार के सुगंधित द्रव्यों और पंचामृत से भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है। आराधना का समापन श्रावण पूर्णिमा पर होगा।

सीओ आकांक्षा कोण्डे ने 40 आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों की सेवा समाप्त करने के दिए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जनपद हरिद्वार में आंगनवाड़ी केन्द्रों के अनुश्रवण के लिये पोषण ट्रेकर के प्रभावी संचालन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें जनपद की जिला कार्यक्रम अधिकारी और बाल विकास परियोजना अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य पोषण ट्रैकर के क्रियान्वयन पर चर्चा, पोषण ट्रैकर के आधार पर 40 आंगनवाड़ी केंद्रों के बंद रखने पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवा समाप्त करने के निर्देश दिए। इसी तरह से आँगनबाड़ी केन्द्रों में अव्यवस्था पाए जाने पर क्या कार्रवाई की गई। इसमें सुधार के लिए और प्रभावी क्रियान्वयन और उसमे दर्ज सूचनाओं की समीक्षा प्रति माह सीडीपीओ स्तर पर की जाए ।जिससे पोर्टल की कार्यप्रणाली मैं सुधार करते हुए समयानुसार सही डेटा भरा जा सके।

मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने सभी उपस्थित सीडीपीओ को कठोर निर्देश दिए कि योजनाओं का संचालन नियमानुसार और समयानुसार करे। pmmvy योजना के तहत प्रत्येक सीडीपीओ को निध ीरित लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे के साथ जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती सुलेखा सहगल और समस्त सीडीपीओ ने प्रतिभाग किया गया।

दक्ष प्रजापति महासभा उत्तराखंड ने मनायी दक्ष प्रजापति की जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। दक्ष प्रजापति महासभा उत्तराखंड के तत्वावधान में भेल सेक्टर-4 सामुदायिक केन्द्र में भगवान ब्रह्म के मानस पुत्र दक्ष प्रजापति जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीताराम प्रजापति ने एवं संचालन सन्दीप सिंहानिया प्रजापति ने किया। कार्यक्रम में भेल प्रजापति संस्था के अध्यक्ष दिनेश कुमार प्रजापति, भाजपा ओबीसी मोर्चे के जिला महामंत्री पवनदीप कुमार एवं सामुदायिक केंद्र के सदस्य चिरंजीवी कुमार विशेष अतिथी रहे। दक्ष प्रजापति महासभा के संयोजक सन्दीप सिंहानिया ने बताया कि हर वर्ष गुरु पूर्णिमा के दिन दक्ष जयन्ती का आयोजन एवं दक्ष प्रजापति महासभा का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जायेगा। उन्होंने बीते माह सन्त मण्डल आश्रम में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से आंशिक कोर कमेटी का गठन किया गया है। जिसका शीघ्र विस्तार कर दक्ष प्रजापति महासभा की कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। सीताराम प्रजापति ने बताया कि संगठन प्रजापति समाज के सर्वांगीण विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। प्रवीण बरदिया ने दक्ष प्रजापति की कथा एवं सनातन धर्म में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। दिनेश प्रजापति ने कहा कि महासभा द्वारा समाज के गरीब बच्चों को शिक्षा में मदद के लिए नीति बनाई जानी चाहिए। पवनदीप ने कहा कि राजनीति में समाज को संगठित होकर कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी रविन्द्र कुमार प्रजापति, भेल प्रजापति संस्था के महामंत्री रामलाल प्रजापति, प्रवीण बरदिया प्रजापति, हरपाल प्रजापति, पूरण प्रजापति, त्रिभुवन प्रजापति, गंगाप्रसाद प्रजापति, लाल सिंह प्रजापति, देवेन्द्र प्रजापति, शिवनेश गोला, रवि प्रजापति, रेखा प्रजापति, प्रकृति, चिराग प्रजापति, पिंकी प्रजापति, अर्चना प्रजापति, सुनीता प्रजापति सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने कांवड़ सेवा शिविर का किया शुभारंभ

श्रावण मास में भत्तफों पर विशेष कृपा बरसाते हैं भगवान शिव : श्रीमहंत रविंद्रपुरी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने निरंजनी अखाड़ा स्थित चरण पादुका मंदिर में कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ किया है। शिविर के माध्यम से कांवड़ मेले के दौरान शिव भक्तों को भोजन, नाश्ता आदि उपलब्ध कराया जाएगा।

चरण पादुका मंदिर स्थित मंशेश्वर महादेव शिवलिंग का जलाभिषेक कर शिविर का शुभारंभ करने के बाद विश्व कल्याण तथा सभी सुख व समृद्धि की प्रार्थना करते हुए श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि श्रावण मास शिव भक्ति को समर्पित है। श्रावण में भगवान शिव की पूजा-व्रत, रुद्राभिषेक, सोमवार व्रत एवं पंचामृत से अभिषेक करने की विशेष महत्ता है। श्रावण मास में भगवान शिव की विशेष कृपा भक्तों पर बरसती है। श्रावण में शिव पूजन जीवन धन-धान्य से परिपूर्ण हो जाता है। रुद्राभिषेक करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं और ग्रह दोष दूर होते हैं। श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने बताया कि ध्यान और श्रद्धा से किया गया रुद्राभिषेक विशेष फलदायक होता है। दूध , दही, घी, शहद और मिश्री अथवा गंगाजल से पंचामृत तैयार कर भगवान शिव का अभिषेक करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि आस्था, संयम और समर्पण का भाव हो तो साधारण व्रत और जलाभिषेक से भी शिवजी प्रसन्न हो जाते हैं। उन्होंने युवाओं को प्रेरित किया कि शिव तत्व को अपनाकर जीवन में संयम, सेवा और साधना को आत्मसात करें।

श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने बताया कि कांवड़ सेवा शिविर के माध्यम से सवेरे से रात तक कांवड़ लेने आने वाले भक्तों को नाश्ता, भोजन व पेजयल उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी, महंत दर्शन भारती, महंत राजगिरी, डा.विशाल गर्ग, संघ नेता पदम सिंह, एचआरडीए के सचिव मनीष सिंह आदि मौजूद रहे। श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कालनेमी सबंधी बयान का समर्थन करते हुए कहा कि अखाड़ा परिषद अपने स्तर पर जांच पड़ताल करने के बाद संत वेश में अवैध गतिविधि यों में लिप्त लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई करेगा।

व्यापारियों और श्री अखंड परशुराम अखाड़े ने किया गंगा पूजन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। महानगर व्यापार मंडल एवं श्री अखंड परशुराम अखाड़े के पदाधिकारियों ने मां गंगा में दुग्धाभिषेक व पूजा अर्चना कर कावड़ मेला सकुशल सम्पन्न होने की प्रार्थना की। श्री अखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि शिवभक्त हरिद्वार की मर्यादा गरिमा का भी ध्यान रखें। कावड़ यात्रा के दौरान उत्पात से बचें। अनावश्यक विवाद पैदा न करे। मां गंगा को स्वच्छ बनाने में सहयोग करते हुए किसी प्रकार की प्लास्टिक गंदगी मां गंगा में न डालें। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व पार्षद प्रीतकमल, पंडित पवन शास्त्री, सोनू चौधरी, कुलदीप शर्मा, बृजमोहन शर्मा, युवराज बिष्ट, अभिनव चौरसिया, मनोज ठाकुर, सुनील मनोचा, महेश कुमार, रवि बांगा, राकेश सिंह, राजू जोशी आदि शामिल रहे।

पर्यावरणीय संतुलन के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

अल्मोड़ा। डीएम आलोक कुमार पांडेय के नेतृत्व में जागेश्वर मंदिर परिसर एवं आस-पास के क्षेत्रों में पौधारोपण व वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया।

धार्मिक व पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण इस स्थल को स्वच्छ और हराभरा बनाए रखने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय ने कहा कि जागेश्वर केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत भी है। इसकी नैसर्गिक सुंदरता और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि ऐसे स्थलों पर स्वच्छता, हरियाली और जैव विविधता को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने स्थानीय लोगों, स्कूली बच्चों और अधिकारियों द्वारा किए गए सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि यदि समाज और शासन मिलकर कार्य करें, तो पर्यावरण संरक्षण एक प्रभावी जन आंदोलन का रूप ले सकता है। एसडीएम संजय कुमार, तहसीलदार बरखा जलाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी नवीन तिवारी, जिला पर्यटन विकास अधिकारी प्रकाश खत्री, जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी राजेश कुमार, उपखंड शिक्षा अधिकारी दीक्षा बेलवाल, वीथिका सहायक जनमेजय तिवारी आदि मौजूद रहे।

भगवान शिव की आराधना को समर्पित है सावन : ऋषि रामकृष्ण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। खड़खड़ी स्थित निर्धन निकेतन आश्रम के परमाध्यक्ष स्वामी ऋषि रामकृष्ण महाराज ने कहा कि सावन भगवान शिव की आराधना को समर्पित विशेष महीना है। सावन में पूर्ण विधि विधान से भगवान शिव की आराधना से विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है। आश्रम में श्रद्धालु भक्तों को संबोधित करते हुए स्वामी ऋषि रामकृष्ण महाराज ने कहा कि देवों के देव महादेव भगवान अत्यन्त कृपालु देव हैं। श्रद्धा भाव से समर्पित किए गए एक लोटा जल से ही प्रसन्न होकर भगवान शिव भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण कर देते हैं। उन्होंने कहा कि यूं तो भगवान शिव की आराधना कभी भी की जा सकती है। लेकिन सावन में शिव आराधना का विशेष महत्व है। सावन में भगवान शिव कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर में विराजमान रहकर संसार का संचालन करते हैं। कांवड़ लेने आने वाले शिव भक्त कांवड़ियों से अपील करते हुए स्वामी ऋषि रामकृष्ण महाराज ने कहा कि कांवड़ यात्रा धार्मिक यात्रा है। आत्मसंयम का परिचय देते हुए यात्रा करें। हुड़दंग बाजी से पूरी तरह दूर रहें। सरकार और प्रशासन द्वारा जारी नियमों का पालन करें।

हरिद्वार में शुरू हुआ अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा का सावन पर्व

हरियाणवी संस्कृति को विश्वपटल पर पहुंचाने का काम करेंगा अग्रवाल वैश्य समाज : बुवानीवाला

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा की प्रदेश कोर-वर्किंग-कमेटी की बैठक के साथ दो दिवसीय 'सावन पर्व' शुरू किया गया। दो सत्रों में चलने वाले इस सावन पर्व की आज कोर-वर्किंग-कमेटी की बैठक के साथ विधिवत शुरूआत की गई है। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष श्री अशोक बुवानीवाला ने की, जिसमें प्रदेशभर से संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के एजेंडा अनुसार सर्वप्रथम प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने बताया कि हरियाणा की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर स्थापित करने की दिशा में अग्रवाल वैश्य समाज एक ऐतिहासिक पहल करने जा रहा है। उन्होंने बताया कि समाज ने यह संकल्प लिया है कि वह विश्व के सभी 195 देशों में हरियाणवी संस्कृति की आत्मा, 'उसकी पारम्परिक कहावतों, लोकोक्तियों और जन-प्रचलित वचनों' को सिखाने और प्रचारित करने का कार्य करेगा। बुवानीवाला ने कहा कि यह अभियान केवल कहावतें सिखाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह हरियाणवी बोली, रहन-सहन, परंपराएं, गीत, त्योहार, और जनश्रुतियों को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करेगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सिरे चढ़ाने के लिए अग्रवाल वैश्य समाज अपने प्रत्येक पदाधिकारियों, विभिन्न इकाईयों के अध्यक्ष, महासचिव, महिला मोर्चा, युवा एवं छात्र इकाई इत्यादी सभी के सामुहिक प्रयास से इस अभियान को गति देगा। संगठन के विस्तार पर चर्चा करते हुए बैठक में निर्णय लिया गया कि समाज को व्यापक स्तर पर संगठित करने हेतु एक प्रदेशव्यापी सदस्यता अभियान प्रारंभ किया जाएगा। बैठक में जिला एवं विध ानसभा स्तरीय कार्यकारिणी के गठन पर जोर देते हुए प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने कहा कि शीघ्र ही प्रत्येक जिले व विधानसभा की कार्यकारिणीयों की समीक्षा की जाएगी और जिन जिलों में अभी तक कार्यकारिणी गठित नहीं हो पाई है, उन्हें आगामी 30 दिनों में संगठनात्मक ढांचा तैयार करने के निर्देश दिए जाएगें। इस मौके पर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुभाष तायल व पवन अग्रवाल, महासचिव राजेश सिंगला व बलराम गुप्ता, कोषाध्यक्ष कमल मित्तल, महिला प्रदेश अध्यक्ष सुशीला सर्राफ, युवा प्रदेशाध्यक्ष रवि गर्ग बधवानियां, मंत्री मुकेश बंसल, यमुनानगर नगर पालिका अध्यक्ष संगीता, पूर्व पालिका अध्यक्ष महम पिंकी, सुशील गुप्ता, विकास गर्ग, संदीप नूनीवाला सहित अनेक पदाधिकारीगण मौजूद रहें।

उत्तराखण्ड में बीएड कॉलेजों पर संकट के बादल

दाखिला घटा, कई निजी बीएड कॉलेज बंद होने की कगार पर

■सैकड़ों शिक्षकों व कर्मचारियों की नौकरियां खतरे में

■सरकार की नीति स्पष्ट नहीं, डीएलएड अनिवार्य होने से बिगड़ा गणित

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड में बीएड कॉलेजों की हालत इन दिनों काफी चिंताजनक होती जा रही है। कभी प्रदेश में बीएड की पढ़ाई के लिए छात्रों की भारी भीड़ हुआ करती थी, लेकिन वक्त के साथ अब स्थिति बिल्कुल पलट चुकी है।

हाल ये है कि सरकारी हो या निजी, सभी बीएड संस्थान छात्रों की कमी से जूझ रहे हैं। बीते वर्षों में बीएड को प्राथमिक शिक्षक भर्ती की पात्रता में शामिल किया गया था, जिससे छात्रों की बड़ी तादाद ने इन संस्थानों में दाखिला लिया। रोजगार की संभावना के चलते बीएड पाठ्यक्रम तेजी से लोकप्रिय हुआ और प्रदेश भर में बड़ी संख्या में बीएड कॉलेज खुल गए। लेकिन अब परिदृश्य बदल गया है। सरकार द्वारा प्राथमिक शिक्षक पद के लिए डीएलएड को अनिवार्य कर देने के बाद बीएड को लेकर छात्रों की रुचि तेजी से घट गई है। बीते वर्ष आयोजित बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा में लगभग 6500 सीटें थीं, लेकिन इनमें से सिर्फ 3300 सीटों पर ही अभ्यर्थियों ने प्रवेश लिया। इस वर्ष भी बीएड को लेकर असमंजस का माहौल बना हुआ है। बीएड की घटती लोकप्रियता ने प्राईवेट बीएड कॉलेजों को सबसे ज्यादा चिंता में डाल दिया है। सरकार और शिक्षा विभाग की ओर से भी इस दिशा में कोई खास दिलचस्पी नहीं ली जा रही है। हालांकि इस वर्ष सरकार ने बीएड की प्रवेश परीक्षा समाप्त कर दी। समर्थ पोर्टल के ज़रिये प्रवेश और काउंस. लिंग के माध्यम से बीएड अभ्यर्थियों के एडमिशन की बात सामने आ रही है, लेकिन इसे लेकर भी अभी तक कोई खास हलचल पाठ्यक्रम को लेकर दिखाई नहीं दे रही है। विगत वर्ष करीब-करीब सारे ही कॉलेजों में बीएड की सीटें रिक्त रह गयी थीं। कई कॉलेज तो ऐसे हैं, जिनमें गिनती के 10-20 अभ्यर्थियों ने ही एडमिशन लिया। ऐसे में प्राईवेट कॉलेजों के सामने स्टाफ और ढांचे के खर्च पूरे करना मुश्किल हो रहा है और प्रबंधन लगातार नुकसान झेल रहे हैं। ऐसे में राज्य सरकार से मांग की जा रही है कि वह बीएड पाठ्यक्रम चलाने वाले संस्थानों को लेकर कोई ठोस नीति बनाए। कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि जब तक बीएड को फिर से शिक्षक भर्ती की पात्रता में नहीं जोड़ा जाएगा या इन डिग्रीधारकों के लिए कोई अन्य वैकल्पिक करियर अवसर सुनिश्चित नहीं किए जाएंगे, तब तक इन संस्थानों का संचालन मुश्किल होता जाएगा। स्थिति यह है कि कई निजी बीएड कॉलेज बंद होने की कगार पर हैं और भविष्य में सैकड़ों शिक्षकों व कर्मचारियों की नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं।

चुनाव में धांधली का आरोप, ज्ञापन सौंपा

नैनीताल। पूर्व दर्जा राज्य मंत्री व प्रमुख राज्य आन्दोलनकारी हरीश पनेरु ने कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत को ज्ञापन सौपा है जिसमें उन्होंने कहा है कि ओखलकाण्डा विकास खण्ड के ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत के चुनाव में भारी धांधली की जा रही है। पनेरु के मुताबिक धांधली का विशेष कारण यह है कि चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकांश कर्मचारी एवं अधिकारी ओखलकाण्डा ब्लॉक में निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख के अधीन काम करते रहे हैं। उनके प्रभाव में आकर बचुली देवी क्षेत्र पंचायत सदस्य के प्रमाण पत्र गायब कर दिये गये हैं जिससे अन्य निर्विरोध क्षेत्र पंचायत सदस्य बन सके। ऐसे में पूरी चुनाव प्रक्रिया भारी अनियमितता हो रही है। उक्त तथ्यों से आरओ को अवगत कराने के बाद लगातार चुनाव धांधली किया जा रही है। पनेरु ने कमिश्नर रावत से निवेदन किया है कि वह इस प्रकरण की जांच करते हुए चुनाव प्रक्रिया में अन्य जगह के कर्मचारी व अधिका. रियों को लगाया जाए जिससे निष्पक्ष चुनाव हो सके।

एक नजर....

कार्मिक समस्याओं के निस्तारण की मांग

नैनीताल। नगर निकाय कर्मचारी संघ के शिष्टमंडल ने पालिकाध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल से मुलाकात कर कर्मचारियों की समस्याओं के निस्तारण की मांग की। अध्यक्ष शोभा चौहान व सचिव रितेश कपिल के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने वर्ष 2014 से बंद सामूहिक जीवन बीमा की धनराशि कर्मचारियों को वापस करने, अक्तूबर 2005 के बाद नियुक्त कर्मचारियों का अंशदान एनपीएस खाते में जमा करने तथा कार्मिकों को समय पर एसीपी का लाभ देने व प्रत्येक वर्ष कर्मचारियों के एसीआर तैयार करने के लिए लेखाधिकारी को आदेशित करने की मांग की। पालिका के आवासों में रह रहे सेवानिवृत कर्मचारियों के संबंध में स्थिति स्पष्ट करने को कहा। सचिव रितेश ने बताया कि पालिकाध्यक्ष ने लेखाधिकारी को समस्याओं के निस्तारण करने के निर्देश दिए। आवास मामले में कहा कि प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है कोर्ट आदेश पर कार्रवाई की जाएगी।

चुनाव आयोग स्थिति स्पष्ट करे: हाईकोर्ट

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने नैनीताल जिले के ग्राम बुदलाकोट में मतदाता सूची में बाहरी लोगों के नाम मतदाता सूची में होने के मामले में चुनाव आयोग को स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। बता दें कि बुदलाकोट निवासी आकाश बोरा की ओर से दायर जनहित याचिका पर शुक्रवार को न्यायमूर्ति जी. नरेन्दर और न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि बुदलाकोट में बाहरी लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल किये गये हैं। आपत्ति दर्ज कराने के बावजूद मतदाता सूची से इनके नाम हटाये नहीं गये हैं दूसरी ओर प्रदेश चुनाव आयोग और राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि इस मामले की जांच की गई है। अंत में कोर्ट ने चुनाव आयोग ने इस मामले में सोमवार 14 जुलाई तक स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिये हैं।

वन्यजीव संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान

नैनीताल। प्रभागीय वनाधिकारी भूमि संरक्षण वन प्रभाग नैनीताल के आद. ेशानुसार वन क्षेत्राधिकारी मुक्तेश्वर रेंज के दिशा निर्देशन में शुक्रवार को मानव वन्य जीव संघर्ष जन जागरूकता सचल वाहन के माध्यम से मुक्तेश्वर वन क्षेत्र के तहत पहाड़पानी अनुभाग के धानाचूली, मनाघेर, चौरलेख, पहाड़पानी, जलना, नील पहाड़ी आदि स्थानों में जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके तहत स्थानीय लोगों को मानव वन्य जीव संघर्ष के कारणों व प्रभावों और रोकथाम के बारे में जानकारी प्रदान की गई तथा वन्यजीवों और मानव जीवन को होने वाले गंभीर नुकसान के विषय में जानकारी प्रदान की गई तथा जनसहभागिता की अपील की गई तथा मानव वन्य जीव संघर्ष हेतु जागरूक किया गया व संघर्ष को कम करने के लिए कुछ एहतियाती उपायों की जानकारी दी गई। अभियान में सुरेश चन्द्र आर्या, गोविन्द राम, भुवन चंद्र जोशी, बलवंत सिंह भैंसोड़ा, दीपक सिंह रावत, प्रकाश चन्द्र, बब्लू कुमार तथा कुन्दन सिंह राणा रहे।

तल्लीताल, बारापत्थर में चैकिंग अभियान

नैनीताल। पंचायती चुनावों को लेकर लागू आदर्श आचार संहिता के पालन के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान अवैध रूप से शराब और नकदी के परिवहन पर रोकथाम के उद्देश्य से पुलिस लगातार चेकिंग अभियान चला रही है। शुक्रवार को एसपी जगद. ीश चंद्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तल्लीताल डांठ और बारापत्थर क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान हर आने-जाने वाले वाहन की गहनता से जांच की गई। एसपी ने बताया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं।

इग्नू में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 जुलाई

नैनीताल। इग्नू में प्रवेश की प्रक्रिया जारी है तथा 15 जुलाई अंतिम तिथि है। शुक्रवार को कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर में प्रवेश हेतु सत्र चलाया गया। इग्नू डीएसबी के समन्वयक प्रो. ललित तिवारी ने बताया कि इग्नू में 314 कोर्स वर्तमान में संचालित हैं जिसमें डिप्लोमा एसर्टिफिकेट तथा डिग्री कोर्स शामिल है। इग्नू देश के सबसे बड़ी विश्वविद्यालय है तथा प्रवेश आनलाइन के माध्यम से प्रवेश ले सकते हैं। बी कीपिंग तथा ऑर्गेनिक पर भी सर्टिफिकेट कोर्स उपलबध होते हैं। जुलाई सत्र में प्रवेश हेतु बी कॉम, बीए /बीबीए/ एमएससी ग्रह विज्ञान/ सामुदायिक विकास एवं विस्तार प्रबंधन के साथ पुस्तकालय विज्ञान तथा बीबीए सहित एमएससी एनालिटिकल केमिस्ट्री तथा एमएससी बायोकेमिस्ट्री तथा पर्यावरण विज्ञान व एमए एंथ्रोपोलॉजी तथा वन ईयर डिप्लोमा जर्नलिज्म एवं मास कम्युनिक. ेशन भी शामिल है। इस दौरान डा. नवीन पांडे, एनबी पालीवाल, कुंदन तथा गोपाल बिष्ट व विकास आदि उपस्थित रहे।

बेबी एसेंशियल्स हैम्पर किया लॉन्च

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। इस प्राइम डे पर अमेजन डॉट इन ने नई शुरुआत को और भी खास बनाने के लिए गिगलबॉक्स नाम से एक विशेष बेबी एसेंशियल्स हैम्पर लॉन्च किया है, जिसका टैगलाइन है, हर शुरुआत के लिए सबसे अच्छा। विश्वसनीय उत्पादों से थॉटफुल तैयार किया गया यह गिफ्ट बॉक्स नए माता-पिता के लिए बेबी गिफ्टिंग को बेहद आसान बना रहा है, वो भी प्राइम डे की सबसे बड़ी बचत के मौके पर। 12 जुलाई से 14 जुलाई तक प्राइम मेंबर्स को 30 लाख से ज्यादा रोजमर्रा के जरूरी सामानों पर 60 प्रतिशत तक की छूट और ताजे किराना उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक की बचत मिलेगी, जिसे ब्रू ने प्रस्तुत किया है और दावत व मैकचेन ने सह-प्रायोजित किया है।

टैक्सी कार से टकराने पर हंगामा

नैनीताल। नैनीताल से हल्द्वानी की ओर जाती पर्यटकों की कार के टैक्सी कार से टकराने पर बवाल हो गया। पर्यटकों ने बीच सड़क टैक्सी से चालक को निकालकर पीटा तो मौके पर हंगामा हो गया। जानकारी के अनुसार पीबी 27एल-8273 कार नैनीताल से हल्द्वानी को जा रही थी। इस दौरान बल्दियाखान के समीप पर्यटक ने बीच सड़क अपनी कार में के ब्रेक दबाए। इस दौरान उनके पीछे से आ रही टैक्सी कार यूके 04 टीबी 6253 उनकी कार से टकरा गई। टैकसी कार से टकराते ही पर्यटक कार से उतरे और टैक्सी चालक को टैक्सी से बाहर खींच लिया। इससे पहले की टैक्सी चालक कुछ बोलता पर्यटकों ने उसको पीट दिया। टैकसी चालक ने अन्य टैकसी चालकों को इसकी सूचना दी तो मौके पर भीड़ जमा हो गई। लोगों ने पुलिस को सूचित किया तो पर्यटक व टैकसी चालक फरार हो गए। ज्योलोकोट चौकी इंचार्ज ने बताया कि दोनों वाहनों की तलाश की जा रही है।

पुलिस के सामने हेकड़ी

नैनीताल। नगर के राजभवन रोड पर टोल चुंगी के समीप देर तक एक टैक्सी वाहन पार्क रहा। हद तब हो गई जब पुलिस के सामने ही तेज आवाज में देर तक वाहन में गीत बजते रहे। लोगों ने इसका वीडियो बनाकर पुलिस के उच्चाधिकारियों को भेज कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार फांसी गधेरे राजभवन रोड पर टोल चुंगी के समीप सड़क में यूके 01 टीए 1652 टैक्सी वाहन पार्क थी। इस दौरान वाहन चालक ने टैक्सी के दरवाजे खोलकर तेज आवाज में गाने चला दिए। तेज आवाज से आस पास के लोगों को दिक्कत होने लगी। जब लोगों ने मौके पर जाकर देखा तो चालक टैक्सी के बाहर खड़े होकर झील की फोटोग्राफी कर रहा था।

खतरनाक मोड़ों पर डाला जा रहा है मलबा

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। हाईकोर्ट के अधिवक्ता दिनेश चंद्र सिंह रावत ने नैनीताल-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग पर चील चक्कर और हनुमानगढ़ मंदिर जैसे खतरनाक मोड़ों पर मलबा डाले जाने के मामले को बेहद गंभीरता से लिया है। रावत द्वारा अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को पत्र भेजकर इस गंभीर लापरवाही पर आपत्ति जताई गई है। बताया गया कि यह मलबा लोक निर्माण विभाग द्वारा आंतरिक मार्गों के निर्माण के दौरान निकला हुआ है जिसे अब राष्ट्रीय राजमार्ग के संवे. दनशील मोड़ों पर अनधिकृत रूप से डंप किया जा रहा है। हाईकोर्ट अधिवक्ता डीसीएस रावत ने पत्र में स्पष्ट किया कि इस मार्ग से लगातार पर्यटकों व विशिष्ट और अति विशिष्ट व्यक्तियों का आवागमन बना रहता है। ऐसे में बरसात के दौरान यदि मलबा फिसलकर सड़क पर आ गया तो इससे बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं। पत्र में यह मांग की गई है कि यदि यह वाहन व कार्य विभागीय नहीं था तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए और अगर विभागीय था तो यह गंभीर लापरवाही के दायरे में आता है। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि दुर्घटना संभावित मोड़ों पर बार.बार मलबा डंप करना न केवल नैनीताल की छवि को नुकसान पहुंचा रहा है बल्कि न्यायालय के आदेशों की भी अवहेलना है।

चोरी का आरोप लगाने पर गुस्सा

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नगरपालिका नैनीताल की कार पार्किंग व लेक ब्रिज में कार्यरत डेएनयूएलएम के अंतर्गत गठित महिला

स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने वेतन ना मिलने व चोरी का आरोप लगाए जाने को लेकर शुक्रवार को मल्लीताल डीएसए पार्किंग में विरोध प्रदर्शन कर जमकर नारेवाजी की। इस दौरान सुपर वाइजर कहा कि उन्हें तीन माह से वेतन नहीं मिला है और अब उनपर गलत आरोप लगाए जा रहे हैं। वेतन नहीं मिलने के कारण उन्हें उपने परिवार वालों से भी खरी खोटी सुननी पड़ रही है वहीं पालिकाध्यक्ष से मुलाकात करने पर उन्होंने वेतन देने से साफ इन्कार कर दिया है। वेतन नहीं मिलने तक सभी महिलाएं कार्यबहिष्कार करेंगी और यदि वेतन नहीं मिलता है तो वह न्यायालय की शरण में जाने को बाध्य होंगी। महिलाओं की सुपरवाइजर प्रेमा करायत ने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा महिला समूह स्वरोजगार के तरह 1 अप्रैल से कार्य पर रखा गया था श्रम विभाग की न्यूनतम मजदूरी दरों पर उन्हें मानदेय वेतन दिया जाएगा। कहा कि पूरा सीजन निपट गया है आज तीन माह 10 दिन हो चुके हैं लेकिन अब तक महिलाओं को कोई कोई वेतन नहीं दिया गया है। कहा कि सभी महिलाएं इस मामले को लेकर पालिकाध्यक्ष के पास गए तो उन्होंने सभी महिलाओं की बेइज्जती की और महिलाओं पर चोरी का आरोप लगाया। इस दौरान कविता देवी, यमुना शर्मा, वंदना खेतवाल, अनीता रौतेला, भगवती जोशी, मंजू नैनवाल, विमला आगरी, मुस्कान, शालनी, ईशा, आशा बिष्ट, पायल, किरण, संतोष आर्य, नीमा साह, प्रेमा आर्य, ललिता, गायत्री, कमला फर्तयाल, ललिता बिष्ट, मुन्नी देवी, जानकी व नीमा कोहली आदि मौजूद रहे।

भ्रष्टाचार मुक्त उत्तराखंड प्रादेशिक जनजागरण मंच का गठन

13 जुलाई को सीएम धामी का सम्मान समारोह, कुंवर जपेन्द्र सिंह को बनाया गया संयोजक

विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संस्थाओ के द्वारा समर्पित मंच

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। भ्रष्टाचार मुक्त उत्तराखंड जन जागरण प्रादेशिक मंच देहरादून का गठन किया गया है, जो जनपद देहरादून की समस्त धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा सर्मपित है इस अवसर पर सभी संस्थाओं की सर्वसम्मति से कुंवर जपेन्द्र सिंह को मंच का संयोजक नामित किया गया।

रविवार को उत्तरांचल प्रेस क्लब में प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए जनजागरण मंच के संयोजक कुंवर जपेन्द्र सिंह ने कहा कि वर्तमान में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व उनकी सरकार भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही कर उनको सलाखों के पीछे भेज रही है ये वास्तव में सराहनीय पहल है। और भ्रष्टाचार के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने की दृढ इच्छा शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने यह भी कहा मुख्यमंत्री की इस पहल से आने वाले दिनों में आम जनता को राहत की सांस मिलेगी और उत्तराखंड प्रदेश दोगुनी उन्नति करेगा। कुँवर जपेन्द्र सिंह ने बताया कि कार्यक्रम रविवार को लगभग दोपहर 12 बजे से प्रारम्भ हो जायेगा और कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के आगमन के पश्चात् उनके द्वारा दीपप्रज्वलन होगा उसके पश्चात् स्वागत गान आदि से कार्यक्रम प्रारम्भ हो जायेगा।

प्रेस वार्ता में अशोक वर्मा, अरविन्द मित्तल, प्रमोद, प्रदीप मित्तल. एमसी गुप्ता, बालेश गुप्ता, विनोद कश्यप, प्रवीन गुप्ता, मनोज शर्मा, विवेक अग्रवाल, विनीत जैन, गुरप्रीत सिंह चन्ने, दीपक जैठी, आचार्य पवन, संजय अरोडा, सुभाष नागपाल, कुलदीप त्यागी, दीपक शरण कमलेश अग्रवाल, दीपक. मित्तल आदि भी उपस्थित रहे।

जन जागरण मंच में ये होंगे सदस्य

संयोजक कुंवर ने बताया कि मंच में जनपद देहरादून की विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के अध्यक्ष एवं महामंत्री पदेन सदस्य होंगे ९मुख्यमंत्री की इस कार्यवाही से प्रभावित होकर जनपद देहरादून की समस्त धाल्मक एवं सामाजिक संस्थाओं के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के साथ ही महामंत्री प्रतिनिधियों आदि ने मुख्यमंत्री को आगामी 13 जुलाई रविवार को नाथ पैलेस वाटिका, निकट ऊर्जा भवन देहरादून में सम्मानित करने का निर्णय लिया हैं। संस्था निकट भविष्य में भी ईमानदारी से कार्य करने वाले अधिकारियों आदि को इसी प्रकार से सम्मानित करेगी।

सचिव पंचायतीराज 15 को स्थिति से अवगत कराएं

उत्तराखण्ड हाईकोर्ट में 12 जिलों में कराए जा रहे पंचायत चुनाव को लेकर सुनवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने वर्षात के समय प्रदेश के 12 जिलों में कराए जा रहे पंचायत चुनाव को अगस्त माह के बाद कराए जाने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ती आलोक महरा की खण्डपीठ ने अगली सुनवाई हेतु आने वाले मंगलवार यानी 15 जुलाई की तिथि नियत की है। कोर्ट ने स्थिति से अवगत कराने हेतु प्रदेश के डीजीपी व सचिव पंचायतीराज से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश होकर स्थिति से अवगत कराने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई आने वाले

मंगलवार की तिथि 15 जुलाई नियत की है। मामले के अनुसार देहरादून निवासी डॉक्टर बैजनाथ ने जनहित याचिका दायर कर कहा है कि अभी राज्य में पंचायत चुनाव का प्रोग्राम चल रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कावण मेलाए चार धाम यात्रा और वर्षात का सीजन चल रहा। जहां प्रदेश में बाढ़ राहत के बचाव में प्रसाशनए पुलिस व एसडीआरफ की टीम लगी हुई है। ऐसी स्थिति में पंचायत के चुनाव कराना खतरे से खाली नही है। उनके द्वारा कोर्ट से प्रार्थना की है कि पंचायत चुनाव की तिथि अगस्त माह में घोषित की जाय। जिसपर कोर्ट ने वास्तविक्ता जानने के लिए दोनों अधिकारियों से कोर्ट का मार्गदर्शन करने हेतु मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस ले माध्यम से पेश होने को कहा है। वर्तमान में प्रसाशन का पूरा महकमा कावण व चारधाम यात्रा को निपटारा करने में जुटा हुआ है। अगर संभव है तो न्यायालय पंचायत चुनाव अगस्त माह के बाद कराए।

नामांकन, मतदाता सूची पर याचिकाएं निरस्त

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट की एकलपीठ ने नामांकन प्रक्रिया, मतदाता सूची आदि की शिकायत को लेकर दायर सभी याचिकाओं को निरस्त कर दिया है, किंतु सितारगंज ब्लॉक के हरेंद्र सिंह सहित 100 से अधिक लोगों के मतदाता सूची से नाम हटाये जाने के मामले में हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। इस मामले की अगली सुनवाई 22 जुलाई को होगी। न्यायमूर्ति रविन्द्र मैठाणी की एकलपीठ में शुक्रवार की सुबह कई प्रत्याशियों ने मेंशन कर उनकी याचिकाओं की तत्काल सुनवाई की मांग की। जिनमें कुछ के नामांकन रद्द होनेए किसी प्रत्याशी के शहरी व ग्रामीण मतदाता सूची में नाम दर्ज होने की शिकायत तथा कई याचिकाओं में बड़ी संख्या में ग्रामीण मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज न होने से सम्बंधित थी। एकलपीठ ने इन सभी याचिकाओं की सुनवाई दोपहर बाद की। लेकिन कोर्ट से याचिकाकर्ताओं को कोई राहत नहीं मिली। इन याचिकाकर्ताओं में रामनगर पुछेड़ी गांव की शांति शर्मा पत्नी जलील अहमद, डीडीहाट के नरेंद्र सिंह देऊपा तथा ओखलकांडा ब्लॉक की बचुली देवी, पनियाली हल्द्वानी की छवि कांडपाल सहित कई अन्य याचिकाएं शामिल थी।

अधिवक्ताओं के परिप्रेक्ष्य में गुरू का महत्व

गुरु पर्व पर अधिवक्ता परिषद की गोष्ठी

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। अधिवक्ता परिषद उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय इकाई के तत्वावधान में शुक्रवार को गुरु पर्व के अवसर पर अधिवक्ताओं के परिप्रेक्ष्य में गुरू का महत्व विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड के महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर उपस्थित रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में अधिवक्ता परिषद उत्तराखण्ड की प्रदेश अध्यक्ष जानकी सूर्या ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। मुख्य वक्ता के रूप में उत्तराखण्ड के अपर महाधिवक्ता जीएस संधू ने गुरु-शिष्य परम्परा और विधिक क्षेत्र में गुरुओं की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। विचार गोष्ठी में अन्य वक्ताओं के रूप में वरिष्ठ अधिवक्तागण पूरन रावत एवं कौशल साह जगाती ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन अधिवक्ता परिषद उच्च न्यायालय इकाई के महामंत्री अनिल कुमार जोशी द्वारा किया गया, जबकि अध्यक्षता इकाई अध्यक्ष लाकेन्द्र डोभाल ने की। कार्यक्रम के समापन पर कार्यकारी अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उत्तराखण्ड अधिवक्ता परिषद के पदाधिकारीगण, वरिष्ठ अधिवक्तागण, शासकीय अधिवक्ता अमित भट्ट सहित उच्च न्यायालय इकाई के अनेक सदस्यगण एवं अधिवक्ताओं ने सक्रिय सहभागिता की।

भूमियाधार में अवैध दुकानों पर गरजा बुलडोज़र

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल-भवाली मोटर मार्ग में भूमियाधार क्षेत्र में अवैध रूप से बनी दुकानों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है।

शुक्रवार को प्रशासनिक टीम ने पुलिस बल के साथ मिलकर अभियान चलाया और क्षेत्र में बनी 10 अवैध दुकानों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। विरोध के दौरान भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात रही। एसडीएम नावाजिस खलिक ने बताया कि भूमियाधार व्यू पॉइंट है जहाँ पर करीब 25 दुकानें बिना किसी वैध अनुमति के सरकारी भूमि पर बनाई गई थीं और कई बार यहाँ से हटाने को लेकर इनको अवगत भी कराया गया है, बीते दिनों इन लोगों हटाया भी गया था जिसके बावजूद फिर से यहां पर दुकाने लगाई गई। कहा की ना ही यहां पर किसी को कोई जगह आवंटित की गई है और ना ही यहाँ पर दुकाने लगा सकते हैं। कार्यवाही के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल की तैनाती भी की गई थी। अगर यहां पर दुकाने लगानी है तो उसे लीगल तरह से कार्य करे। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य जयश्री ने बताया की जिन दुकानों को अवैध निर्माण का नाम दिया जा रहा है उन्हें ये दुकाने ब्लॉक द्वारा आवंटित की गई थी लिखित रूप से दुकान लगाने की परमिशन नहीं दी गई थी बल्कि मौखिक रूप से दुकाने आवंटित की गई है। कई बार दुकानों को हटाने के लिए बोला जाता है।कहा की प्रशासन द्वारा शुक्रवार को सुबह बंद दुकानों को बिना सूचित किए हटाया गया। जिस दौरान काफी सामान क्षतिग्रस्त हुआ। जहां भी ग्रामीण इस मामले को लेकर अधिकारियों के पास जाते है उन्हें घुमा दिया जाता है। प्रशासन से मांग की है कि या तो उन्हें यहां पर दुकाने लगानी दी जाएं या फिर स्वरोजगार दिया जाएं। पूर्व प्रधान मीनाक्षी टम्टा ने कहा कि ब्लॉक प्रमुख द्वारा व्यू पॉइंट्स का निर्माण किया। स्वरोजगार के तहत महिलाओं यहां पर अपनी दुकाने लगाई लेकिन आज प्रशासन द्वारा सभी दुकानों को ध्वस्त किया गया। किसी ने महिलाओं को अवगत नहीं कराया कि वो लीगल कागज बना ले। सुभम कुमार ने कहा कि वर्ष 2020 में ब्लॉक प्रमुख द्वारा व्यू पॉइंट का उद्घाटन किया था जिसमें सभी विभागीय अधिकारी यहाँ पर मौजूद थे लेकिन उस समय प्रशासन ने आपत्ति नहीं की जिसके बाद लगातार यहाँ पर दुकानदारो को हटाया जाता है।कहा कि एसडीएम से वार्ता करने बात उन्होंने जिलाधिकारी से इस मामले को लेकर जाने की बात कही। जिलाधिकारी ने 10 महिलाओं को यहां पर सुचारु रूप से लगाने की बात कही।

यूजेवीएन लिमिटेड

मुख्यालय : 'उज्जवल' महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006, दूरभाष: 0135-2763808, फैक्स नं0: 0135-2763508, सी.आई.एन. सं0 - U40101UR2001SGC025866, वैबसाईट : www.ujvnl.com

प.सं. 501 | **निविदा सूचना** | दि0: 11.07.2025

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (अनु0 एवं उत्पा0), पथरी विद्युत गृह, बहादराबाद, हरिद्वार इच्छुक निविदादाताओं से मुहरबंद निविदायें आमंत्रित करता हैं। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है।

1. **निविदा सं0: 07/अधि.अभि.(पथरी)/2025-26** - पथरी विद्युत गृह के कूलिंग वॉटर सिस्टम के End Suction Type Horizontal Centrifugal Pumps के अनुरक्षण एवं मरम्मत का कार्य एवं उनसे सम्बद्ध स्पेयर्स की आपूर्ति।

अनुमानित लागत : रू. 5,94,318.00 मात्र जीएसटी अतिरिक्त

वैबसाईट पर निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथि : 11.07.2025

निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि : 31.07.2025, 16:00 बजे तक।

अन्य जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाईट देखें। निविदा प्रपत्र निगम की वेबसाईट **"www.ujvnl.com"** से डाउनलोड किये जा सकते है।

"बिजली के दुरूपयोग से बचें" | **अधिशासी अभियन्ता (अनु0एवंउत्पा0)**

टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

TATA पंजीकृत कार्यालय: 11वीं मंजिल, टावर ए, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, गणपतराव कदम मार्ग, लोवर पैरल, मुंबई-400013. CIN No. U67190MH2008PLC187552

कब्ज़ा नोटिस (अचल संपत्तियों के लिए)

(सिक्योरिटी इंटरेस्ट इंफोर्समेंट नियम, 2002 के नियम 8(1) के साथ पठित परिशिष्ट IV के अनुसार

जबकि, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा के प्रवर्तन के तहत, टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड का अधिकृत अधिकारी अधोहस्ताक्षरी है। ब्याज अधिनियम, 2002 और सुरक्षा ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उधारकर्ताओं को नोटिस में उल्लिखित राशि को चुकाने के लिए नीचे उल्लिखित एक मांग नोटिस उक्त नोटिस की तारीख से 60 दिनों के भीतर जारी किया।

उधारकर्ता, राशि चुकाने में विफल रहने पर, एतद्द्वारा उधारकर्ता को, विशेष रूप से और आम जनता को, नोटिस दिया जाता है **कि अधोहस्ताक्षरी ने धारा 13 (4) उक्त अधिनियम के उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित।** उधारकर्ता, विशेष रूप से, और आम जनता को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि वे लेन-देन न करें, संपत्ति के साथ और संपत्ति के साथ कोई भी लेन-देन **टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड** के प्रभार के अधीन होगा, नीचे उल्लिखित राशि के साथ उस पर ब्याज और दंडात्मक ब्याज, शुल्क, लागत आदि नीचे उल्लिखित तारीख से। **सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के लिए उधारकर्ता का ध्यान आकर्षित किया जाता है।**

ऋण खाता संख्या	दायित्व (ओं)/कानूनी उत्तराधिकारी/ कानूनी प्रतिनिधि(ओं) का नाम	डिमांड नोटिस की राशि और तारीख	कब्जे की तारीख
TCHHL 03740 0010007 1197 & TCHHL 03740 01 00071 288	श्री धरम वीर तनेजा (उधारकर्ता) और श्रीमती बीना तनेजा (सह-उधारकर्ता) और श्री योगश तनेजा (सह-उधारकर्ता)	धनराशि रु. 26,06,605/- ऋण खाता संख्या TCHHL0374000100071197 और राशि रु. 5,65,925/- ऋण खाता संख्या TCHHL03740001 00071288 के तहत आपके द्वारा देय है यानी कुल रु. 31,72,530/- (रुपये इकतीस लाख बहत्तर हजार पांच सौ तीस मात्र) 14 अप्रैल 2025 तक बकाया	08-07-2025

सुरक्षित आस्तियों/अचल संपत्तियों का विवरण गिरवी रखी गई संपत्ति: आवासीय संपत्ति के सह समस्त टुकड़ा और पार्सल, क्षेत्रफल 90 वर्ग गज यानी 75.29 वर्ग मीटर, निर्मित क्षेत्रफल 131.80 वर्ग मीटर, खाता नंबर 260 (फसल वर्ष 1399-1404) में शामिल, खसरा नंबर 507, मौजा अकोडिया ग्रांट, परगना पछवादून, जिला देहरादून (उत्तराखंड), जिसमें बिक्री विलेख में उल्लिखित सभी सामान्य सुविधाएं हैं। सीमाएं: पूर्व-सड़क 18' चौड़ी (साइड 21'), पश्चिम-श्री देवेंद्र सिंह एवं अन्य की भूमि (साइड 21'), उत्तर-श्री देवेंद्र सिंह एवं अन्य की संपत्ति (साइड 38'-7''), दक्षिण-श्री अमित शर्मा की भूमि (साइड 38'-7'')।

दिनांकः 12.07.2025 स्थानः- देहरादून (उत्तराखंड) | एसडी/- अधिकृत अधिकारी टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (सी०डि०) नई टिहरी, टिहरी गढवाल

प्र०वा०सं०- सन-2025

प्रार्थी- अतुल सेमवाल पुत्र मदनमोहन सेमवाल निवासी ग्राम द्वारी, पोस्ट पिलखी, पट्टी कोटी फैगुल, तहसील घनसाली, जिला टिहरी गढ़वाल।

बनाम

विपक्षीगण- 1. हिमानी पत्नी श्री सुमित उनियाल निवासी ग्राम कण्डियाल गांव, पोस्ट मगरौ, तहसील जाखणीधार, जिला टिहरी गढवाल।

2. सभी आम व खास जो मृतक श्रीमती यशोदा देवी पत्नी मदनमोहन सेमवाल निवासी ग्राम द्वारी, पोस्ट पिलखी, पट्टी कोटी फैगुल, तहसील घनसाली, जिला टिहरी गढवाल के रिलायन्स इंश्योरेन्स कम्पनी में बीमा सं०-50412691 में जमा मु०-98,500/-रू० से सम्बन्धित हो।

नोटिस बनाम- सभी आम व खास जो मृतक श्रीमती यशोदा देवी पत्नी मदनमोहन सेमवाल निवासी ग्राम द्वारी, पोस्ट पिलखी, पट्टी कोटी फैगुल, तहसील घनसाली, जिला टिहरी गढवाल के रिलायन्स इंश्योरेन्स कम्पनी में बीमा सं०-50412691 में जमा मु०-98,500/-रू० से सम्बन्धित हो।

चूंकि प्रार्थी ने एक वाद विपक्षीगण के विरुद्ध इस न्यायालय में वादपत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम में संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु **दिनांक 31 माह 07 सन-2025** को दिन में नियत किया गया है।

अतः आपको सूचित किया जाता है कि आप तिथि **दिनांक 31 माह 07 सन-2025** को असालतन या वकालतन **प्रात 10:30 बजे** न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज दिनांक 04 माह 07 सन-2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया है।

आदेशानुसार
प्रबंधक
सिविल जज
नई टिहरी, टिहरी गढ़वाल

व्यापारियों की महापंचायत

जब नए वार्डों में सुविधाएं ही नहीं तो वह टैक्स क्यों भरें

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की ग्रामीण इकाई द्वारा शुक्रवार को महापंचायत का आयोजन किया गया। इस सभा में व्यापारियों ने 2018 में सरकार द्वारा किए गए वादे को फिर से याद दिलाया और कहा कि नगर निगम के नए जुड़े वार्डों से 10 वर्ष तक कोई कर नहीं लिया जाएगा, जैसा कि सरकार ने नोटिफिकेशन जारी किया था। व्यापारियों का कहना है कि सरकार को अपने इस वादे को लागू करना चाहिए। व्यापारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि 2028 तक वे स्वयं टैक्स जमा करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उससे पहले उन्हें टैक्स देने के लिए विवश नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने अपना वादा नहीं निभाया तो वे सख्त कदम उठाने के लिए मजबूर होंगे। महापंचायत में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि अब तक नगर निगम के नए जुड़े वार्डों में कोई भी बुनियादी सुविधाएं प्रदान नहीं की गई हैं, जैसे पार्किंग, सीसीटीवी कैमरे, सार्वजनिक शौचालय, पेयजल और ड्रेनेज सिस्टम। व्यापारी सवाल उठा रहे हैं कि जब तक इन सुविधाओं का विकास नहीं किया जाएगा, वे क्यों टैक्स भरें। इस मुद्दे को लेकर नगर निगम के पार्षद नीमा भट्ट और दिनेश बिष्ट ने आश्वासन दिया कि वें अन्य पार्षदों से मिलकर इस विषय को बोर्ड बैठक में उठाएंगे। व्यापारी संघ के जिलाध्यक्ष विपिन गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित महापंचायत में यह निर्णय लिया गया कि अब इस आंदोलन को और तेज किया जाएगा। व्यापारी सदस्यता अभियान चलाकर और जनसंपर्क बढ़ाकर नगर निगम का घेराव करेंगे। अगर सरकार ने इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की, तो व्यापारी अनिश्चितकालीन धरने प्रदर्शन और बाजार बंदी जैसे कठोर कदम उठाने पर विचार करेंगे। महापंचायत में नगर निगम मेयर पद के प्रत्याशी ललित जोशी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख भोलादत्त भट्ट, स्थानीय व्यापारी प्रदीप कोली, राजीव साह, विनय भट्ट, संदीप जोशी, शांति जीना, पवन जोशी, पवन वर्मा, प्रदीप सब्बरवाल, योगेश शर्मा, मनोज जायसवाल, संदीप सक्सेना, अतुल प्रताप सिंह, कौशलेंद्र भट्ट, खीमानंद शर्मा, हरीश कपिल, भास्कर उप्रेती, राजेंद्र साह, दीपक गुर्रानी, हरीश मठपाल, समय शर्मा, नंदन कांडपाल, नंदाबल्लभ शर्मा समेत जनप्रतिनिधि, व्यापारी व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

दो कारों में टक्कर के बाद दे-दनादन

हल्द्वानी। काठगोदाम स्थित नैनीताल रोड पर बीते गुरुवार रात दो कारों के बीच हुई टक्कर के बाद कार सवारों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस घटना से जुड़ा एक सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। बताया जा रहा है कि मारपीट करने वाले एक व्यक्ति एसटीएच का जूनियर डॉक्टर (ट्रेनी) और दूसरा व्यक्ति एक व्यापारी था। जानकारी के अनुसार, कॉलटैक्स के पास दोनों कारों की टक्कर हुई, जिसके बाद दोनों कार सवारों के बीच गाली-गलौज हुई और फिर मामला मारपीट तक पहुंच गया। सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि एक कार में सवार युवक एसटीएच के ट्रेनी डॉक्टर के रूप में पहचाना गया, जबकि दूसरी कार में सवार युवक एक व्यापारी था। दोनों व्यक्ति कहीं से घूमकर वापस लौट रहे थे, और सड़क पर उनका विवाद तेजी से मारपीट में बदल गया। मारपीट के दौरान दोनों युवकों ने एक-दूसरे को थप्पड़ मारे और हाथ-पैर चलाए। काठगोदाम थानाध्यक्ष पंकज जोशी ने कहा कि जांच की जा रही है।

नैनीताल का दीमक लगा नक्शा दीपक ने सही करा दिया

ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में मंडल आयुक्त की पहल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। आयुक्त दीपक रावत ने ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इस क्रम में नैनीताल में एक विशेष कार्य किया गया, जहां 1895 का ब्रिटिश कालीन नैनीताल नगर का मूल नक्शा जो दीमक के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था, उसे पुन: तैयार कराया गया है।

यह कार्य भोपाल स्थित कंपनी डिजिराम ने किया, जिसने इस ऐतिहासिक नक्शे की उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल प्रतिकृति तैयार कर उसे कैनवास पर मुद्रित किया। उसकी एक प्रति आयुक्त कार्यालय नैनीताल में भी संरक्षित की गई है। इस पहल के माध्यम से कुमाऊं मंडल के विभिन्न जिलों में मौजूद ऐतिहासिक अभिलेखों और दस्तावेजों का डिजिटलीकरण किया जाएगा जिससे ये धरोहरें आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित रह सकें।

आयुक्त श्री रावत ने मंडल के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे अपने-अपने जिलों में ऐतिहासिक महत्व वाले ऐसे नक्शों, अभिलेखों और दस्तावेजों की पहचान करें, जिन्हें डिजिटलीकृत या भौतिक रूप से संरक्षित किया जा सकता है। इस संबंध में उन्होंने संस्कति सचिव से भी वार्ता की है ताकि राज्य स्तर पर भी इस कार्य को गति मिल सके। उन्होंने कहा कि यह प्रयास न केवल सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि इससे शोध, शिक्षा और स्थानीय इतिहास की समझ को भी बढ़ावा मिलेगा। ऐसे दस्तावेज भविष्य में शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों में भी उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं।

पति ने छत से फेंका, पैर टूटा

दहेज के लिए इंजीनियर पत्नी पर अत्याचार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। टीपीनगर चौकी क्षेत्र में एक महिला ने अपने ससुरालियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उसके पति और सास ने दहेज की मांग को लेकर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया। महिला का आरोप है कि बीते 17 मार्च को उसके पति ने उसे छत से नीचे फेंक दिया, जिससे उसका पैर टूट गया। पीड़िता ने कोर्ट में अपनी शिकायत दी, जिसके बाद न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता का कहना है कि उसकी शादी लगभग चार साल पहले हुई थी और वह सिडकुल स्थित एक कंपनी में इंजीनियर है। शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज की मांग करने लगे थे। पीड़िता ने बताया कि उसके पति और सास को शादी में दिए गए सामान से संतुष्टि नहीं थी, जिसके चलते उन्हें दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। आरोप है कि पति ने उसकी अनुमति के बिना उसके नाम पर लाखों रुपए का लोन ले लिया, और उसकी किश्तें भी उसके खाते से कट रही थीं। इसी वर्ष 17 मार्च को एक गंभीर घटना घटी, जब उसके पति ने उसे घर की छत से नीचे फेंक दिया, जिससे उसका पैर टूट गया। इस घटना के बाद वह अपने माता-पिता के घर रहने को मजबूर हो गई। पीड़िता का कहना है कि उसके पति और सास ने 5 लाख रुपए और एक कार की मांग की थी। हालांकि, पीड़िता ने इस मामले में हल्द्वानी कोतवाली पुलिस और एसएसपी को भी तहरीर दी, लेकिन किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद पीड़िता ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट से न्याय की गुहार लगाई। कोतवाली प्रभारी राजेश कुमार यादव ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

टैक्सी बाइकों पर कसा शिकंजा

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल में एक बार फिर प्रशासन की ओर से टैक्सी बाइकों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। अभियान के दौरान नियमो का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। शुक्रवार को भी पुलिस की ओर से टैक्सी बाइकों के खिलाफ अभियान चलाया गया। मल्लीताल में रेगुलर व यातायात पुलिस की ओर से सड़क किनारे पार्क वाहनों तथा प्रतिबंधित वाहनों के शहर में प्रवेश करने पर चालानी कार्रवाई की है। मामले में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक हेम चन्द्र पंत ने बताया कि अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। सुबह से शाम तक 17 लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है।

स्मार्ट मीटर के बिलों से लोग परेशान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बिजली के बढ़े बिलों की समस्याओं को लेकर शुक्रवार को तल्ली हल्द्वानी स्थानीय पार्षद मनोज जोशी के नेतृत्व में दर्जन लोग विद्युत विभाग कार्यालय जा धमके और अधिकारियों का घेराव कर शीघ्र ही समस्या का निस्तारण करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पार्षद मनोज जोशी ने बताया कि पहले जिन उपभोक्ताओं का बिल 140 रुपये प्रति माह आता था, अब वहीं बिल 1600 रुपये तक पहुंच गया है। वहीं जिनका बिल 500 रुपये आता था, अब वह 2500 रुपये तक हो गया है। पार्षद ने कहा कि जब से स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं, तब से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान शीघ्र नहीं किया गया, तो स्मार्ट मीटर लगाए जाने का विरोध किया जाएगा। इसका पूरा जिम्मा शासन और प्रशासन पर होगा। इस पर विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता बेगराज सिंह और एसडीओ सुधा जोशी ने स्थानीय निवासियों को आश्वासन दिया और उनके बिलों की जांच शुरू की। अधिकारियों ने मीटर चेक करवाने का आश्वासन दिया और बताया कि ऑनलाइन टेक्स मैसेज में आए बिलों में गड़बड़ी हो सकती है। पार्षद मनोज जोशी ने यह भी मुद्दा उठाया कि ऑनलाइन टेक्स मैसेज में 400 रुपये का बिल आता है, जबकि यूपीसीएल द्वारा भेजे गए बिल में 600 रुपये दिखते हैं। इस पर अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अतिरिक्त बिल का मैसेज नहीं आना चाहिए और इसे जल्द ठीक कर लिया जाएगा। इसके अलावा पार्षद ने यह भी कहा कि जिन लोगों को मोबाइल चलाना नहीं आता, उनके लिए समाधान निकाला जाए और हर घर में समय पर बिल पहुंचाया जाए, ताकि लोग समय पर बिल जमा कर सकें। घेराव करने वालों में प्रेम सिंह, दीपक जोशी, हीरा देवी, निर्मला पंत, पूजा, राजेश, लक्ष्मण मौर्य, पप्पू, कांति देवी, हरिप्रसाद, मनोज कुमार, निर्मल मौर्य, हेम चंद्र, भूपाल भाकुनी, सागर बचकेती, बिजरानी देवी, सौरभ गुप्ता, हरीश चंद्र, कैलाश मौजूद रहे।

अवैध शराब के साथ 2 महिलाएं गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव-2025 के दौरान आदर्श आचार संहिता के पालन के लिए अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए पुलिस द्वारा लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान मुखानी पुलिस ने दो महिला शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनो तस्करों के पास से पुलिस ने 81 पाउच शराब बरामद की है। जानकारी के अनुसार बीती गुरूवार की रात्रि मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश चन्द्र जोशी के नेतृत्व में अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए चैकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने सैफी फॉर्म जाने वाले रास्ते पर चेकिंग के दौरान अलग-अलग जगहों पर दो महिलाओं को गिरफ्तार किया, जिनके पास 81 पाउच अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। पुलिस टीम ने फतेहपुर क्षेत्र में चेकिंग के दौरान गुड्डी पत्नी फिरोजी निवासी गुजरोड़ा, फतेहपुर को गिरफ्तार किया। जिसके पास से 40 पाउच अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। इसके बाद, पुलिस टीम ने उसी रास्ते से मनीषा पत्नी नीरज निवासी गुजरोड़ा, फतेहपुर को 41 पाउच अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों महिला शराब तस्कर के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया जहां से दोनों को जेल भेज दिया।

पार्षद ने किया शराब तस्करी का भंडाफोड़

हल्द्वानी। दमुवाढूंगा क्षेत्र में शराब तस्करी का एक और मामला सामने आया है, जिसमें स्थानीय महिलाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वार्ड-36 की महिला पार्षद तनुजा जोशी की सूझबूझ से शराब तस्करी का भंडाफोड़ हुआ, हालांकि तस्कर स्कूटी छोड़कर फरार हो गया। बीते गुरुवार रात महिला पार्षद तनुजा जोशी ने अपने क्षेत्र में एक युवक को स्कूटी से देसी और अंग्रेजी शराब की होम डिलीवरी करते हुए देखा। उन्होंने तुरंत युवक का पीछा किया और कुछ दूरी पर उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह भागने में सफल हो गया। हालांकि, युवक अपनी स्कूटी छोड़ मौके से फरार हो गया। जिसे महिला पार्षद ने अपनी सूझबूझ से जब्त कर लिया। स्कूटी की डिग्गी खोलने पर 50 से अधिक टेट्रा पैक देसी शराब और इतनी ही मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद हुई। इसके बाद, महिला पार्षद ने तुरंत आबकारी विभाग और पुलिस को सूचना दी। आबकारी विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर शराब को कब्जे में लिया और अज्ञात तस्कर के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

रकसिया नाला में ऑउटफॉल निर्माण

जलभराव की समस्या का सांसद अजय भट्ट ने किया निरीक्षण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्रधानमंत्री द्वारा हल्द्वानी शहर के विकास के लिए की गई घोषणा के तहत एडीबी वित्तपोषित हल्द्वानी परियोजना में यूयूएसडीए द्वारा रकसिया नाले के जलभराव की समस्या के समाधान के लिए किए गए कार्यों का निरीक्षण शुक्रवार को सांसद अजय भट्ट ने किया। इस कार्य के तहत रकसिया नाले का आउटफॉल निर्माण किया गया है, जिससे हल्द्वानी के कई गांवों में जलभराव की समस्या का समाधान हुआ है।

रकसिया नाले के आउटफॉल के लिए 4 गुणा 3 मीटर आकार का 1.5 किलोमीटर लंबा भूमिगत नाला तैयार किया गया है। इसके ऊपर सड़क निर्माण का कार्य भी किया जाएगा, जो हल्द्वानी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस निर्माण कार्य से हल्द्वानी शहर और आसपास के क्षेत्रों में सड़क सुविधा में भी सुधार होगा। विगत कुछ दिनों से हल्द्वानी में हो रही भारी बारिश के कारण रकसिया नाले का पानी कई गांवों में जलभराव का कारण बन रहा था। विशेष रूप से प्रेमपुर लोशज्ञानी और उसके आसपास के 10 से अधिक गांवों में जलभराव की समस्या विकराल रूप ले चुकी थी। इस नाले के आउटफॉल के निर्माण के बाद इन गांवों को अब जलभराव की समस्या से राहत मिल गई है। रकसिया नाले के आउटफॉल के भूमिगत नाले का निर्माण कार्य यूयूएसडीए द्वारा एक साल के भीतर पूरा किया गया है। इस कार्य के दौरान कई तकनीकी बाधाओं का सामना करना पड़ा, लेकिन विभागीय अधिकारियों और निर्माण कंपनियों की टीम ने निरंतर प्रयासों से इस कार्य को समय पर पूरा किया। इस परियोजना में यूयूएसडीए, बीआईपीएल और टाटा कंपनियों के अधिकारियों और टीमों ने मिलकर निरंतर काम किया, जिससे यह कार्य सफलतापूर्वक पूरा हुआ। अब इस नाले के ऊपर सड़क का निर्माण भी शीघ्र किया जाएगा, जो हल्द्वानी के मुख्य लिंक मार्ग के रूप में कार्य करेगा।

उत्तराखंड शासनादेश के उल्लंघन पर उठे सवाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड शासन द्वारा अप्रैल-2025 में जारी एक शासनादेश ने राज्य सरकार की नियुक्ति नीति को लेकर नया विवाद खड़ा कर दिया है। इस आदेश में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 309 का हवाला देते हुए स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि राज्य के सभी विभागीय स्वीकृत पदों पर केवल स्थाई नियुक्तियाँ की जाएं और किसी भी प्रकार की आउटसोर्सिंग एजेंसी, संविदा या अस्थाई नियुक्ति की व्यवस्था लागू नहीं की जाएगी। हालांकि, इसके बावजूद शिक्षा विभाग में पिछले 7 वर्षों से रिक्त चल रहे पदों पर अब आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से नियुक्ति की तैयारी की जा चुकी है। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय तदर्थ समिति के पदाधिकारी मनोज तिवारी ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले 7 वर्षों से इन पदों पर अस्थाई व्यवस्था के कारण शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ा है। यदि अब इन पदों पर आउटसोर्सिंग एजेंसी से नियुक्तियां की जाती हैं, तो भविष्य में यह कर्मचारी स्थायीत्व की मांग करेंगे, क्योंकि नियुक्तियों के लिए विभागीय मेरिट लिस्ट जारी की गई है, जो कि आउटसोर्सिंग एजेंसी के कार्यक्षेत्र में नहीं आता है। मनोज तिवारी ने तत्काल राज्यहित में इस व्यवस्था को सुधारने की आवश्यकता जताई और कहा कि यह प्रक्रिया विभागीय नियमों और शासनादेश के अनुरूप होनी चाहिए।

नाबालिग चालक पकड़ा, स्कूटी मालिक पर मुकदमा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। काठगोदाम में पुलिस ने एक बार फिर नाबालिग द्वारा टैक्सी स्कूटी चलाने की घटना का खुलासा किया है। पुलिस ने 14 साल के नाबालिग को स्कूटी चलाते हुए पकड़ा, और महिला मालिक के खिलाफ कार्रवाई की। 10 जुलाई को, काठगोदाम पुलिस के एसआई रविन्द्र ने हैड़ाखान मार्ग पर वाहन चेकिंग के दौरान टैक्सी स्कूटी को रोका। जांच के दौरान यह सामने आया कि स्कूटी चला रहा युवक, आदि खान पुत्र अली अकबर खान, नरीमन चौराहे का निवासी था। युवक के पास न तो गाड़ी के कागज थे और न ही ड्राइविंग लाइसेंस। जब पुलिस ने उसकी उम्र जांची, तो पता चला कि वह सिर्फ 14 साल का था। आगे की जांच में यह भी खुलासा हुआ कि स्कूटी वार्ड 14, इंद्रानगर निवासी नुजहत परवीन पत्नी फईम अहमद के नाम पर रजिस्टर्ड है। इसके बाद पुलिस ने नाबालिग चालक की काउंसलिंग की और उसे उसके चाचा सलमान खान के सुपुर्द कर दिया। वहीं, स्कूटी की महिला मालिक नुजहत परवीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। नुजहत ने पुलिस को बताया कि उसे चालक के नाबालिग होने की जानकारी नहीं थी। काठगोदाम थानाध्यक्ष पंकज जोशी ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

वॉल्वो ऑनलाइन सेवा से हटीं

उत्तराखंड परिवहन निगम के लिए घाटे का सौदा साबित हो रही थीं बसें

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड परिवहन निगम के काठगोदाम और हल्द्वानी डिपो से चलने वाली वॉल्वो बसों को लगातार घाटे का सामना करना पड़ा है, जिसके बाद काठगोदाम डिपो ने अपनी 6 वॉल्वो बसों को ऑनलाइन सेवा से हटा दिया है। हल्द्वानी डिपो ने भी अपनी दो बसों को ऑनलाइन सेवा से हटा दिया है। यह कदम कम यात्री संख्या और घाटे को देखते हुए उठाया गया है। काठगोदाम डिपो ने 5 बजे, 9:30 बजे, 10:30 बजे, 11:30 बजे, 1:30 बजे दिन में और रात्रि 11 बजे की ऑनलाइन सेवाओं को बंद कर दिया है। वहीं हल्द्वानी डिपो ने सुबह 6 बजे और रात्रि 9 बजे की बस सेवाओं को हटा दिया है। इन बसों में काठगोदाम डिपो की बस संख्या यूके07पीए 3964 और यूके07 पीए 3965 का अनुबंध 21 जुलाई को खत्म हो रहा है, जबकि 3 अन्य वॉल्वो बसों यूके04 पीए1519, 1520, 1522 का अनुबंध 20 अगस्त को समाप्त हो रहा है। वर्तमान में ये बसें अब यात्रियों के अभाव में ऑफलाइन भी नहीं चल सकेंगी। विभागीय सूत्रों का कहना है कि वॉल्वो बसों का प्रति चक्कर भाड़ा भी बस मालिकों के लिए अधिक है, और इस स्थिति में इन बसों का संचालन निगम के लिए एक कठिन कार्य बन गया है। एमडी ने आज एक वर्चुअल बैठक के दौरान सभी डिपो की स्थिति का जायजा लिया और घाटे को कम करने के उपायों पर विचार किया। एमडी ने सभी डिपो को निर्देश दिए हैं कि यदि यात्री संख्या कम रहती है, तो ऑनलाइन सेवाओं की संख्या को और घटाया जाए।

117 वाहनों का चालान

हल्द्वानी। सड़क दुर्घटना और अनाधिकृत वाहन संचालन को देखते हुए परिवहन विभाग की टीम ने जिले के विभिन्न मार्गों पर चेकिंग अभियान चलाया, जिसमें 117 वाहनों के चालान और छह वाहन सीज किए। शुक्रवार को सहायक परिवहन अधिकारी जितेंद्र सांगवान, परिवहन अधिकारी गोविंद सिंह, अनुभा आर्य, परिवहन निरीक्षक गिरीश कांडपाल, आरसी पवार, नंदन रावत की अगुवाई में टीम ने हल्द्वानी-कालाढूंगी, हल्द्वानी- नैनीताल, हल्द्वानी- भीमताल एवं नैनीताल मार्गों पर चेकिंग अभियान संचालित किया जिसमें टैक्सी, मैक्सी, बस, मोटरसाइकिल, टैक्सी बाइक, कार, ई रिक्शा, ऑटो, ट्रक आदि वाहनों की चेकिंग करते हुए ओवरलोडिंग, ओवरस्पीड, हेलमेट, सीट बेल्ट, नंबर प्लेट, नो पार्किंग, लगेज ओवरसाइज, चालक द्वारा निर्धारित परमिट शर्तों का उल्लंघन आदि अभियोग में प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए 117 वाहनों के चालान किया।

नाले का डायवर्जन होने से लोगों को राहत

गैरवैशाली क्षेत्रवासियों ने विधायक बंशीधर भगत का आभार जताया

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। गैरवैशाली क्षेत्र के लोगों ने शुक्रवार को विधायक बंशीधर भगत से मुलाकात कर वन चौकी बरसाती नाले का डायवर्जन कराने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। साथ ही देवकी विहार विकास समिति ने ज्ञापन सौंपकर शेष कार्य को शीघ कराने के साथ ही कार्यस्थल पर जनसुरक्षा के उपाय कराने की भी मांग की। विधायक भगत ने मांग पर प्रभावी कार्यवाही का आश्वासन दिय और एसडीएम को गोन कर निर्देश दिये कि कार्यस्थल पर जनसुरक्षा की दृष्टि से खतरनाक यूकेलिप्टस के चार पेडों का तत्काल कटान किया जाये और सड़क पर पड़ी मिटी को हटाया जाए। समिति के अध्यक्ष रिटायर्ड असिस्टेंट आडिट आफिसर रमेश चंद्र पाण्डे के नेतृत्व में विभिन्न कालौनियों के एक दर्जन लोगों ने विधायक बंशीधर भगत के आवास में नाले के डायवर्जन के कार्यों के स बंध में उन्हें ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि विगत कई वर्षों से बरसाती नाले के पानी से उत्पन्न जलभराव एवं दहशतपूर्ण स्थिति से परेशान गैरवैशाली क्षेत्र के तकरीबन 20 कालौनियों के लोग नाले का डायवर्जन हो जाने से इस बार की बरसात में रात्रि में चैन और सुकून से सो रहे है। उन्होंने नाले का डायवर्जन कराने में विधायक बंशीधर भगत की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए उनका आभार व्यक्त किया गया। इधर विधायक भगत के निर्देश के बाद प्रशासन हरकत में आया और पेडों का कटान शुरु हो गया। नगर आयुक्त ऋचा सिंह और एसडीएम राहुल साह भी कार्यस्थल पर पहुंचे। एसडीएम ने लोगों को आश्वस्त किया कि पेड़ों का कटान हो रहा है और नाले की खुदाई से निकली जो मिटी जो सड़क में पड़ी है, वहां सुरक्षा की दृष्टि से बैरिकेड्स लगाने के निर्देश दिये गए है। इस दौरान समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र पाण्डे, डीएस बिष्ट, बहादुर सिंह हरडिया, केसी त्रिपाठी, चंचल सिंह खाती, अनुज, गीता सिराडी, छाया भंडारी, अंजू रौतेला, सुनीता कार्की, अनीता जीना, रेखा बोरा, गीता साह आदि मौजूद रहे।

जनता मिलन कार्यक्रम में विभिन्न मामले आए

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मुख्यमंत्री दीपक रावत द्वारा हल्द्वानी के कैंप कार्यालय में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में भूमि धोखाधड़ी, परिवहन व्यवस्था, पारिवारिक विवाद और उपभोक्ता हितों से संबंधित कई मुद्दे सामने आए। आयुक्त ने शिकायतों पर गंभीरता से प्रतिक्रिया देते हुए अधिकारियों को त्वरित और पारदर्शी कार्रवाई के निर्देश दिए। रामनगर में भूमि धोखाधड़ी का मामला सामने आया, जहां कृषि भूमि को आवासीय और वाणिज्यिक रूप में उपयोग किया जा रहा था। तहसीलदार को जांच और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बाजपुर में भी भूमि धोखाधड़ी की शिकायत पर एसडीएम को माप और सत्यापन कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया। काठगोदाम में पेट्रोल में पानी मिलाने की शिकायत पर आयुक्त ने जिला पूर्ति अधिकारी को जांच के निर्देश दिए।

पंचायत निर्वाचन कार्मिकों का द्वितीय रेंडमाइजेशन

हल्द्वानी। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन-2025 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शुक्रवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) वंदना की अध्यक्षता में हल्द्वानी कैम्प कार्यालय सभाकक्ष में पंचायत निर्वाचन कार्मिकों का द्वितीय रेंडमाइजेशन संपन्न हुआ। इस रेंडमाइजेशन का कार्य राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया गया। जिलाधिकारी वंदना ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार सॉफ्टवेयर के तहत जिले के कार्मिकों की डाटा फीडिंग की गई थी, जिसके बाद पहले रेंडमाइजेशन के जरिए मतदान के लिए कार्मिकों का चयन किया गया था। अब द्वितीय रेंडमाइजेशन के बाद इन कार्मिकों की टीम का चयन कर उन्हें विकास खंडों में आवंटित किया गया है। द्वितीय रेंडमाइजेशन के तहत कुल 922 मतदान टीमों का गठन किया गया, जिसमें कुल 4610 मतदान कार्मिक शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक मतदान दल में एक पीठासीन अधिकारी, 4 मतदान अधिकारी और एक रिजर्व कार्मिक शामिल होगा। मतदान प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी कार्मिकों को आगामी 18, 19, 21 और 22 जुलाई को मतदान संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके पहले, सभी पीठासीन और मतदान अधिकारियों को निर्वाचन संबंधी प्रथम प्रशिक्षण दिया जा चुका है। मतदान दलों को बूथ आवंटित करने के लिए तृतीय रेंडमाइजेशन भी किया जाएगा, जो मतदान से पहले सुनिश्चित कर दिया जाएगा। इस मौके मुख्य विकास अधिकारी व उप जिला निर्वाचन अधिकारी अनामिका, मुख्य शिक्षा अधिकारी जीपी जायसवाल, और जिला सूचना विज्ञान अधिकारी राजेश तिवारी मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक: एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक आनन्द बत्रा 'सुमन'

स्थानीय सम्पादक चेतन गुरूंग

देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून

☎0135-2743363

R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656

मोबाइल-9720007290

www.shahtimesnews.com

email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

संक्षिप्त खेल समाचार

लगातार तीसरी बार विंबलडन फाइनल में पहुंचे अल्काराज

लंदन, वार्ता। दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने पांचवीं सीड अमेरिका के टेलर फिट्ज को शुक्रवार को चार सेटों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराकर लगातार तीसरी बार विम्बलडन टेनिस प्रतियोगिता के पुरुष एकल फाइनल में प्रवेश कर लिया। दो बार के गत विजेता कार्लोस अल्काराज ने अमेरिकी टेलर फिट्ज को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6(6) से हराकर लगातार तीसरी बार विंबलडन फाइनल में प्रवेश किया। धूप से तपते सेंटर कोर्ट पर खेलते हुए, अल्काराज ने अपने पहले सर्व के 88 प्रतिशत अंक जीते, लेकिन दो घंटे 48 मिनट तक चले मुकाबले के दौरान उन्हें कई बार दबाव में रहना पड़ा। दूसरे सेट के अंतिम चरण में स्पेनिश खिलाड़ी थोड़ी देर के लिए बराबरी पर आ गए, लेकिन तीसरे सेट में उन्होंने प्रभावशाली वापसी की और अपनी बेसलाइन पावर और निरंतरता से पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को पीछे छोड़ दिया।

कार्लसन ने बिना कोई मोहरा गंवाए चैटजीपीटी को हराया

नई दिल्ली, वार्ता। शतरंज के दिग्गज मैग्नस कार्लसन, जो पहले ही पांच क्लासिकल विश्व चैंपियनशिप और रैपिड तथा ब्लिट्ज दोनों प्रारूपों में शीर्ष वैश्विक रैंकिंग के साथ ओवर-द-बोर्ड शतरंज की दुनिया में अपना दबदबा बना चुके हैं, अब अपना ध्यान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की चुनौतियों का सामना करने पर केंद्रित कर रहे हैं। नॉर्वे के इस खिलाड़ी ने हाल ही में ओपनएआई के संवादी एआई, चैटजीपीटी के साथ शतरंज के खेल में मुकाबला किया और बिना एक भी मोहरा गंवाए निर्णायक जीत हासिल की।

राहुल-नायर ने भारतीय पारी संभाली

● **फिफ्टी पार्टनरशिप कर चुके दोनों बल्लेबाज, 13 रन पर जायसवाल का विकेट गिरा था, इंग्लैंड के 387 रनों पर 10 विकेट**

लंदन, वार्ता। भारत ने इंग्लैंड को लार्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 387 रन पर ऑलआउट कर दिया है। जवाबी पारी में भारत ने 13 रन पर यशस्वी जायसवाल (13 रन) का विकेट गंवा दिया है।

4 साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे जोफ्रा आर्चर ने यशस्वी को स्लिप पर हैरी ब्रुक के हाथों कैच कराया। आखिरी सेशन में भारतीय टीम का स्कोर 65/1 है। केएल राहुल और करुण नायर नाबाद हैं। दोनों के बीच फिफ्टी पार्टनरशिप हो चुकी है। शुक्रवार को मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड ने 251/4 के स्कोर से खेलना शुरू किया। टीम ने लंच से पहले 271 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। यहां से जैमी स्मिथ (51 रन) ने ब्रायडन कार्स (56 रन) के साथ 8वें विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी करके स्कोर 350 पार पहुंचाया। लार्ड्स मैदान पर आज 99 रन से पारी को आगे बढ़ाने वाले जो रूट ने 104 रन बनाए। उन्हें जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड कर दिया। बुमराह ने पारी में 5 विकेट झटके। उन्होंने इस सीरीज में दूसरी और करियर में 15वीं बार पारी में 5 विकेट झटके हैं। उन्होंने जोफा आर्चर, क्रिस वोक्स, जो रूट बेन स्टोक्स और हैरी ब्रुक को आउट किया। 18वें ओवर में केएल राहुल और करुण नायर ने फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली है। करुण नायर ने ब्रायडन कार्स के ओवर की दूसरी बाल पर दो रन लेकर साझेदारी को 50 पार पहुंचाया। 16वें ओवर में भारतीय टीम ने पहली पारी में 50 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया है। करुण नायर ने ब्रायडन कार्स की तीसरी बाल पर चौका लगाकर टीम स्कोर 50 पार पहुंचाया। करुण नायर तीसरे सेशन के पहले ओवर में डीआरै लेकर आउट होने से बच गए। कप्तान बेन स्टोक्स ने दूसरी बाल लेग स्टंप पर रखी थी, जो उछाल लेते हुए विकेटकीपर जैमी स्मिथ के पास गई। इंग्लिश प्लेयर्स की अपील पर फील्ड अंपायर ने उंगली भी उठा दी। ऐसे में नायर ने डीआर लिया। रिप्ले से पता चला कि बाल ने बल्ले का किनारा नहीं लिया था। लाड्र्स टेस्ट का दूसरा सेशन भी मिला. जुला रहा है। 21.3 ओवर के इस सेशन में 78 रन बने और 4 विकेट गिरे। इनमें से एक विकेट भारत ने 44 रन बनाने में गंवा दिया। जबकि इंग्लैंड ने आखिरी 3 विकेट गंवाने में 34 रन बना डाले। इंग्लिश टीम पहली पारी में 387 रन पर आलआउट हुई। 8वें ओवर में करुण नायर ने जोफ्रा आर्चर की बाल पर लगातार को चौके लगाए। उन्होंने ओवर की चौथी बाल पर सामने की ओर चौका लगाया। 5वीं बाल पर अनियंत्रि शाट खेलकर शार्ट फाइन लेग पर आउट होने से बचे। यह बाल भी बाउंड्री से बाहर चली गई। आर्चर के इस ओवर से 10 रन आए। भारतीय टीम ने दूसरे ओवर में ही पहला विकेट गंवा दिया है। 4 साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे आर्चर ने यशस्वी जायसवाल को दूसरे स्लिप पर हैरी ब्रुक के हाथों कैच कराया। भारतीय पारी का पहला ओवर डाल रहे क्रिस वोक्स ने 13 रन खर्च कर दिए। उनके ओवर में ओपनर जायसवाल ने 3 चौके लगाए।

कर्टिस ने पांच गेंद में पांच विकेट लेकर रचा इतिहास

● **कर्टिस कैम्फर को अपने दूसरे और तीसरे ओवर के दौरान यह पांचों विकेट हासिल हुए**

डबलिन, वार्ता। आयलैंड के ऑलराउंडर कर्टिस कैम्फर पेशेवर क्रिकेट में पांच गेंदों में पांच विकेट लेकर इतिहास रच दिया है। वह यह कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज हैं। मुनस्टर रेड्स के कप्तान कैम्फर ने इंटर-प्रोविंसियल टी-20 ट्रॉफी में नॉर्थ-वेस्ट वॉरियर्स के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। कैम्फर को अपने दूसरे से तीसरे ओवर के दौरान यह पांचों विकेट हासिल किए। वॉरियर्स 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 87/5 के बाद 88 पर सिमट गई। पाँच विकेटों में से पहले विकेट जेरेड विल्सन 12वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए, जब कैंपर की गेंद लस्वग होकर ऑफ स्टंप से टकरा गई। अगली गेंद पर, ग्राहम ह्यूम बैकफुट पर पगबाधा हो गए यह इनस्विंगर उनके पैड पर लगी। इसके साथ ही कैंपर ने अपने अगले ओवर की शुरुआत में हैट्रिक बना ली और यह हैट्रिक तब आई जब 14वें ओवर की पहली गेंद पर एंडी मैकब्राइन डीप मिडविकेट की ओर स्लॉग शॉट खेलने में चूक गए। कैम्फर ने इस मैच कुल 2-3 ओवर की गेंदबाजी करते हुए 16 रन देकर पांच विकेट झटके। कैम्फर ने अपनी इस उपलब्धि पर कहा कि ओवरों के बदलाव के बीच मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। मैं बस चीजो को बहुत सरल रखने पर बल दिया और सौभाग्य से मैं ऐसा कर पाने में सफल रहा। जब उनसे पूछा गया कि अगर कोई और बल्लेबाज आता तो क्या वह छह में से छह रन बना पाते, तो कैम्फर ने कहा कि नहीं, मुझे नहीं लगता। दोनों ही चीजें मुझे स्वीकार्य होतीं। मैं बस खेलकर खुश हूं। उंगली की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय और टी-20 सीरीज से बाहर होने के बाद यह कैम्फर का दूसरा मैच था। मंगलवार को लेइनस्टर लाइटनिंग के खिलाफ अपने वापसी मैच में उन्होंने 35 गेंदों पर 57 रन बनाए थे, लेकिन गेंदबाजी नहीं की थी। गुरुवार को भी उन्होंने 24 गेंदों पर 44 रन बनाए और फिर पांच विकेट लिए। कैम्फर अंतर्राष्ट्रीय टी-20 मैचों में चार गेंदों पर चार विकेट लेने वाले गेंदबाजी की सूची में शामिल हैं यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी नहीं हैं।

माही को युगल पार्टनर चुनूंगा विंबलडन 2025 में सूर्यकुमार

● **मैं निश्चित रूप से नोवाक जोकोविच को देखने आया हूं, मैंने उनके करियर पर नजर रख रखी है**

लंदन, वार्ता। विंबलडन रॉयल बॉक्स में सितारों का आना जारी है, ऐसे में भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव भी वहां रुकने वाले नए भारतीय क्रिकेटर हैं। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स और जियोहॉटस्टार से टेनिस के प्रति अपने प्रेम, अपने खेल के दिग्गजों और अपने जीवन में क्रिकेट-टेनिस के अप्रत्याशित मेल के बारे में बात की। विंबलडन में पहली बार आने की वजह पर सूर्या ने कहा कि मैं टेलीविजन पर टेनिस काफी देखता हूं।

मैंने हमेशा सेंटर कोर्ट के माहौल के बारे में सुना है, खासकर जब आप अंदर कदम रखते हैं। मैं यहां उस अद्भुत एहसास का अनुभव करने आया हूं। विंबलडन में पहली बार टेनिस देखने और अपने सूट के पीछे की प्रेरणा के बारे में उन्होंने कहा कि मैं पहली बार यहां आया हूं, और मैं सब कुछ सही करना चाहता था। सच कहूं तो, मेरी पत्नी मेरा बहुत ख्याल रखती है।

वह पिछले तीन-चार दिनों से मेरे साथ रही है और मुझे इस शानदार टूर्नामेंट में क्या पहनना है, यह तय करने में मदद कर रही है। इतने सारे लोग बड़ी संख्या में आए हैं, मैं भी उनमें से एक हूं, बस यही अनुभव करने आया हूं। जिन सितारों को देखने का वह बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, उनके बारे में सूर्या ने कहा कि मैं निश्चित रूप से नोवाक जोकोविच को देखने आया हूं। मैं बहुत लंबे समय से उनके करियर पर नजर रख रहा हूं। मैंने उनकी किताब 'सर्व टू विन' भी पढ़ी है, जिसने मुझे वाकई प्रेरित किया। मैंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण थोड़ी देर से किया, हालांकि 30 साल की उम्र ज्यादा नहीं, लेकिन मैं उनके सफर और दृढ़ता से खुद को जोड़ पाया। जिस तरह से वह आगे बढ़ते रहते हैं, वह अद्भुत है। सूर्या ने अपने पसंदीदा टेनिस खिलाड़ियों, भूतपूर्व और वर्तमान, के बारे में कहा कि अगर हम खास तौर पर विंबलडन की बात कर रहे हैं, तो निश्चित रूप से पीट सम्प्रास और रोजर फेडरर। मुझे याद है कि जब भी इनमें से कोई यहां आता था, तो दर्शक कैसे पागल हो जाते थे। लेकिन मेरे सर्वकालिक पसंदीदा खिलाड़ी नोवाक जोकोविच हैं। और वर्तमान में, मैं कार्लोस अल्काराज का नाम लूंगा, वह कोर्ट पर धमाल मचा रहे हैं।

गेंदबाजी में सुधार का श्रेय कमिंस-मॉर्कल को: रेड्डी

लॉर्ड्स, वार्ता। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन एक ही ओवर में दो विकेट झटकने वाले भारतीय तेज गेंदबाज नीतीश कुमार रेड्डी ने कहा कि उनकी गेंदबाजी में सुधार का श्रेय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उनके कप्तान पैट कमिंस और भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्न मॉर्कल को जाता है।

पहले दिन के खेल के बाद रेड्डी ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद मुझे महसूस हुआ कि मुझे अपनी गेंदबाजी और निरंतरता पर काम करने की आवश्यकता है। मैंने पैट से जब इस संबंध में बात की तो उन्होंने मुझे बताया कि मुझे ऑस्ट्रेलिया में कैसी गेंदबाजी करनी चाहिए थी और मैं ऑस्ट्रेलिया में कैसी गेंदबाजी कर सकता हूं। यह मेरे लिए बड़ा अनुभव था और इस दौरे की शुरुआत से पहले मॉर्कल के साथ काम करना भी मेरे काम आया। वह पिछले कुछ सप्ताह से मेरे साथ लगातार काम कर रहे हैं और मेरी गेंदबाजी में बहुत सुधार दिखा है। उनके साथ काम करने में मजा आ रहा है। उन्होंने कहा कि चूंकि मुझे दोनों ओर लस्वग प्राप्त होती है इसलिए हम लगातार मेरी निरंतरता पर काम कर रहे हैं। मैं केवल उन एरिया में निरंतर होना चाहता हूं जहां जरूरत है और हम इस पर काम कर रहे हैं। मैं मेहनत कर रहा हूं लेकिन अंत में चीजों को समझना और स्वयं पर भरोसा रखना सबसे अहम है। जब आप स्वयं पर भरोसा करते हैं तभी आपकी कड़ी मेहनत रंग लाती है और मुझे अब यह बात समझ आ रही है। उन्होंने कहा कि चोट के बाद लय में आना मेरे लिए कठिन था। आईपीएल सीजन के आखिर में मैंने गेंदबाजी करना

लारा ने कहा कि मुझे उनका रिकॉर्ड तोड़ने के लिए जाना चाहिए था : मुल्डर

बुलावायो, वार्ता। दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर ने कहा है कि ब्रायन लारा ने उनसे कहा था कि उन्हें टेस्ट में सर्वाच्च व्यक्तिगत स्कोर का उनका रिकॉर्ड तोड़ने के लिए जाना चाहिए था। बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मुल्डर ने लंच ब्रेक के दौरान पारी घोषित कर दी थी तब मुल्डर 367 के निजी स्कोर पर नाबाद थे। इस फैसले के बाद मुल्डर 2004 में, एंटीगा में इंग्लैंड के खिलाफ लारा द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड नाबाद 400 रन से 33 रन दूर रह गए थे। मुल्डर ने पारी घोषित करने के बाद कहा था कि लारा का रिकॉर्ड लारा के नाम ही रहना चाहिए लेकिन बाद में उन्होंने खुलासा किया कि इस मामले पर लारा की दूसरी राय थी। मुल्डर ने सुपरस्पोर्ट से कहा कि अब चीजें पहले के मुकाबले बेहतर हुई हैं। मेरी ब्रायन लारा से भी बात हुई है। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं अपनी लीगेसी बना रहा हूं और मुझे रिकॉर्ड के लिए जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड टूटने के लिए ही होते हैं और उन्होंने यह उम्मीद जताई कि मैं दोबारा उस स्थिति में आऊं कि रिकॉर्ड तोड़ पाऊं।

भारत में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगा पाक

● **भारत में होने वाले एशिया कप और जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट को लेकर पाक चौकस**

नई दिल्ली, वार्ता। भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव के कारण खेल संबंधों में गतिरोध बना हुआ है। भारत में इस साल बाद में एशिया कप और जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंटों का आयोजन होना है।

पाकिस्तान इन टूर्नामेंटों के लिए अपनी राष्ट्रीय हॉकी टीम भेजने पर फैसला लेने से पहले भारत में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगा। पाकिस्तान सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि अगर कोई सुरक्षा खतरा होगा तो उनकी हॉकी टीम भारत नहीं भेजी जाएगी। प्रधानमंत्री युवा विकास एवं खेल कार्यक्रम के अध्यक्ष राणा मसूद ने कहा कि पाकिस्तान की हॉकी टीम टूर्नामेंट के लिए भारत तभी जाएगी जब सरकार सुरक्षा स्थिति से पूरी तरह संतुष्ट होगी। पूर्व मंत्री ने कहा कि पाक नागरिकों के लिए भारत में स्थिति से अगर वह संतुष्ट नहीं है, तो वह हमारे किसी भी खिलाड़ी को भारत में खेलने के लिए भेजकर उसे जोखिम में नहीं डालेगा।

नए पाक कोच माइक हेसन ने बाबर आजम व शाहीन अफरीदी की वापसी की राह बताई

● **दोनों खिलाड़ी इस समय कराची में अपने साथियों के साथ एक प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रहे हैं**

इस्लामाबाद, वार्ता। पाकिस्तान के नए सीमित ओवरों के कोच माइक हेसन ने उन कदमों का खुलासा किया है जो अनुभवी जोड़ी बाबर आजम और शाहीन अफरीदी को टी-20 अंतर्राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए उठाने होंगे।

बाबर और शाहीन ने 2021 और 2022 में आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के नॉकआउट चरणों में पाक को लगातार जगह दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, लेकिन हाल ही में वे टी-20 विश्व कप में टीम से बाहर हो गए हैं और पिछले महीने की शुरुआत में घरेलू धरती पर बांग्लादेश को 3-0 से हराने वाली हेसन की पहली टीम में भी नहीं थे।

हेसन ने सुझाव दिया कि बाबर और शाहीन दोनों ही अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए उनकी दीर्घकालिक योजनाओं में शामिल हैं और दोनों इस समय कराची में अपने साथियों के साथ एक प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रहे हैं।

ये साथी खिलाड़ी इस महीने के अंत में मीरपुर में तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला के लिए बांग्लादेश जाएंगे। हेसन ने स्पष्ट किया कि बाबर की टीम में वापसी विकेटकीपर के रूप में पहली पसंद बनकर नहीं हुई, बल्कि पूर्व कप्तान अपने साथी शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों फखर व सैम अयूब के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में दो में से एक स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे।

पंत लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन भी रहेंगे बाहर

● **जुरेल कर रहे हैं कीपिंग, लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड की पारी के 34वें ओवर में पंत को लगी थी चोट जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे**

लंदन, वार्ता। भारत के विकेटकीपर ऋषभ पंत, जिन्हें लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड की पारी के 34वें ओवर में चोट लगी थी और उसके बाद मैदान से बाहर चले गए थे, दूसरे दिन भी वह अब मैदान पर नहीं लौटेंगे और उनकी जगह ध्रुव जुरेल ही विकेटकीपिंग करेंगे। बीसीसीआई ने पंत की चोट को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बात की जानकारी दी है कि उनकी चोट पर मेडिकल टीम नजर बनाए हुए है और दूसरे दिन भी वह मैदान पर नहीं आएंगे। उस पोस्ट में ये भी लिखा है कि जुरेल ही दूसरे दिन भी विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी निभाएंगे। इससे पहले लॉड्र्स टेस्ट के पहले दिन के दूसरे सत्र में ध्रुव जुरेल को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी के लिए बुलाना पड़ा था। दरअसल, ऋषभ पंत को दूसरे सत्र में लेग स्टंप के बाहर जाती हुई गेंद को कलेक्ट करते हुए बाएं हाथ की उंगली में चोट आ गई थी। जिसके बाद उनके उपचार के लिए खेल को काफी देर रोकना भी पड़ा, इसके बावजूद पंत दर्द में नजर आए। उन्होंने इंग्लैंड की पारी का वह 34वां ओवर तो पूरा किया लेकिन उसके बाद उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। 2017 से ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में नियम में बदलाव आया था जिसके बाद से मैच के दौरान विकेटकीपर को चोट लगने पर दल में मौजूद विशेषज्ञ विकेटकीपर से सब्सटिट्यूट किया जा सकता है, लेकिन वह सिर्फ कीपिंग कर सकता है। बल्लेबाजी करने की अनुमति उस सब्सटिट्यूट विकेटकीपर की नहीं होती है। अगर पंत बल्लेबाजी कर पाने में सक्षम रहते हैं तो वही करेंगे नहीं तो फिर भारत को एक कम बल्लेबाज के साथ उतरना पड़ेगा। डेब्यू करने के बाद से पंत भारत के लिए टेस्ट में दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने इस सीरीज के पहले टेस्ट में भी दो

येरे अल्वारेज ने स्वीकारा उनका ड्रग टेस्ट पॉजिटिव था

● **सकारात्मक नतीजा इस उपचार के कारण था जिसका उपयोग कीमोथैरिपी के बाद बाल झड़ने को रोकने के लिए कर रहे थे**

मैड्रिड, वार्ता। यूरोपा लीग के सेमीफाइनल के बाद एथलेटिक क्लब बिलबाओ के डिफेंडर येरे अल्वारेज ने स्वीकार किया है कि उनकी प्रतिबंधित पदार्थ की जांच का नतीजा पॉजिटिव था और उन पर चार साल तक का निलंबन लग सकता है।

स्पेन के पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी अल्वारेज ने 2016 में वृषण कैंसर का इलाज कराया था और बीमारी से उबरने के बाद उन्हें फिर से यह बीमारी हो गई थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि पिछले सीजन में मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ यूरोपा लीग सेमीफाइनल के बाद उनका प्रतिबंधित पदार्थ के लिए जांच का नतीजा सकारात्मक था। बचाव पक्ष की ओर से बताया कि सकारात्मक नतीजा उस उपचार के कारण था जिसका उपयोग वह कीमोथेरेपी के बाद बालों के झड़ने को रोकने के लिए कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अपनी बीमारी पर काबू पाने के बाद, मैं कई वर्षों से एलोपेसिया का इलाज करा रहा हूं और मेरे मामले का अध्ययन करने के बाद हमने पाया है कि सकारात्मक परिणाम इसलिए आया क्योंकि मैंने बालों के झड़ने के इलाज के दौरान अनजाने में प्रतिबंधित पदार्थ ले लिया था। येरे ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा कि यह खबर पाकर मुझे गहरा सदमा लगा, मुझे यकीन ही नहीं हो रहा था, क्योंकि मैंने जिंदगी में कभी भी प्रतिबंधित पदार्थों का सेवन नहीं किया है।

यह मुझे उम्रदराज महसूस कराता है: 100वें टेस्ट पर स्टार्क

● **स्टार्क फ्रंट लाइन तेज गेंदबाजों में इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले 12 खिलाड़ी बनेंगे**

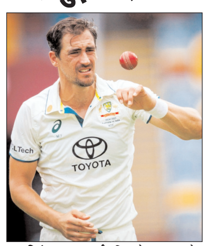

किंग्स्टन, वार्ता। पिछले सप्ताह क्रेग ब्रैथवेट 100वें टेस्ट की उपलब्धि तक पहुंचने वाले 82वें खिलाड़ी बने थे जबकि मिशेल स्टार्क फ्रंटलाइन तेज गेंदबाजों में इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले केवल 12वें खिलाड़ी बनेंगे।

अपने 14 वर्ष के लंबे करियर में स्टार्क वेस्टइंडीज के खिलाफ सबीना पार्क में रविवार से खेले जाने वाले तीसरे टेस्ट के दौरान इस उपलब्धि तक पहुंच जाएंगे, वह 400 टेस्ट विकेट हासिल करने से भी केवल पांच विकेट दूर हैं। स्टार्क ने कहा कि उनके लिए यहां तक पहुंचना अपने आप में एक बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि बड़ा होते समय मैं हमेशा ही ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना चाहता था लेकिन मुझे नहीं लगता था कि मैं कभी एक टेस्ट मैच भी खेल पाऊंगा। लेकिन 99 टेस्ट खेलना मेरे लिए बड़े गर्व की बात है। स्टार्क ने अपनी इस यात्रा में जॉश हेजलवुड और पैट कमिंस के साथ अपनी मित्रता पर भी बात की जिन्होंने उन्हें बतौर गेंदबाज विकसित होने में मदद की जिसमें वोबल सीम पर पकड़ बनाना भी शामिल है। स्टार्क ने कहा कि जब गेंद अधिक हरकत नहीं कर रही होती थी तो मेरे पास अधिक अलग करने के लिए कुछ नहीं हुआ करता था। हां मेरे पास गेंद को रिवर्स कराने की क्षमता थी लेकिन यह खेल के मध्य के हिस्से में संभव था। बतौर गेंदबाज विकसित होने में मेरे दो करीबी मित्रों जोश हेजलवुड और पैट कमिंस जो कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं, ने मेरी काफी मदद की। मैंने उनसे काफी कुछ सीखा है। इसके बाद अलग-अलग चरणों में और दुनिया के अन्य हिस्सों में गेंदबाजी करने में मदद मिली। तीनों तेज गेंदबाजों के बीच का रिश्ता और उनके करियर की ओवरलैपिंग प्रकृति, जिसमें उन्होंने एक साथ 37 टेस्ट मैच खेले हैं, ने भी दोनों की मदद की है। स्टार्क ने कहा कि मुझे या हम तीनों को इस बात का एहसास है कि हम कितने भाग्यशाली हैं कि हम सब एक ही जगह से हैं। हम साथ में ट्रेनिंग करते हैं, सालों से रिहैब रूम में साथ बैठते हैं। एक-दूसरे को आगे बढ़ाने की क्षमता, चाहे वो एक खराब हफ्ता हो या टेस्ट हफ्ता। मुझे लगता है कि यही हम तीनों के लंबे करियर में खास तौर पर योगदान देता है। स्टार्क ने खुद 2022 के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उंगली में चोट लगने के बाद से कोई भी टेस्ट मैच नहीं छोड़ा है, जिसके कारण उन्हें तीन मैचों से बाहर होना पड़ा था। हालांकि उन्होंने एमसीजी में खेले गए उस मैच में भी गेंदबाजी की थी। तेज गेंदबाजी के नुकसान के बारे में उन्होंने कहा कि ज्यादातर दिनों में कुछ निशान और कुछ दर्द वाले हिस्से होते हैं। चाहे वो झटके हों या दर्द निवारक दवाएं, मुझे पता है कि मैं क्या कर सकता हूं और क्या नहीं। मैं कभी भी ऐसे मैच में नहीं जाऊंगा जिसके बारे में मुझे नहीं लगता कि मैं अपना 100 फीसदी दे सकता हूं।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को सात विकेट से हराया

पल्लेकेले, वार्ता। कुसल मेंडिस (73) की शानदार अर्द्धशतकीय पारी के दम पर श्रीलंका ने पहले टी-20 मुकाबले में बांग्लादेश को छह गेंदे शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है।

155 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका के लिए पथुम निसंका और कुसल मेंडिस की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरआत करते हुए पहले विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी की। पांचवें ओवर में मेहदी हसन मिराज ने पथुम निसंका को आउटकर बांग्लादेश को पहली सफलता दिलाई। पथुम निसंका ने 16 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए 42 रनों की पारी खेली। 13वें ओवर में कुसल परेरा 24 रन बनाकर आउट हुये। 18वें ओवर में श्रीलंका का तीसरा विकेट कुसल मेंडिस के रूप में गिरा। कुसल मेंडिस ने 51 गेंदों में पांच चौके ओर तीन छक्के लगाते हुए 73 रन बनाये। श्रीलंका ने 19 ओवर में तीन विकेट पर 159 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। अविष्का फर्नांडो 11 और कप्तान चरित असालंका एक रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश की ओर से मोहम्मद सैफुद्दीन, मेहदी हसन मिराज और रिशाद हुसैन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले श्रीलंका ने टॉस जीतकर बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश के परवेज हुसैन इमॉन और तंजिद हसन ने पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े।

एपीएस-1 रुड़की में त्रिदिवसीय अंतर संकुल कमान स्तरीय प्रतियोगिता के समापन पर बांटे पुरस्कार

प्रतियोगिताओं से छात्रों का हुनर निखरता है : ब्रिगेडियर केपी सिंह

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। आर्मी पब्लिक स्कूल नंबर 1 रुड़की में तीन दिवसीय क्लस्टर कमान स्तरीय वाद विवाद एवं सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रथम दिन प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर के.पी. सिंह, कमांडेंट, बंगाल इंजीनियर्स ग्रुप एंड सेंटर, रुड़की, और चेयरमैन, आर्मी पब्लिक स्कूल नंबर 1 और 2, रुड़की, के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मां सरस्वती की वंदना के उपरांत मुख्य अतिथि और विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। प्रतियोगिता के तीसरे तथा अंतिम दिन आज ृ सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर केपी सिंह ने प्रतिभावान छात्रों कोसम्मानित करते हुए कहा किप्रतियोगिताओं से होनहार छात्रों का हुनर निखरने के साथ हौसला बढ़ता है जिससे छात्रों का भविष्य संवरता है इसलिए प्रतियोगिताओं

का आयोजन जरूरी है ताकि प्रतिभावान छात्रों को आगे बढ़ाया जा सके । उन्होंने कहा है कि प्रतियोगिताओं से छात्रों का हौसला भी बढ़ता है और जीवन में आगे बढ़ने में उनके काम आता है। इस प्रतियोगिता में आर्मी

❖एपीएस लखनऊ प्रथम व एपीएस मेरठ प्रथम रनरअप तो एपीएस रानीखेत रहा सेकंड रनरअप

पब्लिक स्कूल आगरा, आर्मी पब्लिक स्कूल क्लेमेंट टाउन देहरादून, आर्मी पब्लिक स्कूल गया, आर्मी पब्लिक स्कूल गोरखपुर, आर्मी पब्लिक स्कूल नंबर 2 जबलपुर, आर्मी पब्लिक स्कूल, मेरठ आर्मी पब्लिक स्कूल रामगढ़ कैंट, आर्मी पब्लिक स्कूल रानीखेत और आर्मी पब्लिक स्कूल एसपी मार्ग लखनऊ सहित कुल नौ टीमों के 27 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की शुरुआत उत्तराखंड की लोक संस्कृति की झलक दिखाते कक्षा 6और 8की छात्राओं के मनमोहक नृत्य के द्वारा की गई जिसमें आराध्या, आरुषि, शानवी,ज्योति विद्यालक्ष्मी तनिषा, दीपिका, अंशिका, आंचल, रुचि, श्रेया आदि ने भाग लिया। प्रतियोगिता में क्विज मास्टर के के शर्मा तथा तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में राजीव जैन का

महत्वपूर्ण योगदान रहा। क्विज मास्टर के के शर्मा क्विज प्रतियोगिताओ के संचालन का अनुभव रखते है। एमसीक्यु, डबल फेस, ऑडियो, रैपिड फायर अर्थ राउंड के अंतर्गत की गई प्रश्नोत्तरी सभी के लिए ज्ञानवर्धक थी। प्रतियोगिता में आर्मी पब्लिक स्कूल एसपी मार्ग लखनऊ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आर्मी पब्लिक स्कूल मेरठ प्रथम रनर अप तथा आर्मी पब्लिक स्कूल रानीखेत सेकंड रनर अप रहे। विजेता टीम आगामी कमांड लेवल में अपने क्लस्टर का प्रतिनिधित्व करेगी। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर केपी सिंह द्वारा विजेता टीमों को ट्रॉफी तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास होता है उन्होंने सभी के प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय की प्रध ानाचार्या सुश्री ऋतु डोगरा ने प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन करते हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

बागवानी के हैं शौकीन तो उद्यान विभाग में कर सकते हैं आवेदन, मिलेंगे फलदार पेड़

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। यदि आप अपने खेतों में फलदार पौधों की बागवानी करने के इच्छुक है तो आपको रुड़की ब्लॉक स्थित उद्यान विभाग कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। जहां आपको हाइब्रिड अमरूद, आम, लीची, नींबू, केला, स्ट्रॉबेरी, कटहल और आंवला आदि के पौधे मिल पाएंगे। सरकार की ओर से 50% की छूट भी किसानों को दी जाएगी।

बढ़ते प्रदूषण से हवा की गुणवत्ता बिगड़ रही है। जबकि ग्लोबल वार्मिंग से वातावरण पर बुरा असर पड़ रहा है। ऐसे में जिले को हराभरा, स्वस्थ और प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के लिए सरकार ने जिला योजना और बागवानी मिशन योजना को ध रातल पर उतारा है। ताकि किसान अपने खेतों में फलदार पौधे लगाकर अपनी आर्थिक स्थिति भी सुधार सके। जबकि वातावरण को स्वच्छ रखने में भी किसान सरकार की मदद कर पाए। उद्यान पर्यवेक्षक रुड़की केंद्र अनय सिंह ने बताया कि पौध वितरण शुरू हो चुका है। नींबू, स्ट्रॉबेरी, कटहल, आम, अमरुद, लीची और केला आदि के पौधे किसानों को 50% की छूट पर दिए जाएंगे। कांवड़ यात्रा के संपन्न होने पर पौधे केंद्र या नजदीकी नर्सरी से मिल पाएंगे। अब तक 21 किसानों ने जिला योजना और बागवानी मिशन योजना में आवेदन कर फलदार पौधे लेने के लिए आवेदन किए हैं। यह आवेदन ऑफलाइन हो रहे हैं। आधार कार्ड, कृषि भूमि की खसरा खतौनी, किसान का एक फोटो और किसान अपनी बैंक पासबुक की प्रतिलिपि लेकर कार्यालय में आकर ऑफलाइन प्लांटेशन योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

दो बदमाश गिरफ्तार तमंचा, कारतूस बरामद

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। शहर में आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने देसी पिस्टल, तमंचा और एक कारतूस बरामद किया है। बदमाशों को कोर्ट की पेशी के बाद जेल भेज दिया गया।

गंगनहर कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक अजय शाह ने बताया कि बीती रात कांस्टेबल इसरार अली, नितिन, प्रभाकर थपलियाल, लाल सिंह और पवन नेगी के साथ गश्त पर थे। तभी सूचना मिली कि दो बदमाश अपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में है जो स्वामी विवेकानंद कॉलेज के पास घूम रहे हैं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने रिजवान निवासी बंदा रोड कोतवाली रुड़की और सलमान उर्फ लाखा निवासी गांव रामपुर कोतवाली गंगनहर को गिरफ्तार किया। तलाशी में 32 बोर की देसी पिस्टल, 12 बोर का देसी तमंचा और 12 बोर का कारतूस बरामद किया गया। प्राथमिक पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि वह आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे थे।

राजस्व उपनिरीक्षक से मारपीट करने पर पांच कांवड़िए पकड़े

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। राजस्व उपनिरीक्षक से मारपीट और कार में तोड़फोड़ करने पर पांच कांवड़ियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कांवड़ियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया।

जानकारी के अनुसार रुड़की कोतवाली को राजस्व उपनिरीक्षक आशू गिरी निवासी गांव ब्रह्मपुर गुरुवार को भगवानपुर तहसील से ड्यूटी कर कार से घर लौट रहे थे। जहां तहसील दिवस के प्रार्थना पत्रों की जांच के बाद घर लौट के दौरान बेलड़ी गांव के पास थे। तभी हल्की-फुल्की सी कार एक कांवड़ से लगी थी। तभी कांवड़ को खंडित करने और कांवड़ियों को टक्कर मारने के आरोप लगाकर कांवड़ियों के एक ग्रुप ने हमला कर दिया था। कांवड़ियों ने मारपीट कर कार में भी जमकर तोड़फोड़ की थी। इस बीच कावड़ियों ने हाईवे जाम के भी प्रयास किए थे। उन्होंने किसी तरह वहां से अपनी जान बचाई थी। उपद्रव का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था। पुलिस ने तहरीर पर अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर हमले में शामिल कांवड़ियों की पहचान शुरू कर दी थी।

शुक्रवार को पुलिस ने मनीष निवासी संभल थाना विजयनगर जिला गाजियाबाद, अनुराग निवासी विजयनगर जिला गाजियाबाद, अमन निवासी गाजियाबाद, अभिषेक और कपिल निवासी विजयनगर जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया।

घंटों गुल रही बिजली गर्मी से लोग बेहाल

शाह टाइम्स संवाददाता

गुरुकुल नारसन। कस्बे में शुक्रवार को बिजली के तार बदलने के काम के चलते कई घंटों तक बिजली गुल रही, जिससे भीषण गर्मी में स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली न होने से लोगों को पीने के पानी की किल्लत भी झेलनी पड़ी।

विद्युत विभाग द्वारा सुबह 11 बजे से ही तारों को बदलने का काम शुरू कर दिया गया था, जिसके चलते नारसन कस्बे में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। दिन चढ़ने के साथ बढ़ती गर्मी में बिजली गुल होने से लोगों का बुरा हाल रहा। पंखे और कूलर बंद होने से घरों में उमस बढ़ गई। सबसे बड़ी समस्या पीने के पानी की रही। बिजली न होने के कारण पानी की मोटरें नहीं चल पाईं, जिससे घरों में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई। लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ा। स्थानीय निवासियों ने विद्युत विभाग से अपील की है कि भविष्य में ऐसे रखरखाव कार्यों को इस तरह से नियोजित किया जाए जिससे लोगों को कम से कम असुविधा हो।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी पुलिस ने दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस के द्वारा नाबालिक से दुष्कर्म के फरार आरोपी को मुखबीर की सूचना पर पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किया गया है। राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया 8 जुलाई 2025 को शमशेर पुत्र अलमुद्दीन निवासी ग्राम मुंडा खेड़ा खुर्द थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार द्वारा अपनी नाबालिक पुत्री को एक युवक बहला फुसलाकर भगा ले गया है। शमशेर के पत्र पर उस युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया घटना के गंभीरता को देखते हुए एसएसपी हरिद्वार द्वारा शीघ्र अनावरण व वांछित इनामी अभियुक्त के धर पकड़ के लिए लक्सर पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये उच्च अधिकारियों के आदेश अनुसार पुलिस टीम गठित की गई। अभियुक्त के संभावित ठिकानों पर लगातार दबीस दी जा रही थी 11 जुलाई 2025 को वांछित चल रहा अभियुक्त को लक्सर पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किया गया जिसका नाम साहिब पुत्र शराफत निवासी नेहन्दपुर सुठारी कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया।

डायवर्जन से रुड़की-लक्सर मार्ग पर बढ़ा वाहनों का दबाव

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के पुलिस ने सुरक्षा बंदोबस्त का खाका तैयार कर लिया है। कावडियों की बढ़ती संख्या को लेकर 11 जुलाई से जिले में रूट डायवर्जन प्लान लागू कर दिया गया है। जो 23 जुलाई तक लागू रहेगा। इस दौरान कांवड़ मार्ग पर भारी वाहनों पर पूर्णत: तक प्रतिबंध रहेगा। इस संबंध में जिले के सभी कोतवाली व थानेदारों को अलर्ट रहने तथा सतर्कता बरतने के आदेश दिए गए हैं। 11 जुलाई से शुरू हुई कावंड यात्रा को लेकर हरिद्वार गंगाजल लेने आने वाले कावडियों की संख्या धीरे धीरे बढ़ने लगी है। इस बार हरिद्वार में 4 करोड़ कावडियों के आने की आशंका जताई जा रही है। कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन ने अपनी सारी तैयारियां पूरी कर ली है। कावडियों की सहुलियत को देखते हुए पुलिस ने पहले ही अपना यातायात प्लान जारी कर दिया है। एसपी यातायात जितेंद्र मेहरा ने बताया कि अगले दो चार दिनों में कावडियों की संख्या बढ़ सकती है। इसके लिए पुलिस प्रशासन ने अपनी सारी तैयारियां पूरी कर ली है। यातायात का दवाब अधिक होने पर जिले में रूट डायवर्जन प्लान पूरी तरह लागू कर दिया जाएगा, जो 23 जुलाई तक लागू रहेगा। भारी संख्या में कांवड़ियों की आमद को देखते हुए प्रशासन ने दिल्ली, यूपी, हरियाणा, पंजाब,

हिमाचल, राजस्थान सहित अन्य राज्यों से हरिद्वार आने वाले यात्रियों तथा कांवड़ वाहनों को नगला इमरती से लंढौरा वाया लक्सर होते हुए बैरागी पार्किंग तक लाया जाएगा। रोडवेज बसों के लिए अलग-अलग मार्ग निध ारित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आवश्यक सेवाओं में प्रयुक्त होने वाले वाहनों के अतिरिक्त सभी भारी वाहनों का प्रात: 05.00 बजे से रात्रि 11 बजे तक हरिद्वार शहर में प्रवेश पूर्णत: प्रतिबन्धित रहेगा। शहर की तरफ प्रवेश करने वाले सभी छोटे बड़े वाहनों का वैकल्पिक मार्गों से डायवर्जन किया जायेगा।

नारसन कस्बे में बेसमेंट में संचालित एक लाइब्रेरी में

बारिश का पानी भरने से छात्र व संचालक परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

नारसन। नारसन कस्बे में बेसमेंट में संचालित एक लाइब्रेरी में बारिश का पानी भरने से विद्यार्थियों और संचालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या के बावजूद पुलिस-प्रशासन इस ओर से आंखें मूंदे हुए है। दिल्ली में हुए हादसों के बावजूद ऐसी अनदेखी पर सवाल उठ रहे हैं। लाइब्रेरी में जलभराव से पढ़ाई बाधित नारसन कस्बे में नारसन तिराहे के पास हाइवे पर स्थित यह लाइब्रेरी बेसमेंट में बनी हुई है। हल्की बारिश में भी यहां पानी भर जाता है, जिससे किताबें, फर्नीचर और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री खराब होने का खतरा बना रहता है। विद्यार्थियों को पानी के बीच बैठकर पढ़ाई करनी पड़ती है, जो उनके स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक हो सकता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रशासन को इस समस्या की पूरी जानकारी है। स्थानीय पुलिस व अन्य अधिकारी रोजाना कोई न कोई हाइवे से गुजरता है लेकिन इस पर किसी ने कोई ध यान नही दिया है। दिल्ली के मुखर्जी नगर में हुए कोचिंग सेंटर अग्निकांड और अन्य बेसमेंट हादसों के बावजूद प्रशासन की नारसन में ऐसी लापरवाही चिंता का विषय है। लोगों का कहना है कि प्रशासन को किसी बड़े हादसे का इंतजार नहीं करना चाहिए और तुरंत इस समस्या का समाधान करना चाहिए। स्थानीय लोगों ने अब जिलाधिकारी से हस्तक्षेप की मांग की है ताकि इस लाइब्रेरी को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जा सके। उक्त बिल्डिंग मानकों के अनुरुप नही बानी है इस पर हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण ने भी निर्माण के दौरान कार्य रुकवा दिया गया था लेकिन फिर भी इस पर निर्माण कार्य कर बेखोफ बेसमेंट में लाईब्रेरी चलाई जा रही है। यदि कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो उसका जिम्मेदार प्रशासन व हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण होंगे या मानकों फिर मनको को ताकत पर रखकर निर्माण करवाने वाले भवन स्वामी होगा।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बृहस्पतिवार देर रात लिब्बरहेड़ी गांव के पास एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर मोर्चरी भिजवा दिया है। बृहस्पतिवार देर रात एक व्यक्ति जिसकी उम्र लगभग 60 वर्ष होगी राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित लिब्बरहेड़ी गांव के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने का प्रयास किया लेकिन मृत व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है। कोतवाल शांति कुमार गंगवार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर मोर्चरी में रखवा दिया गया है। वहीं दूसरी ओर तेज्जुपुर में तीन दुकानों में हुई चोरी की घटना के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है लेकिन अब तक चोरों का कुछ पता नहीं चल सका है। इसके लिए पुलिस ने टीम लगा दी है। शुक्रवार को पुलिस ने कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। तेज्जुपुर में दुकानों से चोरी की घटना को लेकर दुकानदार बिल्लू निवासी कृष्णानगर की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। दरअसल, गांव में एक साथ तीन दुकानों में लाखों की चोरी हुई थी। चोरी की घटना से आक्रोशित व्यापारियों ने चौकी में धरना भी दिया था। इसके बाद आश्वासन पर धरना खत्म किया गया।

कांवड़ मेले को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को पुलिस प्रशासन मुस्तैद

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। क्षेत्र के शिव चौक पर कावड मेले को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुलिस की चप्पे चप्पे पर नजर गडी हुई है मेले को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए सरकार के द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हुृ है सरकार के द्वारा दिये गए निर्देशों पर पुलिस प्रशासन अपना काम बखूबी निभा रहा है और आने जाने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है कावड मेले को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुलिस किसी भी जगह कमी नहीं छोड़ रही है और बारीकी से जांच में जुटी हुई है आने जाने वाले सभी पर बारीकी से नजर रखी जा रही है राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुृ बताया एसएसपी हरिद्वार द्वारा दिये गए निर्देशों पर हम किसी भी जगह कमी नहीं छोड़ेगे उन्होंने आमजन से भी अपील की है की अगर किसी को भी कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे तो उसकी सूचना तुरंत ही पुलिस प्रशासन को दे।

रंजिशन उतारा लालू को मौत के घाट, दो पकड़े

पुलिस जांच में गोकशी को लेकर दोनों पक्षों में रंजिश का निकला मामला

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रंजिश का बदला लेने के लिए एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति को मौत के घाट उतारा था। पुलिस ने दो हत्या आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनसे धारदार हथियार बरामद हुए हैं। हत्या आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस की प्राथमिक जांच और पूछताछ में पता चला कि दोनों पक्षों में गोकशी को लेकर विवाद था। विवाद का बदला लेने के लिए जगन्य अपराध का बदला लिया गया था।

रुड़की कोतवाली क्षेत्र के जोरासी जबरदस्तपुर गांव में तीन दिन पूर्व शाम में अमजद पक्ष के लोग ईट से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली को लेकर हरिद्वार जा रहे थे। तभी रजा कुरैशी पक्ष के लोग रास्ते से बाइक लेकर गुजरे थे। इस बीच अमजद पक्ष ने उन्हें बाइक को सही ढंग से चलाने के लिए टोक दिया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में मौके पर कहासुनी और फिर खूनी संघर्ष हो गया था। तभी मारपीट की सूचना मिलने पर मोहर्रम अली उर्फ लालू बीच बचाव के लिए मौके पर पहुंचा था। लेकिन तब तक वहां पर कई लोग लहूलुहान हो चुके थे। इस बीच मोहर्रम अली उर्फ लालू के सिर पर धारदार हथियार लगा और मौके पर ही मोहर्रम ने दम तोड़ दिया था। जिसके बाद रजा कुरैशी पक्ष के लोग गांव से फरार हो गए थे। सिविल अस्पताल में घायलों को ले जाया गया था। जहां से काफी लोगों को हायर

सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया था। जबकि पुलिस ने मोहर्रम के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। बुधवार शाम के वक्त परिवार ने मोहर्रम का गांव के कब्रिस्तान में शव दफनाया था। वहीं दूसरी ओर दो पक्षों के खूनी संघर्ष में एक की हत्या होने पर गांव में एहतियातन तौर पर पुलिस बल तैनात किया गया था। मृतक मोहर्रम अली उर्फ लालू के भाई अमजद ने बारह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। जिनमें फरमान कुरैशी, आशु कुरैशी, अमजद कुरैशी, शोएब कुरैशी, आमिर कुरैशी, मजीद कुरैशी, आसिफ कुरैशी, अब्दुल्ला कुरैशी, नोमान कुरैशी, अनस कुरैशी, जेद कुरैशी और रजा कुरैशी निवासी जोरासी जबरदस्तपुर कोतवाली रुड़की के खिलाफ हत्या समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। शुक्रवार को पुलिस ने दो हत्या आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर मनी भूषण श्रीवास्तव ने बताया कि जैद कुरैशी और अनस कुरैशी निवासी जोरासी जबरदस्तपुर रुड़की कोतवाली को दो धारदार हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक लोकपाल परमार, उपनिरीक्षक ध्वजवीर सिंह, कांस्टेबल भूपेंद्र, रणवीर, अनूप, अभिषेक और विशु पवार शामिल रहे।

गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य व नवजात शिशु की देखभाल कैसे हो: डॉ. कावेरी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। अन्तर्राष्टीय रोटरी क्लब द्वारा माह जुलाई में गर्भवती मां और शिशु की उचित देखभाल कैसे हो का माह है इसी विषय को लेकर आज रोटरी क्लब रुड़की द्वारा रुड़की तहसील की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को गर्भवती मां और बच्चे की देखभाल कैसे करें विषय पर कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ संजीव कुमार सैनी के निवास पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें डॉ कावेरी गुप्ता ने सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को गर्भवती महिलाओं एवं बच्चे को स्वस्थ रखने के लिए क्या पोष्टिक आहार दें एवं मां बच्चे की सुरक्षा कैसे हो पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर पूर्व डिस्ट्रिक्ट सहायक गवर्नर रोटे सुभाष , क्लब अध्यक्षा रोटे

रीना नैथानी व पूर्व अध्यक्ष हर्ष प्रकाश काला ने कहा आज की भागम भाग जिंदगी में महिलाएं अपने स्वास्थ्य की ओर ध्यान नहीं देती जिसका असर गर्भस्थ शिशु पर पड़ता है। इसलिए हमें सतर्क रहने की आवश्यकता है।इस अवसर पर पीपी वन्दना मोहन,पी पी वीरेंद्र शर्मा,प्रो राजेश चन्द्रा, विरेन्द्र जैन, दीपिका, प्रियंका सैनी ,पी ई अल्का मित्तल,पी पी गगन सरीन सचिव रोटे निधि शांडिल्य रविन्द्र रावत उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डॉ संजीव सैनी, रुड़की जेल अधीक्षक जे पी द्विवेदी , डॉ राजेन्द्र पाल जी को सम्मानित किया गया।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शनिवार, 12 जुलाई 2025

भागवत की टिप्पणी

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने उम्र को लेकर एक ऐसा बयान दे डाला, जिससे देश में एक नई बहस छिड़ गई। राम जन्म भूमि आंदोलन के प्रेरक दिवंगत मोरोपंत पिंगले पर लिखी एक पुस्तक का विमोचन कार्यक्रम में भाग लेते हुए मोहन भागवत ने कह डाला कि 75 साल की उम्र के बाद नेताओं को रिटायरमेंट ले लेना चाहिए। उनका कहना था कि जब आपको 75 साल पूरे होने पर शॉल ओढ़ाई जाने लगे, तो समझिए कि दूसरों को मौका देने का समय आ गया है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं शुरू हो गई हैं कि आखिर मोहन भागवत का इशारा किस तरफ है। जैसाकि होता है विरोधी दलों ने तुरंत मोहन भागवत के बयान को प्रधानमंत्री मोदी से जोड़ दिया। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा कि बेचारे पुरस्कार जीवी प्रधानमंत्री! यह कैसी घर वापसी है। लौटते ही उन्हें याद दिला दिया गया कि 17 सितम्बर 2025 को वह 75 साल के होने जा रहे हैं। हालांकि मोहन भागवत भी 11 सितम्बर 2025 को 75 साल के हो जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी दस जुलाई को पांच देशों की यात्रा से लौटे हैं और कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शायद इसी आधार पर उनकी घर वापसी बताया। यूं तो भाजपा के भीतर एक निश्चित उम्र तक पद पर रहने को लेकर कोई आधिकारिक नियम नहीं है, लेकिन फिर भी उन्होंने कई अवसरों पर पार्टी लाइन से हटकर कुछ नियम बनाए हैं विशेषकर 2014 के बाद। 2014 के लोकसभा चुनाव में भी हमने देखा था कि किस तरह भाजपा में 75 साल की उम्र से ज्यादा उम्र के नेताओं को रिटायर करने का ट्रेंड शुरू हुआ था। जिन नेताओं ने 75 साल पूरे कर लिए थे, उनमें लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी जैसे नेता थे। उस समय एक मार्गदर्शक मंडल भी बनाया गया था। ताकि उस मंडल के माध्यम से उनके अनुभवों का लाभ पार्टी उठा सके। इतना ही नहीं पहली बार बने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कैबिनेट में 75 साल से कम उम्र के नेताओं को जगह दी थी। अब सवाल यह है कि क्या यह नियम आगे भी जारी रहता है या केवल वहीं तक था। अगर यह नियम जारी रहता है, तो 17 सितम्बर 2025 को पीएम मोदी 75 साल के होने जा रहे हैं। जाहिर है, अगले लोकसभा में वह प्रधानमंत्री के दावेदार नहीं हो सकते। हालांकि यह केवल कयास ही हैं, क्योंकि जैसाकि हमने पहले ही कहा कि यह पार्टी का कोई आधिकारिक नियम नहीं है या पार्टी हितों को ध्यान में रखकर अलग से कुछ स्थानों के लिए सीमाएं लागू की गई हैं, लेकिन यह तो मानना ही पड़ेगा कि पिछले कुछ वर्षों में यह नियम कड़ाई से लागू किया गया और भाजपा के कई कद्दावर नेता संविधानिक पदों की जिम्मेदारी से बाहर हो गए। 2016 में गुजरात की मुख्यमंत्री आनंदी पटेल ने भी इस्तीफा दे दिया था, जबकि उनकी आयु 75 की हो गई थी। इसी वर्ष नज्मा हयातुल्ला ने भी मोदी कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था और लोकसभा व विधानसभा के उम्मीदवारों के टिकटों के कटने की लंबी लाइन है, जिन्हें 75 वर्ष की आयु के चलते टिकट नहीं मिला। वैसे यह पार्टी का अपना मामला है कि उसका अगला पीएम कौन होगा।

बेहद ही सफल रहा ऑपरेशन सिंदूर

कई विदेशी समाचार एजेंसियों ने भारत को लेकर भ्रामक और तथ्यहीन जानकारी प्रकाशित की है, भारत का ऑपरेशन सिंदूर बेहद ही सफल रहा, हमने पाकिस्तान में नौ ठिकानों को निशाना बनाया था, इसमें से एक भी नहीं चूका, विदेशी प्रेस ने कहा कि पाकिस्तान ने यह किया, वो किया, आप मुझे एक भी फोटो या सबूत दिखाइए, जिसमें भारत में किसी इमारत को नुकसान हुआ हो, एक कांच तक टूटा हो, उन्होंने बातें लिख दीं और छाप दीं, विदेशी मीडिया द्वारा जारी की गई सैटेलाइट तस्वीरों में 10 मई से पहले और बाद में पाकिस्तान के 13 एयरबेस दिखाए गए, चाहे वह सरगोधा हो, रहीम यार खान हो या चकलाला, मैं सिर्फ वही बता रहा हूं जो उन्होंने अपनी रिपोर्टिंग में छापा, हममें यह क्षमता है कि अगर हम चाहें तो पाकिस्तान के एयरबेस को नुकसान पहुंचा सकते हैं। **–अजित डोभाल, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार**

चंद्रचूड़ बंगला विवाद: सुप्रीम कोर्ट का पत्र सरकार को चेतावनी!

श्रवण गर्ग

इस खुलासे से कि न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ से सरकारी आवास खाली कराने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को पत्र लिखा क्या देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश की जनता में प्रतिष्ठा कम नहीं हुई होगी या फिर क्या ऐसा हुआ होगा कि चंद्रचूड़ और उनके परिवार के प्रति जनता की सहानुभूति बढ़ गई और चर्चा या आलोचना सुप्रीम कोर्ट प्रशासन द्वारा उठाए गए अभूतपूर्व कदम और सरकार की भूमिका पर केंद्रित हो गई?

देश भर के अखबारों/टीवी चैनलों ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित/प्रसारित किया था कि सेवानिवृत्ति के आठ महीने बाद भी चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट के आवास पूल में मुख्य न्यायाधीश के लिए निर्धारित बंगला खाली नहीं किया। न्यायाधीशों को सेवानिवृत्ति के बाद केवल छह माह तक ही सरकारी आवास के उपयोग की पात्रता है। सुप्रीम कोर्ट को चार वर्तमान न्यायाधीशों के लिए आवासों की आवश्यकता है।

चंद्रचूड़ साहब ने अपने स्पष्टीकरण में जिन बातों का खुलासा किया उनमें प्रमुख यह था कि उनकी बेटियां गंभीर जेनेटिक और न्यूरोलॉजिकल समस्याओं से जूझ रही हैं। उनके इलाज के लिए आवास में एक विशेष प्रकार के चिकित्सीय सेट-अप की जरूरत पड़ती है। उन्होंने सरकार से किराए पर वैकल्पिक आवास उपलब्ध करवाने की प्रार्थना की थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया था।

चंद्रचूड़ साहब ने तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना से दिसम्बर 2024 में निवेदन किया था कि वर्तमान आवास में 30 अप्रैल तक रहने की अनुमति प्रदान की जाए। अनुमति दे दी गई थी। उन्होंने न्यायमूर्ति खन्ना से 28 अप्रैल को पुन: आवेदन किया कि चूंकि वैकल्पिकआवास प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है अत: अनुमति की अवधि को 30 अप्रैल तक बढ़ा दिया जाए। इस आवेदन का उन्हें कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। खबरों के मुताबिक चंद्रचूड़ साहब ने वर्तमान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई के संज्ञान में भी यह बात ला दी थी कि सरकार ने वैकल्पिक आवास आवंटित कर दिया है और आवश्यक मरम्मत के बाद ठेकेदार ने उसे 30 जून तक सौंपने का वायदा किया है।

वर्तमान आवास में ही निवास जारी रखने की अवधि आगे बढ़ाने संबंधी चंद्रचूड़ साहब के आवेदनों के पीछे मुख्य कारण यही समझा जा सकता है कि सरकार ने बंगला तो आवंटित कर दिया पर आठ महीनों में भी उसकी मरम्मत करवा कर उनके शिफ्ट होने लायक नहीं बनवाया जा सका। चंद्रचूड़ साहब ने यह भी बताना चाहा कि चूंकि आवंटित किया गया बंगला दो वर्षों से खाली पड़ा था उसमें काफी मरम्मत की जरूरत थी। सामान अब पैक्ड है और ठेकेदार का ओके मिलते ही शिफ्ट कर देंगे।

चंद्रचूड़ साहब के इस कथन के बाद कि जिस आवंटित बंगले में मरम्मत चल रही है वह दो साल से खाली पड़ा था नागरिक-जिज्ञासा इस सवाल पर टिक जाती है कि एक ऐसे समय जब विशिष्ठ और अति-विशिष्ठ व्यक्तियों के लिए आवासों की किल्लत चल रही हो पिछले साल इन्हीं महीनों में कोई दो सौ पूर्व सांसदों को बंगले खाली करने के नोटिस जारी किए गए थे दिल्ली के पॉश लुटियंस झोनमें कोई बंगला दो साल तक खाली कैसे पड़ा रह सकता है?

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश मार्कण्डेय काटजू ने पिछले साल अक्टूबर में आरोप लगाया था कि चंद्रचूड़ साहब के पास न सिर्फ वह बंगला (5, कृष्ण मेनन मार्ग) है जिसका वे मुख्य न्यायाधीश के रूप में इस्तेमाल करते हैं कथित तौर पर उन्होंने तुगलक रोड स्थित उस बंगले का आधिपत्य सरकार को वापस नहीं सौंपा है जिसमें वे न्यायाधीश के रूप में दो वर्षों तक रहते रहे हैं। काटजू साहब ने अपने मेल को तब (संभवत:) न्यायमूर्ति खन्ना और न्यायमूर्ति गवई सहित न्यायपालिका के अन्य व्यक्तियों के साथ भी शेयर किया था।

काटजू साहब ने अपने मेल के अंत में यह भी लिखा था कि उन्हें प्राप्त जानकारी अगर गलत है तो मुख्य न्यायाधीश या उनकी ओर से कोई अन्य व्यक्ति सार्वजनिक तौर पर वक्तव्य जारी करके खंडन कर सकता है। काटजू साहब की उक्त चुनौती के बाद सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री या किसी अन्य के द्वारा कोई खंडन व्यक्तिश: उन्हें अथवा मीडिया को भेजा गया हो ऐसा जानकारी में नहीं आया जिससे कि मामले में संदेह उत्पन्न होता है।

काटजू साहब के साल भर पहले के कथन में अगर सत्यता थी तो क्या यह माना जा सकता है कि जिस बंगले में मरम्मत चल रही है वह वही होगा, जिसमें चंद्रचूड़ साहब मुख्य न्यायाधीश बनने के पूर्व तक निवास करते थे या फिर वह कोई अन्य बंगला है? अपनी सेवानिवृत्ति के पहले किसी बातचीत के दौरान इस सवाल के जवाब में कि पद छोड़ने के बाद क्या कोई सरकारी पेशकश स्वीकार करेंगे चंद्रचूड़ साहब ने जो कहा उसका आशय यही समझा गया था कि वे ऐसा कोई काम नहीं करेंगे जिससे मुख्य न्यायाधीश के पद की प्रतिष्ठा और सुप्रीम कोर्ट की गरिमा को ठेस पहुंचे। क्या माना जा सकता है कि उनके द्वारा की गई सरकारी बंगले की मांग सरकार द्वारा उन्हें की जा सकने वाली किसी पद की पेशकश से भिन्न है?

अनुमान लगाया जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट प्रशासन को इस घटनाक्रम की पूरी जानकारी रही होगी कि चंद्रचूड़ साहब को वैकल्पिक बंगला आवंटित हो गया है और उसकी मरम्मत का काम अंतिम चरणों में है। इसके बावजूद उसके द्वारा अभूतपूर्व कदम उठाते हुए सरकारी आवास खाली करवाने को लेकर सरकार को पत्र लिखे जाने के नागरिक-अर्थ क्या हो सकते हैं? क्या यह नहीं कि सुप्रीम कोर्ट का पत्र हकीकत में सरकार को चेतावनी है कि न्यायपालिका के कामकाज में किसी भी तरह का प्रलोभन या हस्तक्षेप स्वीकार नहीं होगा?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पुराने वाहनों पर प्रतिबंध कितना असरदार

क्या यह फैसला जल्दबाजी में लिया गया? निश्चित रूप से, नीति के कार्यान्वयन से पहले पर्याप्त जन जागरूकता अभियान, वैकल्पिक परिवहन समाधान और स्क्रैपिंग सुविधाओं की कमी ने इसे जल्दबाजी का फैसला साबित किया। साथ ही, तकनीकी बुनियादी ढांचे की अपर्याप्तता ने इसकी विफलता को और उजागर किया। दिल्ली सरकार का पुराने वाहनों पर ईंधन प्रति. बंध और जब्ती का फैसला पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक साहसिक कदम था, लेकिन इसकी खराब योजना और कार्यान्वयन ने इसे जनता के लिए परेशानी का सबब बना दिया।

रजनीश कपूर

दिल्ली, भारत की राजधानी, जो अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समृद्धि के साथ-साथ वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या के लिए भी जानी जाती है, एक बार फिर चर्चा में है। इस बार चर्चा का विषय है दिल्ली सरकार का पुराने डीजल और पेट्रोल वाहनों पर ईंधन आपूर्ति रोकने और उनकी जब्ती का फैसला।

इस नीति का उद्देश्य वायु प्रदूषण को कम करना था, लेकिन इसके लागू होने और फिर स्थगित होने की प्रक्रिया ने जनता के बीच भ्रम और असंतोष को जन्म दिया। क्या यह फैसला जल्दबाजी में लिया गया या जन दबाव का परिणाम था? क्या सरकारें ऐसे फैसले बिना सोचे-समझे लेती हैं?

दिल्ली सरकार ने 1 जुलाई 2025 से 10 वर्ष से अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों को ईंधन देने पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया। यह निर्णय कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट के निर्देश पर आधारित था, जो 2014 के नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और 2018 के सुप्रीम कोर्ट के आदेशों से प्रेरित था। इन आदेशों में दिल्ली में पुराने वाहनों के उपयोग और सार्वजनिक स्थानों पर पार्किंग पर रोक लगाने की बात कही गई थी। इस नीति के तहत, ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरों का उपयोग कर वाहनों की उम्र की पहचान की जानी थी, और जो वाहन एंड ऑफ लाइफ श्रेणी में आते, उन्हें ईंधन देने से मना किया जाता। साथ ही, उल्लंघन करने वाले वाहनों को जब्त करने और स्क्रैप करने का भी प्रावधान था।

इस नीति का प्राथमिक उद्देश्य दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को कम करना था। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में वाहनों से होने वाला प्रदूषण स्थानीय प्रदूषण का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा है। पुराने वाहन, जो आधुनिक उत्सर्जन मानकों का पालन नहीं करते, PM 2.5 और अन्य हानिकारक प्रदूषकों के प्रमुख स्रोत हैं। इस नीति को लागू करने के पीछे पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार का लक्ष्य था।

हालांकि इस नीति का उद्देश्य सराहनीय था, लेकिन इसके कार्यान्वयन ने जनता के बीच व्यापक भ्रम और असंतोष पैदा किया। 1 जुलाई को नीति लागू होने के कुछ ही दिनों बाद, पेट्रोल पंपों पर पुराने वाहनों को ईंधन देने से मना किया जाने लगा और कुछ मामलों में वाहनों को जब्त भी किया गया। इससे मध्यम वर्ग और निम्न-मध्यम वर्ग के लोगों में खलबली मच गई, जो अपनी आजीविका के लिए इन पुराने वाहनों पर निर्भर हैं।

दिल्ली में लगभग 62 लाख वाहन इस नीति से प्रभावित होने वाले थे, जिनमें कार, दोपहिया वाहन, ट्रक और यहां तक कि विंटेज वाहन भी शामिल थे। कई लोगों के लिए, यह वाहन केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि उनकी आर्थिक स्थिरता का आधार थे। उदाहरण के लिए, छोटे व्यापारी, डिलीवरी कर्मचारी और ऑटो-रिक्शा चालक जैसे लोग इन वाहनों पर निर्भर हैं। अचानक ईंधन की आपूर्ति बंद होने से उनकी आजीविका पर संकट मंडराने लगा।

इसके अलावा, नीति के कार्यान्वयन में तकनीकी खामियां भी सामने आईं। ANPR कैमरों की स्थापना और उनके संचालन में समस्याएं थीं, जैसे कि गलत सेंसर, डेटाबेस के साथ एकीकरण की कमी और हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट्स की पहचान में असमर्थता। इन तकनीकी समस्याओं ने नीति को और जटिल बना दिया। पर्यावरण के दृष्टिकोण से, पुराने वाहनों पर प्रतिबंध लगाना एक तार्किक कदम था। लेकिन इसके साथ ही यह भी तर्क दिया जा रहा था कि यदि कोई पुराना वाहन मौजूदा प्रदूषण के मानकों में पास पाया जाता है, उसके पास वैध प्रदूषण प्रमाण पत्र है तो वह प्रदूषण नहीं कर रहा। तो ऐसी स्थित में इस श्रेणी की गाड़ी को प्रतिबंधित क्यों किया जाए? नीति के लागू होने के कुछ ही दिनों बाद, 3 जुलाई को दिल्ली सरकार ने इसे स्थगित कर दिया और इसे 1 नवंबर 2025 तक टाल दिया। इस फैसले के पीछे जनता का तीव्र विरोध और तकनीकी चुनौतियां प्रमुख कारण थे। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने पत्र लिखकर इस नीति को समय से पहले और संभावित रूप से प्रतिकूल बताया और तकनीकी और बुनियादी ढांचे की कमियों का हवाला दिया। इसके अलावा, एक सर्वेक्षण में 79 प्रतिशत दिल्लीवासियों ने इस नीति का विरोध किया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जन दबाव ने सरकार को पीछे हटने के लिए मजबूर किया। पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन ने भी दिल्ली हाई कोर्ट में इस नीति की व्यवहार्यता को चुनौती दी, जिसने भ्रम को और बढ़ाया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बिहार चुनावों में महिलाओं पर दांव के निहितार्थ

ललित गर्ग

बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने अभी तक मतदान की तारीखों की घोषणा नहीं की है, लेकिन राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। विभिन्न राजनीतिक दल लुभावनी घोषणाएं कर रहे हैं, नए-नए मुद्दों को उछाला जा रहा है। गोपाल खेमका हत्याकांड हो या तंत्र मंत्र के चलते एक ही परिवार के पांच लोगों को जला देने की त्रासद घटना- नीतीश कुमार पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान पर संदेह के सवालों के साथ मुखर विपक्षी दल इसके खिलाफ राजनीतिक लड़ाई के साथ ही कानून विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार कर रहे हैं। इस बीच, एनडीए की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने एनडीए से दूरी बनाते हुए बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का संकेत देकर सियासी परि.श्य को दिलचस्प बना दिया है।

इन्हीं परिदृश्यों के बीच बिहार सरकार ने सरकारी नौकरियों में स्थानीय महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के फैसला लेकर चुनावी सरगर्मियों को एक नया मोड़ दे दिया है। बिहार सरकार का यह निर्णय केवल एक चुनावी रणनीति भर नहीं, बल्कि एक गहरे सामाजिक परिवर्तन का संकेतक भी है। तय है कि इस बार के बिहार चुनाव के काफी दिलचस्प एवं हंगामेदार होंगे। सरकारी नौकरियों में स्थानीय महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण के गहरे निहितार्थ हैं।

एनडीए की नीतिश सरकार ने स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता देने एवं उनके लिए सरकारी रोजगार उपलब्ध कराने के इस ब्रह्मास्ध्त्र को दाग कर चुनावी समीकरण अपने पक्ष में कर लिए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसे ह्महिला सशक्तिकरण का राजनीतिक समाधान बताया, क्योंकि राज्य की महिलाएं कई चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। पिछली लोकसभा चुनाव में महिलाओं की मतदान दर पुरुषों से कहीं अधिक रही, 59.45 प्रतिशत महिलाओं ने हिस्सा लिया जबकि पुरुष केवल 53 प्रतिशत मतदान करने पहुंचे। यह आंकड़ा दिखाता है कि चुनावी जीत में महिला मतदाता कितनी निर्णायक हो सकते हैं, साफ है, सत्ता की चाबी वहां महिलाओं ने अपने हाथों में ले ली है और वे धार्मिक व जातिगत आग्रहों से अधिक लैंगिक हितों से प्रेरित हैं।

बिहार उन शुरुआती राज्यों में एक है, जिसने पंचायत और स्थानीय निकायों में आधी आबादी के लिए 50 फीसदी सीटें आरक्षित की हैं। इस कदम ने यहां की स्त्रियों में जबर्दस्त राजनीतिक जागरूकता पैदा की है। चुनावों की दशा एवं दिशा बदलने में महत्वपूर्ण एवं निर्णायक किरदार निभाने के कारण ही हरेक राजनीतिक दल महिला वर्ग को आकर्षित करने में जुट गया है। राजद-कांग्रेस-वाम दलों का महागठबंधन 'माई-बहिन मान योजना' के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रूपए देने का वायदा कर चुका है, तो राजद नेता तेजस्वी यादव बेरोजगारी और डोमिसाइल के मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहे हैं। ऐसे में, नीतीश सरकार के इस नीतिगत दांव को समझा जा सकता है। जातिगत और स्थानीय समीकरण भुनाने के लिए निश्चित ही यह एक संगठित चाल है, जहां जाति और आवासीयता दोनों को आधार बनाया गया। यह सर्वविदित तथ्य है कि भारत में शैक्षिक क्षेत्र में लैंगिक खाई लगातार सिमट रही है। बिहार की बेटियां देश के अनेक महानगरों में अपनी योग्यता और मेहनत के दम पर पहचान बना चुकी हैं। सूचना क्रांति, बढ़ती अपेक्षाओं और सामंती बंधनों के ढीले पड़ते जाने के कारण अब ग्रामीण बिहार की बेटियां भी ऊंचे सपने संजो रही हैं। हाल ही में बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति के दौरान यह देखा गया कि देश के विभिन्न प्रदेशों की योग्य लड़कियां इंटरव्यू देने आईं, जिनमें से अनेक ने सफलता प्राप्त की और अब बिहार के सरकारी स्कूलों में अध्यापन कर रही हैं। निस्संदेह, यह एक सैद्धांतिक रूप से प्रगतिशील और समावेशी समाज का प्रतीक है, जहां महिलाएं सीमाओं से परे जाकर अपनी पहचान बना रही हैं, लेकिन व्यावहारिक धरातल पर देखें, तो महिला सुरक्षा, सामाजिक असमानता, आवास व पारिवारिक बाधाएं, और प्रवास की मजबूरियां अब भी मौजूद हैं। ऐसे में यदि सरकारें योग्य महिलाओं को उनके घर के आस-पास ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं, तो यह न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक कदम होगा, बल्कि सामाजिक संरचना में स्थिरता और पारिवारिक सहूलियत का भी कारण बनेगा। यही कारण है कि नीतीश कुमार सरकार महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए एक के बाद एक योजनाएं ला रही है। साइकिल योजना, पोशाक योजना, कन्या उत्थान योजना, वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धि, पिंक टॉयलेट, महिला पुलिस भर्ती में आरक्षण जैसे कई कदम इस सिलसिले में पहले ही उठाए जा चुके हैं। यह मान्यता कि बेटियां अब सिर्फ अपने घरों की शोभा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की भागीदार हैं, नीति निर्माण में स्पष्ट झलकने लगा है।

यह न केवल बिहार की महिलाओं को उनके अधिकार का अनुभव कराएगा, बल्कि बेरोजगारी से जूझते प्रदेश में स्थानीय प्रतिभा के पलायन को भी रोकेगा। इस फैसले से खास तौर पर निम्न और मध्यमवर्गीय महिलाओं को फायदा होगा, जिनके लिए दूसरे शहरों में जाकर नौकरी करना एक बड़ा पारिवारिक और सामाजिक संकट बन जाता है। घर के पास नौकरी मिलने से न केवल सुरक्षा की भावना बढ़ेगी, बल्कि समाज में महिलाओं की स्थाई उपस्थिति और भूमिका भी मजबूत होगी। हालांकि इस फैसले को लेकर विपक्षी दलों की मिश्रित प्रतिक्रिया सामने आई है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने इसे नीतीश कुमार की चुनावी चाल बताया है और आरोप लगाया है कि सरकार महिलाओं की वास्तविक समस्याओं को दूर नहीं कर पा रही, बल्कि सिर्फ भावनात्मक मुद्दों को उछालकर वोट बटोरने की कोशिश कर रही है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बलूचिस्तान में 9 बस यात्रियों की गोली मारकर हत्या

बंदूकधारियों ने बस रोककर किडनैप किया, पहचान करने के बाद मारी गोली

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में गुरुवार देर रात क्वेटा से लाहौर जा रही एक यात्री बस को हथियारबंद लोगों ने रोककर 9 यात्रियों को अगवा किया और उन्हें गोलियों से भून दिया। यह घटना नार्थ बलूचिस्तान के सर धक्का इलाके में झोब के पास हुई, जो लंबे समय से चरमपंथियों की गतिविधियों का केंद्र रहा है। झोब के असिस्टेंट कमिश्नर नवीन आलम के मुताबिक, हमलावरों ने बस से यात्रियों को उतारा, पहचान की और फिर 9 लोगों को गोली मार दी।

आलम ने बताया कि ये सभी शव बरखान जिले के रेखनी अस्पताल भेजे गए हैं। हत्या का तरीका बताता है कि हमलावर पहले से योजना बनाकर आए थे और टारगेटेड किलिंग कर रहे थे। बलूचिस्तान की प्रांतीय सरकार इसे भारत समर्थित हमला बता रही है। सरकार ने इस हमले के पीछे फितना अल-हिंदुस्तान का हाथ होने की बात कही है। पाकिस्तान सरकार ने मई में बलूचिस्तान के सभी विद्रोही संगठनों को फितना-अल-हिंदुस्तान का नाम दिया है। इनमें बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी

ये सभी शव बरखान जिले के रेखनी अस्पताल भेजे गए हैं हमलावर पहले से योजना बनाकर आए थे

पाकिस्तान सरकार ने मई में बलूचिस्तान के सभी विद्रोही संगठनों को फितना-अल-हिंदुस्तान का नाम दिया है

(बीएलए) सबसे बड़ा और प्रमुख संगठन है। सरकारी प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा यह सिर्फ एक हमला नहीं, निर्दोष पाकिस्तानियों की क्रूर हत्या है। यह फितना अल-हिंदुस्तान की बर्बर सोच का नतीजा है। रिंद ने बताया कि मास्तुंग, कालात और सरदगाई में भी फितना अल-हिंदुस्तान से जुड़े आतंकियों ने हमले किए, लेकिन वहां सुरक्षा बलों ने स्थिति को संभाल लिया। झोब में हमला अंधेरे का फायदा उठाकर किया गया, जिससे हमलावर बच निकले। रिंद ने यह भी बताया कि लोरालाई में भी यात्रियों के अगवा होने की सूचना है और उनके लिए तलाशी अभियान जारी है। इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीटयूट फार कान्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी (पीआईसीएनएन) की रिपोर्ट बताती है कि मई 2025 में देश में कुल 85 आतंकी हमले हुए। इनमें बलूचिस्तान सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। यहां अकेले 35 हमले हुए जिनमें 51 लोगों की मौत और 100 से ज्यादा घायल हुए। इनमें नागरिकों की संख्या सबसे ज्यादा है। हमलों में 30 आम लोग, 18 सुरक्षाकर्मी और 3 आतंकी मारे गए।

पाक अभिनेत्री हुमैरा का शव मौत के नौ महीने बाद फ्लैट में मिला

कराची। पाकिस्तानी मॉडल एवं अभिनेत्री हुमैरा असगर अली का शव आठ जुलाई को कराची के डिफेंस हाउसग अथॉरिटी (डीएचए) में उनके अपार्टमेंट में मिला। स्थानीय पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेत्री का शव मृत्यु के नौ महीने से अधिक समय बाद बरामद किया गया। डॉक्टरों ने कहा कि शव इतना सड़ चुका था कि यह पता लगाना लगभग असंभव था कि उनकी मृत्यु कैसे हुई। दक्षिण पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सैयद असद रजा के अनुसार, 32 वर्षीय अभिनेत्री के शव का पता तब चला जब पुलिस और अदालत का कर्मचारी बकाया किराया न चुकाने के कारण फ्लैट खाली कराने के अदालती आदेश के साथ उनके अपार्टमेंट पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि बार बार दरवाजा खटखटाने पर जब कोई जवाब नहीं मिला तो अधिकारी इत्तेहाद कमर्शियल, फेज छह के चौथे मंजिल वाले अपार्टमेंट में घुसे जहां उन्होंने अभिनेत्री की सड़ी-गली लाश बरामद की।

ईरानी हमले में अमेरिकी एयरबेस हुआ था तबाह

कतर स्थित अमेरिकी एयरबेस का संचार केंद्र आया निशाने पर

वाशिंगटन। गत माह ईरान के हमले में कतर स्थित अमेरिका के एयरबेस पर जियोडेसिक गुंबद को नुकसान पहुंचा। इस जियोडेसिक गुंबद का इस्तेमाल अमेरिकी वायुसेना द्वारा सुरक्षित संचार के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। सैटेलाइट तस्वीरों से यह खुलासा हुआ है।

हालांकि अमेरिका या कतर की सरकार ने इसे लेकर कोई बयान नहीं दिया है। अमेरिका ने बीते महीने बंकर बस्टर बमों से ईरान के तीन परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके जवाब में ईरान ने कतर स्थित अमेरिकी वायुसेना के ठिकाने पर हमला किया था। हालांकि उसके बाद दोनों देशों में शांति समझौता हो गया था। ईरान ने 23 जून को कतर स्थित अल उदैद एयर बेस को निशाना बनाया था। ईरान के हमले में अमेरिकी एयरबेस को मामूली नुकसान हुआ। इसकी वजह ये रही कि अमेरिका ने हमले से पहले ही अपने लड़ाकू विमानों को सेना के सेंट्रल कमांड मुख्यालय स्थानांतरित कर दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी बताया कि ईरान ने हमले से पहले ही संकेत दे दिए थे कि हमला कहां होने वाला है, जिससे अमे. रिका को अपने बचाव में कदम उठाने का मौका मिला। प्लेनेट लैब्स की सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला कि ईरानी हमले में अमेरिकी एयरबेस पर स्थित जियोडेसिक गुंबद को नुकसान पहुंचा है। जियोडेसिक गुंबद का इस्तेमाल अमेरिकी सेना सुरक्षित संचार के लिए इस्तेमाल करती थी। कतर के अल उदैद एयर बेस पर अमेरिकी वायुसेना की 379वीं एयर एक्सपीडिशनरी विंग तैनात है। 25 जून को ली गई सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि ईरानी हमले के बाद जियोडेसिक गुंबद तबाह हो गया है। हालांकि इसके अलावा और कोई नुकसान नहीं हुआ है। अमे. रिकी राष्ट्रपति ने ईरान के हमले को बेहद कमजोर बताया था और कहा कि हमले में अमेरिका को कोई नुकसान नहीं हुआ। हालांकि ईरान ने दावा किया कि उनके हमले में एयरबेस को भारी नुकसान हुआ है।

ट्रम्प ने कनाडा पर 35% टैरिफ लगाया

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा किया है कि अमेरिका अगले महीने कनाडा से आयात पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा जबकि वह अन्य अधिकांश व्यापारिक साझेदारों पर 15 या 20 प्रतिशत का टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है।

गुरुवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक पत्र में ट्रम्प ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को बताया कि नई दर एक अगस्त से लागू होगी और अगर कनाडा ने जवाबी कार्रवाई की तो यह और बढ़ जाएगा। यह पत्र सोमवार से ट्रम्प द्वारा जारी किए गए 20 से अधिक ऐसे पत्रों में नवीनतम है क्योंकि

■ यह पत्र ट्रम्प और कार्नी के बीच मधुर होते संबंधों के बीच आया

वह दर्जनों अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ व्यापार युद्ध की धमकियां जारी रखे हुए हैं। यह पत्र ट्रम्प और कार्नी के बीच मधुर होते संबंधों के बीच आया है। कनाडाई नेता छह मई को व्हाइट हाउस गए थे और ओवल ऑफिस में ट्रम्प के साथ सौहार्दपूर्ण बैठक की थी। पिछले महीने कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन में उनकी फिर से मुलाकात हुई जहां नेताओं ने ट्रम्प पर उनके कठोर व्यापार युद्ध से पीछे हटने के लिए दबाव डाला।

अमेरिका नाटो के जरिये यूक्रेन को देगा हथियार

2.5 हजार करोड़ के मिसाइल-रॉकेट, NATO 100% खर्च देगा, रूस पर बयान दे सकते हैं ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका नाटो के माध्यम से यूक्रेन को हथियार भेजेगा और नाटो इन हथियारों का पूरा खर्च देगा। ट्रम्प ने कहा-नाटो सहयोगियों और यूक्रेन के बीच अमेरिका से हथियारों की आपूर्ति को लेकर एक नया समझौता हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका 300 मिलियन डॉलर (2.5 हजार करोड़ रुपए) का पैकेज यूक्रेन को भेजने की तैयारी कर रहा है, जिसमें पैट्रियट मिसाइल सिस्टम और मीडियम रेंज के राकेट शामिल होंगे, हालांकि हथियारों पर अंतिम निर्णय अभी बाकी है। बता दे, अमेरिका खुद नाटो का सदस्य है। नाटो एक अंतर्राष्ट्रीय सैन्य गठबंधन है। 2025 तक नाटो के 32 सदस्य देश हैं। इसका मकसद सदस्य देशों की सामूहिक सुरक्षा सुनिश्चित करना और बाहरी हमलों से उनकी रक्षा करना है। अमेरिका

नाटो खर्च में 66 प्रतिशत हिस्सा देता है। इसके साथ ट्रम्प ने कहा कि वे सोमवार को रूस को लेकर बड़ा बयान दे सकते हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद ये पहली बार होगा जब ट्रम्प प्रेसिडेंशियल ड्राडाउन अथारिटी के तहत यूक्रेन को हथियार भेजने की अनुमति देंगे। यह एक कानूनी तरीका है जो राष्ट्रपति को बुरे समय में अमेरिकी भंडार से सीधे हथियार भेजने की अनुमति देता है। इससे पहले ट्रम्प सरकार ने केवल पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा मंजूर किए गए हथियार ही यूक्रेन को भेजे थे। यह हथियारों का नया समझौता अमेरिका, नाटो और यूक्रेन के बीच है। पहले अमेरिका सीधे यूक्रेन को हथियार भेजता था, लेकिन अब यह प्रक्रिया नाटो के जरिए होगी। ट्रम्प ने कहा कि हम नाटो को हथियार भेजेंगे, और नाटो इनका पूरा पैसा देगा। फिर नाटो इन्हें यूक्रेन को देगा। ट्रम्प ने ये कदम रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति उनकी बढ़ती नाराजगी के बाद लिया है। ट्रम्प ने 7 जुलाई को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा था- सच कहूं तो मैं इस बात से निराश हूं कि पुतिन ने अपनी हरकतें बंद नहीं की। दरअसल, ट्रम्प ने रूस और यूक्रेन से युद्ध विराम के लिए कई बार बातचीत की थी, लेकिन पुतिन ने सीजफायर से मना कर दिया था।

अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई में अधिकारियों की वफादारी की जांच

वाशिंगटन। अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो आफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) इन दिनों अपने ही सीनियर अधिका. रियों की वफादारी जांचने के लिए पालीग्राफ टेस्ट यानी झूठ पकड़ने वाली मशीन का उपयोग कर रही है।

जिन अफसरों से सवाल पूछे जा रहे हैं, उनमें कुछ से ये भी पूछा गया कि क्या उन्होंने एफबीआई निदेशक कश पटेल के खिलाफ कुछ नकारात्मक कहा था। अब तक एफबीआई इस तरह के टेस्ट उन्हीं कर्मचारियों पर करती थी जिन पर देशद्रोह या गोपनीय सूचनाएं लीक करने का शक होता था, लेकिन जब से कश पटेल ने एफबीआई निदेशक का पद संभाला है, तब से इस टेस्ट का

■ झूठ पकड़ने वाली मशीन से पूछे जा रहे हैं सवाल

उपयोग कई गुना बढ़ गया है। अब यह व्यक्तिगत निष्ठा जांचने का हथियार बनता जा रहा है। एफबीआई से मीडिया में लगातार खबरें लीक होने की वजह से एजेंसी में पालीग्राफ टेस्ट बढ़ गए हैं। दर्जनों अफसरों से पालीग्राफ टेस्ट में पूछा गया कि क्या उन्होंने काश पटेल के खिलाफ कोई बयान दिया है। सूत्रों के मुताबिक एक बार यह पता लगाने के लिए टेस्ट किया गया कि काश पटेल के सर्विस वेपन की मांग करने की खबर मीडिया को किसने दी। काश पटेल एफबीआई एजेंट नहीं है, उन्हें सर्विस वेपन (हथियार) का अधिकार नहीं है।

भुवनेश्वर। पार्टी के 'संविधान बचाओ समावेश' के दौरान बोलते लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने की 1300 से ज्यादा कर्मचारियों को निकालने की घोषणा

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने ट्रम्प प्रशासन की एक पुनर्गठन योजना के तहत शुक्रवार को 1300 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की घोषणा की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 1107 सिविल सर्वेंट्स और 246 विदेश सेवा अधिकारियों को नौकरी से हटाने के नोटिस भेजे जा रहे हैं। विदेश सेवा अधिकारियों को 120 दिनों की प्रशासनिक छुट्टी पर रखा जाएगा, जिसके बाद उनकी नौकरी समाप्त हो जाएगी। सिविल सर्वेंट्स के लिए यह अवधि 60 दिन होगी। विदेश मंत्रालय का कहना है कि यह कदम गैर-जरूरी कामों को खत्म करने के लिए उठाया गया है ताकि विदेशों में विभाग को अधिक कुशल बनाया जा सके।

बांग्लादेश में कट्टरपंथी पार्टियों को सेना का समर्थन

हसीना की पार्टी चुनावी मैदान से गायब

ढाका। बांग्लादेशी आर्मी के चीफ जनरल वाकर-उज-जमान का झुकाव अब कट्टरपंथी इस्लामी दलों की ओर देखा जा रहा है।

जिनमें जमात- ए-इस्लामी, इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश, खिलाफत मजलिस, मुत्ताहिदे मजलिस-ए-अमल, और तंजीमुल उलेमा जैसे दल शामिल हैं। ये सभी मिलकर एक कट्टरपंथी गठबंधन के रूप में उभर रहे हैं और एकजुट होकर प्रोपोर्शनल रिप्रेजेंटेशन प्रणाली (मत प्रतिशत आधारित सीट बंटवारा) की मांग कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि यह मांग नहीं मानी गई तो वे चुनाव बहिष्कार का रास्ता अपनाएंगे। मुख्य विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अंदरूनी चुनौतियों

■ मुख्य विपक्षी पार्टी खालिदा की बीएनपी मुश्किलों में घिरी

से जूझ रही है। पार्टी अब तक उम्मीदवार तय नहीं कर पाई है और हर सीट पर कई दावेदारों के चलते अंतर्विरोध गहराते जा रहे हैं। ऐसे में नेता तारीक रहमान की संभावित वापसी को पार्टी संकट से उत्थान की अंतिम उम्मीद मान रही है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग चुनावी मैदान से लगभग गायब है। वहीं तेजी से उभर रही छात्रों की पार्टी नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) जबरदस्त प्रचार कर रही है। चीफ एडवाइजर के नेतृत्व में राष्ट्रीय सहमति आयोग व संविधान सुधार आयोग ने दो सदन वाली संसद की सिफारिश की है।

अमेरिकी हमले में भी बच गया ईरानी परमाणु कार्यक्रम

इजरायली अधिकारी ने किया चौंकाने वाला दावा

तेल अवीव। इजरायल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया है कि बीते महीने अमेरिका द्वारा किए गए हमले के बावजूद ईरान का परमाणु कार्यक्रम बच गया और ईरान अभी भी यूरेनियम संवर्धन की क्षमता हासिल कर सकता है।

अमेरिका के बंकर बस्टर बम बनाने वाली एजेंसी ने भी कहा है कि वे इस बात की समीक्षा कर रहे हैं कि बंकर बस्टर बम अपने लक्ष्य तक पहुंचे या नहीं। गौरतलब है कि इजरायली अधिकारी का यह दावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे के विपरीत है, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि अमेरिकी हमले में ईरान के परमाणु ठिकाने तबाह हो गए हैं और ईरान को यूरेनियम संवर्धन की क्षमता हासिल करने में अब कई साल लगेंगे। अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी ने भी एक प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा कि हमलों ने फोर्डो, नतांज और इस्फहान स्थलों को काफी नुकसान पहुंचाया, लेकिन वे पूरी तरह से नष्ट नहीं हुए हैं। वरिष्ठ इजरायली अधिकारी ने कहा कि ऐसा माना जा रहा है कि ईरान का अधिकांश संवर्धित यूरेनियम इस्फ़हान परमाणु ठिकाने में गहराई से दबा हुआ है।

आवश्यकता है हॉलैंड की प्रसिद्ध कंपनी
साऊदी अरब के लिए आवश्यकता है
श्रम-वेतन-1000 साऊदी रियाल, आयु - 21 से 28 वर्ष, ड्यूटी - 10 घंटे, सप्ताह में 6 दिन
केवल मुस्लिम उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं
नि:शुल्क भर्ती, ट्रांसपोर्ट फ्री, रहना व खाना फ्री
इच्छुक उम्मीदवार पासपोर्ट, फोटोग्राफ लेकर निम्न पते पर मिलें
दिल्ली: अम्बे कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, ए-3 ब्लॉक सी कम्यूनिटी सेंटर नारायण बिहार नई दिल्ली 011-45661111, 9910043893
चंडीगढ :- अम्बे कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड एससीओ 15, सेक्टर 20डी (लेबर चौंक) चंडीगढ M:73558-48978

संकट में भारतीय: म्यांमार से रिहाई की तीव्र मांग उठी

म्यांमार में फंसे 44 भारतीय नागरिकों में केरल के पांच नागरिक भी शामिल

तिरुवनंतपुरम। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और लोकसभा सदस्य केसी वेणुगोपाल ने म्यांमार में मानव तस्करी में फंसे 44 भारतीयों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

म्यांमार में फंसे 44 भारतीय नागरिकों में केरल के पांच नागरिक भी शामिल हैं। वेणुगोपाल ने कहा कि पीड़ितों पर क्रूर शारीरिक हमले किए गए तथा उनके फोन, पासपोर्ट और अन्य सामान जब्त कर लिए गए जिससे वे बाहरी दुनिया से कट गए हैं। पीड़ितों को कथित तौर पर म्यांमार के डोंगमेई पार्क में रैकेट चलाने वालों द्वारा खतरनाक परिस्थितियों में रखा गया है जिससे उनके परिवार गहरी चता में हैं। वेणुगोपाल ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर एक पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने कहा है कि पीड़ितों में से एक, केरल के कासरगोड के पदन्ना निवासी मशूद

■ पीड़ितों को यूरोप स्थित एक कंपनी के पैकिंग विभाग में नौकरी दिलाने का वादा किया जाता है

अली ने 10 दिन पहले भारतीय दूतावास में शिकायत दर्ज की थी लेकिन उसपर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। मशूद अली ने खुलासा किया कि तस्कर विदेश में नौकरी चाहने वाले लोगों को भर्ती करने के लिए फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। इस घोटाले में ऐसे लोगों को फर्जी नौकरी का ऑफर देकर फंसाया जाता है और फिर उनका इस्तेमाल दूसरों को भर्ती करने के लिए किया जाता है। पीड़ितों को यूरोप स्थित एक कंपनी के पैकग विभाग में नौकरी दिलाने का वादा किया जाता है। प्रत्येक व्यक्ति से तीन से पांच लाख रुपये वसूलने के बाद, तस्कर उनका विश्वास जीतने के लिए दो महीने का वीज़ा और हवाई जहाज का टिकट उपलब्ध कराते हैं। शुरुआत में, भर्ती किए गए लोगों को बैंकॉक भेजा जाता है और तथाकथित प्रदर्शन मूल्यांकन के तहत कुछ दिनों तक काम कराया जाता है। फिर उन्हें बताया जाता है कि बेहतर रोज़गार के लिए उन्हें ब्रिटेन भेजा जाएगा लेकिन इसके बजाय उन्हें गुप्त रूप से म्यांमार भेज दिया जाता है। मशूद अली ने बताया कि कोल्लम का एक और पीड़ित जिष्णु, जो उसके साथ एक कमरे में रहता था, पिछले दिन से लापता है।

अमेरिका ने दी अपने लोगों को ईरान न जाने की सलाह

वाशिंगटन। अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए ईरान की यात्रा न करने की एक 'नई यात्रा सलाह' जारी करते हुए कहा है कि भले ही बमबारी बंद हो गई हो लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वहां की यात्रा सुरक्षित है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने अपने नागरिकों खासकर ईरानी मूल के लोगों को ईरान की यात्रा के गंभीर खतरों के बारे में आगाह करते हुए एक नया जागरूकता अभियान शुरू किया है। विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने ईरानी मूल के लोगों से ईरान की यात्रा से बचने का आग्रह किया है। यह परामर्श ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले ही अमेरिका ने ईरानी प्रशासन की ओर से अवैध तेल व्यापार में शामिल कई जगहों में फैले एक नेटवर्क से जुड़ी 22 संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया है। एक प्रेस वार्ता में सुब्रूस ने ज़ोर

बमबारी हालांकि बंद हो गई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि ईरान की यात्रा करना सुरक्षित है

दिया कि ईरानी सरकार दोहरी नागरिकता स्वीकार नहीं करती है और हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों को नियमित रूप से राजनयिक पहुंच देने से इनकार करती है।

उन्होंने कहा कि विभाग एक नए जागरूकता अभियान की घोषणा कर रहा है जिसमें अमेरिकियों खासकर ईरानी अमेरिकियों को ईरान की यात्रा के लगातार बढ़ते गंभीर खतरों के बारे में चेतावनी दी जाएगी। ईरानी शासन दोहरी राष्ट्रीयता को मान्यता नहीं देता है। और हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों को नियमित रूप से कांसुलर सेवाएं देने से इनकार करता है।

ADMISSION OPEN
Session 2025-26
न्यू स्टेट नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कालेज
12 किमी. स्टोन, रुड़की रोड, मुजफ्फरनगर
Affiliated by: U.P. State Medical Faculty Lucknow and recognized by the U.P. Govt.
कोर्स
• डी० पी० टी० • ऑप्टोमैट्री • ओ० टी० टैक्नीशियन
कोर्स अवधि : 2 वर्ष
योग्यता : 12वीं पास बायोलोजी/गणित
हसन नर्सिंग होम
92, उत्तरी सरवट गेट, मुजफ्फरनगर
मो0: 8899777782 9897640744
अखबार की कटिंग साथ लाने वाले को 5000 की छूट